नीलू प्रिंटिंग प्रेस
हर प्रकार की वेब ऑफसेट एवं रंगीन या बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए नोएडा में एक मात्र स्थान
ई 11, सेक्टर-7 नोएडा (यूपी)
फोन नं. : 9811157562

फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, शुक्रवार 18 सितंबर 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है
1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेंट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी
सम्पर्क करें- 9811157562
समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 258 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

चंद्रशेखरन 5 साल और टाटा संस के चेयरमैन रहेंगे

बोर्ड ने कार्यकाल बढ़ाया, पिछले महीने नोएल टाटा से मतभेद के चलते इस्तीफा दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल 2032 तक बढ़ा दिया गया है। टाटा संस लिमिटेड के बोर्ड ने गुरुवार को नया कार्यकाल देने को मंजूरी दी। कंपनी को शेयर मार्केट में उतारने का भी निर्णय लिया गया है। अभी चंद्रशेखरन का दूसरा कार्यकाल चल रहा है,

वे फरवरी 2027 में रिटायर होने वाले थे। चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त 2026 को इस्तीफा दे दिया था। तब नोएल टाटा से मतभेद और ट्रस्ट में खींचतान की वजह बनी थी। एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने के फैसले को अभी सालाना आम बैठक में मंजूरी मिलनी है, जिसमें टाटा ट्रस्ट की 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ट्रस्ट के बोर्ड सदस्य नोएल टाटा फैसले के खिलाफ हैं, जबकि वेनु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का समर्थन किया है।

महाराष्ट्र सरकार की सीक्रेट डिप्लोमेसी और 20 दिन बाद खत्म हुआ मनोज जारांगे का अनशन

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण एक्टिविस्ट मनोज जारांगे पाटिल ने गुरुवार, 17 सितंबर को अपना 20 दिन का अनशन खत्म कर दिया है। मनोज जारांगे ने महाराष्ट्र सरकार से कहा है कि अगर तीन महीने में मराठा आरक्षण पर उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो वे अपना

विरोध प्रदर्शन राजधानी मुंबई तक ले जाएंगे। पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने गए महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जारांगे पाटिल के सहयोगियों के बीच बातचीत कराने में मदद की। मनोज जारांगे पाटिल के अनशन को लेकर कई दौर की बातचीत हुई, जिसमें उदय सामंत ने पेरिस से ही तालमेल बैठाया। उद्योग मंत्री ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से कई बार बात की। सूत्रों के मुताबिक, कुल सात बार बातचीत हुई। उद्योग मंत्री उदय सामंत ने एक कॉन्फ्रेंस कॉल की, जिसमें वे खुद, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और बीजेपी नेता प्रसाद लाड शामिल रहे।

बंगाल एसटीएफ को बड़ी सफलता

शीर्ष माओवादी नेता असीम मंडल गिरफ्तार, पैसे जुटाने के लिए पहुंचा था ससुराल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। करीब दो करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष माओवादी नेता असीम मंडल उर्फ आकाश को कोलकाता पुलिस की विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने गुरुवार तड़के पूर्व मेदिनीपुर के पोटाशपुर से गिरफ्तार किया। सूत्रों के मुताबिक, संगठन के कमजोर पड़ने और कई बड़े नेताओं के आत्मसमर्पण के बावजूद आकाश ने हथियार डालने से इनकार कर दिया था।

पुणे में 21 हजार पानीपुरी से बनी 13 फीट ऊंची इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमा, देखते ही कहेंगे वाह!

पुणे (एजेंसी)। इस समय पूरे देश में गणेशोत्सव 2026 की धूम मची है। खासकर पूरे महाराष्ट्र में चारों ओर गणेश उत्सव की प्रतिमा ही प्रतिमा दिखाई दे रही है. लोग अपनी भक्ति का अलग-अलग तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रथम पूज्यनीय भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। ऐसा ही एक नजारा महाराष्ट्र के पुणे से सामने आया है। पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज रोड पर गणेश भेल की ओर से बनाई गई गणपति की एक अनोखी मूर्ति लोगों का खास ध्यान खींच रही है। बता दें, यहां पानीपुरी से करीब 13 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा बनाई गई है, जिसमें 21,000 पानीपुरी का प्रयोग किया गया है। गणेश भेल के मालिक रूपेश और दिनेश गुडमेवार ने अपने कारोबार से जुड़ी चीजों का अनोखे ढंग से इस्तेमाल करके यह मूर्ति बनाई है। भेल और पानी-पूरी का कारोबार करते समय उन्हें यह विचार आया कि क्या वे अपने काम में इस्तेमाल होने वाली चीजों से ही गणपति बप्पा की एक अनोखी मूर्ति बना सकते हैं. इसी सोच से पानी-पूरी से गणपति की मूर्ति बनाने का आइडिया आया।

पुणे के गुडमेवार भाइयों ने इस आइडिया को हकीकत में बदलने से पहले छह महीने तक योजना बनाने और विचार-विमर्श करने में बिताए। उन्होंने पानीपुरी से बनी इतनी बड़ी मूर्ति के लिए जरूरी स्ट्रक्चरल डिजाइन पर स्टडी की। इसमें उन्होंने इस बात पर गौर किया कि पानीपुरी को कैसे व्यवस्थित किया जाए और मूर्ति का आकार और स्थिरता कैसे बनाए रखी जाए। मूर्ति बनाने का असल काम दो महीने पहले शुरू हुआ था। 13 फीट ऊंची यह गणेश प्रतिमा बांस, कागज और 21,000 पानीपुरी से बनाई गई है। हर पूरी को बहुत बारीकी से इस ढांचे में लगाया गया, जिससे बप्पा की एक शानदार और आकर्षक छवि तैयार हुई। इस मूर्ति को देखने के लिए आम लोगों और गणेश भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। ऐसी मूर्तियों के लिए आमतौर पर इस्तेमाल न होने वाली चीजों से बनी होने के कारण यह मूर्ति सबसे अलग दिखती है।

खास बात यह है कि 13 फीट ऊंची यह शानदार मूर्ति सिर्फ दिखाने के लिए है। पूजा और दर्शन के लिए गणपति बप्पा की एक अलग और छोटी मूर्ति पास ही में स्थापित की गई है। इससे भक्त बप्पा के दर्शन और पूजा कर पाते हैं, जबकि पूरी तरह से पानीपुरी से बनी यह शानदार मूर्ति लोगों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बन गई है। हालांकि, पानीपुरी से बनी मूर्ति को संभालकर रखना एक बड़ी चुनौती है।

प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिन पर

बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की किश्त जारी

मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताः अमित शाह, वडनगर से बनारस बाइक रैली रवाना की, देशभर में सेवा-संकल्प अभियान के तहत हुए कार्यक्रम

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना/अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी का गुरुवार को 76वां जन्मदिन है। इस मौके पर देशभर में सेवा-संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम हो रहे हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की किश्त जारी की। मोदी ने कहा कि बंगाल के लोगों को लंबे समय तक केंद्र की योजनाओं को लाभ नहीं मिल पाया, जिससे उन्हें नुकसान हुआ।

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में हैं। उन्होंने मोदी के जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी तक करीब 1300 किमी की बाइक रैली रवाना की।

वाराणसी से भी वडनगर के लिए बाइक रैली शुरू हुई। इसमें करीब 600 बाइकर्स, 10 राज्य और 193 जिले शामिल होंगे। इसका समापन 7 अक्टूबर को होगा।

रेखा गुप्ता ने दान किए शरीर के 14 अंग

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मानवता

और परोपकार की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री ने इस खास मौके पर अपने शरीर के विभिन्न अंगों और ऊतकों के महादान का संकल्प लिया है, जो चिकित्सा जगत और जरूरतमंदों के जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगाएगा।

शुभकामनाओं का तांता

इस अवसर पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, फिल्म सितारों समेत केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली एनडीए के नेताओं उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर नेताओं ने उनके नेतृत्व, जनसेवा के प्रति समर्पण और देश के विकास में योगदान की तारीफ की। बीजेपी पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' भी शुरू कर रही है। यह अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें पूरे देश में सेवा गतिविधियां और आउटरीच प्रोग्राम होंगे। यह अभियान पीएम मोदी के पब्लिक सर्विस में 25 साल पूरे होने का भी प्रतीक है।

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं- बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो देश में सामाजिक समरसता का मंत्र फूंकते हैं।

खड़गे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर अच्छी सेहत और लंबी उम्र की शुभकामनाएं दीं।

राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, मोदी जी के नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

सीएम योगी बोले, भगवान विश्वकर्मा राष्ट्र शिल्पी तो पीएम मोदी आधुनिक भारत के शिल्पकार

विश्वकर्मा जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के जटाशंकर स्थित विश्वकर्मा मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक ओर भगवान विश्वकर्मा की जयंती है तो दूसरे और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिन है। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के शिल्पी थे तो नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं

ऐसा नहीं हो सकता कि हिंदी न पढ़ाई जाए

- **तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया कि वह जवाहर नवोदय विद्यालय खोलने के लिए हर जिले में जमीन की पहचान करने के अपने 15 दिसंबर, 2025 के आदेश का पालन करे। साथ ही, कोर्ट ने राज्य और केंद्र से कहा कि वे इन स्कूलों को लेकर अपने मतभेदों को बातचीत से सुलझाएं।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने नवोदय स्कूलों में अपनाई जाने वाली तीन-भाषा नीति का तमिलनाडु द्वारा विरोध किए जाने पर भी सवाल उठाए।

बेंच ने कहा कि राज्य को केंद्र से फंड पाने वाले इन संस्थानों को अपनी मौजूदा शिक्षा व्यवस्था के लिए खतरा नहीं मानना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा, आपको अपनी सोच बदलनी होगी; ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी न पढ़ाई जाए।

चेन्नई के लोगों को दिल्ली से दूरी नहीं बनानी चाहिए- कोर्ट- बेंच ने सहकारी संघवाद की जरूरत पर जोर देते हुए यह भी कहा कि चेन्नई के लोगों को दिल्ली के लोगों से दूरी नहीं बनानी चाहिए। कोर्ट ने कहा, हम कह रहे हैं कि आप अपने राज्य में जो अच्छे काम कर रहे हैं।

मणिपुर के रिलीफ कैंप में 25 मौतें कैसे, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आदेश देने को मजबूर न करें

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मणिपुर के 8 राहत शिविरों में संदिग्ध मौतों और यौन उत्पीड़न के मामलों को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने मुख्य सचिव से 25 मौतों की रिपोर्ट मांगी। कोर्ट के मुताबिक, 8 जिलों के राहत शिविरों में अब तक 640 मौतें दर्ज की गई हैं। इनमें से सिर्फ 20 मामलों में

पोस्टमार्टम कराया गया, जबकि इन मामलों में आपराधिक केस भी दर्ज किए गए थे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच मणिपुर में 2023 में जातीय हिंसा से जुड़े यौन हिंसा के मामलों की जांच और कार्रवाई से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। मणिपुर में 3 मई 2023 से कुकी-मैतेई समुदायों के बीच जातीय हिंसा चल रही है। सरकार के मुताबिक इस हिंसा में 16 जिलों में 300 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट का हवाला दिया। मणिपुर के एडवोकेट जनरल से भी पूछा कि 4 जुलाई को समिति ने जो जानकारी मांगी थी, उस पर अब तक क्या कार्रवाई की गई।

भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की तैयारी

भारतीय चिप की दुनियाभर में सप्लाई शुरू; इसकी कमी से फोन-कार महंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार को दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में सेमीकॉन इंडिया 2026 प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने वहां का दौरा किया और प्रतिभागियों से बातचीत भी की।

नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 17 से 19 सितंबर तक होने वाला यह इवेंट इंडस्ट्री की भागीदारी, पॉलिसी की दिशा और इंटरनेशनल पार्टनरशिप पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, यह कॉन्फ्रेंस सिलिकॉन टू सिस्टम्सः बिल्डिंग द इकोसिस्टम

थीम के तहत इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम), मेटी बाय और ग्लोबल इंडस्ट्री बॉडी एमईएमआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन करते हुए कहा कि अगर हम सिर्फ पिछले 15 दिनों पर नजर डालें, तो हमें अंदाजा हो जाएगा कि भारत किस दिशा में बढ़ रहा है और कितनी तेजी से तरक्की कर रहा है। सिर्फ 10 दिन पहले मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट हुआ था। वहां एजेंटिक एआई टोकनाइजेशन और क्वांटम टेक्नोलॉजी के जरिए समावेशी फाइनेंस पर चर्चा हुई।

हिमाचल-उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी

बिहार में बाढ़ से 100 से ज्यादा सड़कें बहीं, यूपी-एमपी समेत 6 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली/भोपाल/पटना/जयपुर/लखनऊ (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून सक्रिय है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत छह राज्यों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। हिमाचल में गुरुवार सुबह रोहतांग, भरमौर और मनाली के पहाड़ों पर एक से डेढ़ इंच बर्फ गिरी। इन क्षेत्रों में 15 अक्टूबर के आसपास हिमपात होता है, लेकिन इस बार करीब एक महीना पहले बर्फ देखने को मिली है। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी में बर्फबारी हुई है। उत्तराखंड के केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और चमोली में भी ओलों के साथ हल्की बर्फ गिरी है। देहरादून में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। पिथौरागढ़ में आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर दोबारा लैंडस्लाइड हुई। बिहार के 15 जिलों में करीब 50 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ से प्रभावित है। 26 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। राज्य में 700 से ज्यादा ग्रामीण सड़कें डूबी थीं, जिनमें 100 से ज्यादा पूरी तरह बह गईं, 400 सड़कें 50 प्रतिशत से ज्यादा टूटीं और 200 क्षतिग्रस्त हैं।

हेमकुंड साहिब में हुई सीजन की पहली बर्फबारी, केदारनाथ धाम में हो रही हल्की बारिश- सिखों के पवित्र धार्मिक स्थल श्री हेमकुंड साहिब में सीजन की पहली बर्फबारी से रौनक लौट आई है। गुरुवार 17 सितंबर सुबह बारिश के साथ हेमकुंड साहिब में ताजा बर्फबारी हुई। बर्फ की सफेद चादर में लिपटा हेमकुंड साहिब का मनमोहक दृश्य श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रकृति ने मानो इस पवित्र धाम को अपने ही अंदाज में सजाकर श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारी की हो।

DEV MEDICARE CHEMIST
Your Trusted Medical Store
SECTOR 7, FARIDABAD
Allopaathic & Ayurvedic Medicine
BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters
Surgical Items, Baby Products, Health Supplements
Wide Range of Cosmetics
DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES
ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)
Hours: 8 AM to 10 PM
100% Genuine Medicines
Experienced Staff

SINCE 2007
TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate
₹1,36,600/-
Making Charges 8%
100% BUY BACK + EXCHANGE
पिछले 19 वर्षो से हमारी दुकान एक ही स्थान पर हैं।
इसके अलावा हमारी कोई दूसरी ब्रांच नहीं हैं।
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ अवसर पर 200 दिव्यांगजनों को वितरित किए निःशुल्क ई-स्कूटर

● केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ, थैलेसीमिया से जूझ रहे 85 बच्चों को वितरित किए उपहार ● मेवला महाराजपुर स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर में स्वास्थ्य जांच शिविर का भी किया शुभारंभ

● दूरदराज के क्षेत्रों में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए मेडिकल वैन को दिखाई हरी झंडी

फरीदाबाद। सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ अवसर पर गुरुवार को सेक्टर-27 स्थित रुद्रा बैंक्वेट हॉल में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क ई-स्कूटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए ALIMCO एवं विभिन्न ष्टस्क्र संस्थाओं के सहयोग से 200 दिव्यांगजनों को निःशुल्क ई-स्कूटर वितरित किए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत 5 करोड़ की लागत से कुल 500 लाभार्थियों को निःशुल्क ई-स्कूटर उपलब्ध करवाए जाएंगे, ताकि दिव्यांगजन अधिक आत्मनिर्भर बन सकें और उन्हें आवागमन में सुविधा मिल सके। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे 85 बच्चों को उपहार भी वितरित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की सेवा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और सेवा संकल्प अभियान इसी भावना को आगे बढ़ाने का माध्यम है। इसी कड़ी में केंद्रीय राज्यमंत्री ने मेवला महाराजपुर स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मेवला महाराजपुर स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर को सब-डिवीजन अस्पताल में परिवर्तित करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसे आधिकारिक रूप से सब-डिवीजन अस्पताल के रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के तहत दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए मेडिकल वैन को हरी झंडी

दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह मेडिकल वैन जरूरतमंद एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को निःशुल्क उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध करवाने का कार्य करेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण एवं उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में सरकार बनने के बाद दिव्यांगजनों के लिए उच्च शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण को बढ़ाया गया, जिससे उन्हें शिक्षा एवं रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अधिक अवसर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के आवागमन एवं दैनिक जीवन को सुगम बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा 'सुगम्य भारत अभियान' (Accessible India Campaign) चलाया गया। इसके माध्यम से सार्वजनिक स्थानों को दिव्यांगजनों के लिए अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के लिए रैंप, लिफ्ट तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा लाखों दिव्यांगजनों को श्रवण यंत्र, चश्मे, कृत्रिम अंग एवं अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिव्यांगजनों के कल्याण के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं और सरकार का निरंतर प्रयास है कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने निःशुल्क ई-स्कूटर वितरण में सहयोग एवं वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले ष्टस्क्र पार्टनर्स को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार, सामाजिक संस्थाओं एवं कॉरपोरेट क्षेत्र के सामूहिक सहयोग से समाज के जरूरतमंद वर्गों तक योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों तक सेवा और सहायता को पहुंचाना है। उन्होंने सभी सामाजिक संस्थाओं, ष्टस्क्र पार्टनर्स एवं आमजन से इस अभियान से जुड़कर जनसेवा के कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक मूलचंद शर्मा, विधायक धनेश अदलखा, विधायक सतीश कुमार फागना,जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा, पूर्व विधायक रामरतन, अलिम्को के प्रतिनिधि, निगम पार्षदगण, सीएसआर सहयोगी एवं उद्योगपति सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में 12 करोड़ की कोकीन बरामद,तीन विदेशी नागरिक गिरफ्तार:एसीपी अमन यादव

फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फरीदाबाद पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। गुप्त सूत्रों की सूचना पर क्राइम ब्रांच एनआई?टी और एन सी बी दिल्ली की संयुक्त टीम ने लकड़पुर स्थित एक मकान पर छापा मारकर करीब 15 करोड़ रुपये कीमत के कोकीन व अन्य मादक पदार्थ बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अमन यादव सहायक अपराध ने बताया कि क्राइम ब्रांच एनआई?टी को थाना सूरजकुंड क्षेत्र स्थित लक्कड़पुर में विदेशी नागरिकों के पास मादक पदार्थ होने की सूचना प्राप्त हुई। जिस पर कार्रवाई करते हुए 15/16 सितंबर की रात निरीक्षक अनिल छिल्लर, प्रभारी क्राइम ब्रांच एनआई?टी ने अपनी टीम तथा एन सी बी दिल्ली की टीम के साथ तलाशी वारंट लेकर शिव दुर्गा बिहार, लकड़पुर स्थित मकान नंबर 16 की दूसरी मंजिल पर बारीकी से तलाशी ली। इस दौरान बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद हुए। उन्होंने आगे बताया कि एन सी बी दिल्ली की टीम से बरामद पदार्थों की जांच कराई गई, जिसमें कोकीन और एम्फेटामाइन के सकारात्मक परिणाम मिले। पुलिस की रेड में 2.337 किलोग्राम कोकीन, 26 ग्राम एम्फेटामाइन, 1.378 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ तथा 50 हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं। बरामद मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई गई है। मौके से तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान Ifeanyi Emmanuel ¥õÚU ÕñÜ ÁôãÙ @ Enudun Emmanuel निवासी नाइजीरिया तथा रेमी ञ्च अमोस ओवी निवासी कैमरून के रूप में हुई है। तीनों आरोपी उक्त मकान में किराये पर रह रहे थे। जिनसे पासपोर्ट संबंधी दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। बरामद मादक पदार्थ व नकदी को नियमानुसार पुलिस कब्जे में लेकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। घटनाक्रम के संबंध में थाना सूरजकुंड में मामला दर्ज कर जांच आरंभ की जा रही है। उन्होंने और अधिक जानकारी देते हुए बताया कि मौका पर अफ्रीकन कंट्रीज के 10 और लोग किराए पर रहने पाये गये। जिनके द्वारा अपने दस्तावेज बारे संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। जिस संबंध में एफआरआरओ दिल्ली के कार्यालय में उन लोगों के दस्तावेजों बारे तस्दीक की जा रही है। अगर दस्तावेज ठीक प्रकार से नहीं पाए जाते हैं तो उनकी डिपोर्ट की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा आरोपियों को माननीय अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से मादक पदार्थ की सप्लाई, स्रोत, नेटवर्क तथा इस खेप से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जाएगी।

तेलंगाना की ट्रेन पकड़ने की फिराक में आए शराब तस्कर को जीआर पी बल्लभगढ ने दबोचा

फरीदाबाद (बिजेंद्र फौजदार) जीआरपी ने चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन बल्लभगढ़ पर एक आरोपी जानू रजनीकांत वासी भूपाल नगर पेटी कुंडा तेलंगाना के कब्जे से 82 बोतल अंग्रेजी शराब तस्करी की नीयत से सिकंदराबाद ले जाने बारे गिरफ्तार किया गया है। उप पुलिस अधीक्षक राजेश चेची ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस युवक के पास तीन बैग थे जिस ने प्रारंभिक पूछताछ पर बताया कि वो सरसों के तेल का व्यापारी है और तेल लेकर जा रहा है। पर शक होने पर जब थैले चेक किए गये तो उसमें अलग अलग तीन ब्रांड की 82 बोतल वाइन मिली। आरोपी को पेश अदालत करके बंद जुडिशल नीमका जेल कराया गया है। विदित रहे कि इसी स्टेशन पर गत सप्ताह भी 50 किलो गांजा बरामद किया गया था।

ईएसआईसी अस्पताल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम, युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

संस्थाओं व आमजन को मिलकर नशे के खिलाफ लड़ना होगा - राजेश कुमार मोहन डीसीपी क्राइम

फरीदाबादः (बिजेंद्र फौजदार) पुलिस द्वारा नशा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है, जिसके निरंतर में पुलिस की टीमों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से भी नशे पर प्रहार किया जा रहा है। वीरवार को ईएसआईसी अस्पताल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राजेश कुमार मोहन आईपीएस पुलिस उपायुक्त अपराध फरीदाबाद ने लोगों को नशे से दूर रहने बारे जागृत तथा नशा के दुष्परिणाम बारे बताया। पुलिस उपायुक्त अपराध राजेश मोहन आईपीएस ने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है। इसके खिलाफ पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक संस्थाओं तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की दिशा में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण कदम है। फरीदाबाद पुलिस द्वारा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और

अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। नशा का सेवन व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ-साथ उसके पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प दिलाया गया। फरीदाबाद पुलिस का संदेशः 'नशे को ना कहें–स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनें। फरीदाबाद पुलिस की आमजन से अपील है कि अवैध नशा बेचने वालों के बारे में सूचना फरीदाबाद पुलिस के कंट्रोल रूम नंबर 9999150000, डायल 112 हेल्पलाइन नंबर 9050891508 या फिर स्थानीय पुलिस को दें । सूचना देने वाले की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

ईएसआईसी अस्पताल के नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में डीसीपी राजेश कुमार मोहन ने की शिरकत

फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, फरीदाबाद पुलिस द्वारा नशा के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है, जिसके निरंतर में पुलिस की टीमों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से भी नशे पर प्रहार किया जा रहा है। वीरवार को ईएसआईसी अस्पताल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राजेश कुमार मोहन आईपीएस पुलिस उपायुक्त अपराध फरीदाबाद ने लोगों को नशे से दूर रहने बारे जागृत तथा नशा के दुष्परिणाम बारे बताया। पुलिस उपायुक्त अपराध राजेश मोहन, आईपीएस ने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है। इसके खिलाफ पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक संस्थाओं तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को मिलकर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की दिशा में जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण कदम है। फरीदाबाद पुलिस द्वारा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने

और अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया।

नशा का सेवन व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ-साथ उसके पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प दिलाया गया। फरीदाबाद पुलिस का संदेशःनशे को ना कहें–स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनें। ' फरीदाबाद पुलिस की आमजन से अपील है कि अवैध नशा बेचने वालों के बारे में सूचना फरीदाबाद पुलिस के कंट्रोल रूम नंबर 9999150000, डायल 112 हेल्पलाइन नंबर 9050891508 या फिर स्थानीय पुलिस को दें । सूचना देने वाले की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

वाहन चोरों पर फरीदाबाद पुलिस का बड़ा वार,पांच गिरोह का पर्दाफाश:एसीपी अमन यादव

● ए वी टी एस-2 भूपानी ने 11 आरोपित दबोचे, 21 चोरीशुदा वाहन बरामद ● 16 बाइक, तीन ऑटो, एक स्कूटी और एक जेसीबी मशीन बरामद

फरीदाबाद। भेदी नजर,वदना, वाहन चोरी कर पुलिस की चुनौती बढ़ा रहे अपराधियों के खिलाफ फरीदाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। ए वी टी एस-2 भूपानी ने वाहन चोरी में सक्रिय 5 अलग-अलग गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 11 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर 21 चोरीशुदा वाहन बरामद किए हैं। इनमें 16 मोटरसाइकिल, तीन ऑटो, एक स्कूटी और एक जेसीबी मशीन शामिल है। अमन यादव, सहायक पुलिस आयुक्त अपराध ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि अपराध शाखा की टीम ने वाहन चोरी के मामलों की जांच करते हुए अलग-अलग स्थानों से आरोपितों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पिछले तीन सप्ताह में की गई है। आरोपितों की पूछताछ व उनकी निशानदेही के आधार पर पुलिस ने पांच गिरोह से जुड़े सदस्यों से चोरीशुदा वाहनों को बरामद किया है। साहिल-धीरेंदर गैंग:इस गिरोह से जुड़े आरोपितों के कब्जे से तीन चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद हुई राहुल-आमिर गैंग:गिरोह से एक जेसीबी मशीन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। जेसीबी मशीन की बरामदगी को पुलिस की कार्रवाई में विशेष उपलब्धि माना जा रहा है फैसल-मुफीद-रशीद गैंग:इस गिरोह के आरोपितों से चार मोटरसाइकिल और एक ऑटो बरामद किया गया फैजल-मोशिम उर्फ सहीद गैंग:पुलिस ने इस गिरोह से तीन चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की हैं फज्जर गैंग:इस गिरोह के आरोपितों से चार मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद हुई है उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपितों का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। उनके खिलाफ पहले भी वाहन चोरी और चोरी की अन्य वारदातों से संबंधित मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस उनसे गहन पूछताछ कर रही है। आरोपितों से वाहन चोरी की अन्य वारदातों, चोरी के वाहनों को ठिकाने लगाने वाले नेटवर्क और गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध शाखा की टीम ने अन्य मामलों में कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों से दो ऑटो और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस बरामद वाहनों के संबंध में दर्ज मुकदमों की जानकारी जुटाकर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों में की शिरकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निरंतर सेवा और समर्पण को बनाया अपने जीवन का उद्देश्य : सुमन सैनी

लाडवा, प्रमोद कौशिक 1: हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि हरियाणा में 17 सितंबर से लेकर 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है यह अभियान एक महीने तक चलाया जाएगा। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म उत्सव मनाया जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने लगातार सेवा और समर्पण को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया है। उन्होंने पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और उसके बाद देश के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार जनसेवा की है। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी वीरवार को सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों के दौरान संबोधित कर रही थी। कार्यक्रमों के दौरान उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने बाबा बंसीवाला आश्रम में पहुंचकर बाबा बंसीवाला की मूर्ति पर पुष्प माला अर्पित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु की प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों से बातचीत कर उनका हालचाल भी जाना और उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी ली। इसके उपरांत आश्रम में मौजूद बुजुर्गों को फल व मिठाइयां वितरित की। इसके पश्चात उपाध्यक्षा सुमन सैनी लाडवा स्थित बाल आश्रम में पहुंची और वहां मौजूद बच्चों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में केक काट कर बच्चों के साथ उनका जन्मदिन मनाया। उन्होंने बाल आश्रम में बच्चों को फल और मिठाई वितरित की तथा उनके साथ समय बिताया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में एक दिन का भी अवकाश नहीं लिया और लगातार देश की सेवा में जुटे रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे कर्मठ और समर्पित नेतृत्व का देश को मिलना सौभाग्य की बात है। उनके जन्मदिन को केवल उत्सव के रूप में मनाने के बजाय बुजुर्गों और बच्चों के बीच

पहुंचकर खुशियां बांटना सेवा भावना का संदेश देता है। प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को लेकर हरियाणा में भी सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि वृद्ध आश्रम में रह रहे बुजुर्ग समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके अनुभव और आशीर्वाद समाज के लिए अमूल्य है। प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर बुजुर्गों के बीच पहुंचकर उनके साथ समय बिताना और उन्हें फल-मिठाई वितरित करना उनके लिए भी खुशी का अवसर है। इस अवसर पर लाडवा के उपमंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मार्केट कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर गणेश दत्त, मार्केट कमेटी के उप चेयरमैन सुरेंद्र सिंगला, पूनम सैनी, अनिल माटा व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट का तिहाड़ जेल अधीक्षक पर बड़ा एक्शन, आदेश न मानने पर अवमानना की कार्यवाही शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। विचाराधीन कैदी को पैरोल पर रिहा होने से रोकने को दिल्ली हाई कोर्ट ने अदालती आदेश का जानबूझकर किया गया उल्लंघन माना है। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने तिहाड़ जेल के एक अधीक्षक के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू की है। कोर्ट ने कहा कि जेल प्रशासन ने कैदी अनवर हुसैन की रिहाई के आदेश को असल में नाकाम कर दिया। अदालत ने यह कार्रवाई पैरोल पर रिहाई के निर्देश देने की मांग वाली हुसैन की याचिका पर की। हुसैन ने जेल प्रशासन द्वारा अपनी पैरोल अर्जी खारिज किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

30 जुलाई को हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि हुसैन को सक्षम अधिकारी द्वारा तय की जाने वाली शर्तों के साथ चार सप्ताह के लिए पैरोल पर रिहा किया जाए। अदालत के आदेश के बावजूद सक्षम अधिकारी ने पैरोल की शर्तें तय नहीं कीं। इसके कारण हुसैन को रिहा नहीं किया गया और वह जेल में ही रहने को मजबूर रहा। हुसैन पहले ही विचाराधीन कैदी के तौर पर पांच साल और पांच महीने जेल में बिता चुका था। हाई कोर्ट ने इसी स्थिति को अदालती आदेश के पालन को नाकाम करने वाला व्यवहार माना और जेल अधीक्षक के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की।

एम्स दिल्ली में पहले 'मेड इन इंडिया' एंडोस्कोपी सिस्टम से शुरू हुआ इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में निर्मित पहला एंडोस्कोपी सिस्टम एम्स में स्थापित किया गया है। फुजीफिल्म इंडिया के जोधपुर स्थित निर्माण संयंत्र में तैयार ईपी-6000 एंडोस्कोपी सिस्टम को एम्स के गैस्ट्रोएंटेरोलाजी विभाग में लगाया गया है। एम्स की ओर से बुधवार को दी गई जानकारी में बताया गया है कि यह देश में निर्मित पहला ऐसा एंडोस्कोपी सिस्टम है, जिसे संस्थान में स्थापित किया गया है। एम्स के निदेशक प्रो. निखिल टंडन ने कहा कि भारत में एंडोस्कोप के निर्माण के लिए संयंत्र की स्थापना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एम्स में देश में निर्मित इस सिस्टम की स्थापना से आधुनिक तकनीक के जरिये मरीजों को सेवाएं देने की संस्थान की क्षमता बढ़ेगी। नई प्रणाली में बेहतर इमेजिंग की सुविधा है। इससे डाक्टर पाचन तंत्र के अंदरूनी हिस्सों को अधिक स्पष्ट रूप से देख सकेंगे और किसी असामान्य हिस्से की पहचान करना आसान होगा। इससे बीमारी की जांच और आवश्यकता के अनुसार आगे का उपचार तय करने में मदद मिल सकती है। गैस्ट्रोएंटेरोलाजी विभाग के प्रमुख डॉ. प्रमोद गर्ग ने बताया कि नई प्रणाली से विभाग की मरीजों को सेवा देने की क्षमता बढ़ेगी।

दिल्ली में झुग्गी पुनर्वास की दिशा में बड़ा कदम, डीडीए ने इंदिरा कल्याण विहार में शुरू किया सर्वे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की झुग्गी बस्तियों के पुनर्वास की प्रक्रिया अब जमीन पर आगे बढ़ने लगी है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इंदिरा कल्याण विहार से झुग्गीवासियों के सर्वे का काम शुरू किया है। ओखला औद्योगिक क्षेत्र फेज-1, साइट-2 स्थित इस जेजे क्लस्टर में डीडीए की इन-सीटू स्लम पुनर्वास शाखा की टीमें घर-घर जाकर निवासियों की संख्या और पुनर्वास के लिए उनकी पात्रता से जुड़े दस्तावेज जुटा रही हैं। सर्वे का मकसद यह पता लगाना है कि क्लस्टर में कितने परिवार रह रहे हैं और इनमें से कौन पुनर्वास योजना के तहत पात्र है। डीडीए ने झुग्गीवासियों से सर्वे के दौरान मौजूद रहने और मांगी गई जानकारी व दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा है।

अधिकारियों के अनुसार, इंदिरा कल्याण विहार के बाद राजधानी के अन्य जेजे क्लस्टरों में भी चरणबद्ध तरीके से सर्वे कराया जाएगा। एक जनवरी 2025 की कटआफ तिथि तय की गई इस सर्वे की अहमियत इसलिए भी है क्योंकि झुग्गी पुनर्वास के लिए तैयार की गई दिल्ली स्लम एवं जेजे क्लस्टर पुनर्वास एवं स्थानांतरण नीति-2026 में पात्रता के लिए एक जनवरी 2025 की कटआफ तिथि तय की गई है। यानी सर्वे में दस्तावेजों के आधार पर यह भी देखा जाएगा कि संबंधित परिवार तय पात्रता शर्तों को पूरा करता है या नहीं।

ऑनलाइन चाइल्ड एब्यूज पर मेटा का बड़ा फैसला, अब सीधे दिल्ली पुलिस को मिलेगा फेसबुक-इंस्टाग्राम का डेटा

नई दिल्ली, एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री मिलने पर मेटा अब इसकी जानकारी सीधे भारत के साइबर अपराध तंत्र को देगी। इससे दिल्ली में ऐसे मामलों की जांच को महत्वपूर्ण डिजिटल सुराग मिलने की उम्मीद है। खासकर द्वारका स्थित दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटजिक ऑपरेशंस इकाई को संदिग्ध अकाउंट, आइपी एड्रेस और अन्य डिजिटल एविडेंस तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

दिल्ली पुलिस के अनुसार महिलाओं और बच्चों से जुड़े संवेदनशील साइबर अपराधों समेत जटिल मामलों की जांच करने वाली विशेष इकाई है। इसके पास डिलीट डाटा निकालने और मोबाइल व अन्य डिजिटल उपकरणों की फोरेंसिक जांच की सुविधा भी है।

बच्चों के खिलाफ आनलाइन अपराध की गंभीरता का अंदाजा एनसीआरबी के 2024 के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। देश में बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध के

1,238 मामले सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत दर्ज हुए।

इनमें 1,099 मामले बच्चों को यौन रूप से स्पष्ट सामग्री में दिखाने वाली सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण से जुड़े थे। यानी करीब 89 प्रतिशत मामले इसी श्रेणी के थे। दिल्ली में ऐसे साइबर अपराध के 151 मामले दर्ज हुए, जबकि उत्तर प्रदेश में 137 मामले सामने आए।

यह आंकड़ा सिर्फ दर्ज मामलों को दर्शाता है। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार ग्रूमिंग, साइबर स्टाकिंग, मार्फ्ड इमेज, ब्लैकमेलिंग और आपत्तिजनक तस्वीरों के जरिए बच्चों को डराने या फंसाने जैसी घटनाओं में कई बार शिकायत ही नहीं होती। इसलिए दर्ज मामलों को आनलाइन अपराध की पूरी तस्वीर नहीं माना जा सकता।

15 जिला साइबर थानों का नेटवर्क

दिल्ली में अब सभी 15 जिलों में अलग साइबर थाना अधिसूचित है। इनमें पूर्व, उत्तर-पूर्व, दक्षिण, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम, बाहरी, मध्य, उत्तर, उत्तर-पश्चिम, शाहदरा, रोहिणी, नई दिल्ली, द्वारका और बाहरी उत्तर जिला शामिल हैं।

मिले इनपुट को संबंधित जिले तक भेजकर स्थानीय स्तर पर जांच और कार्रवाई की जा सकती है। एनसीआर में नोएडा और गुरुग्राम में भी साइबर अपराध के लिए अलग पुलिस तंत्र सक्रिय है। बच्चों को निशाना बनाने का तरीका हमेशा सीधे आपत्तिजनक सामग्री भेजने से शुरू नहीं होता। कई मामलों में अपराधी पहले सोशल मीडिया पर बच्चे से दोस्ती करता है, उम्र या पहचान छिपाकर विश्वास हासिल करता है और धीरे-धीरे निजी तस्वीर या वीडियो मांगता है। इसे ग्रूमिंग कहा जाता है। बाद में उसी सामग्री के आधार पर ब्लैकमेल, धमकी या यौन शोषण का प्रयास किया जा सकता है।

अंतिम दिन उड़ीं नियमों की धज्जियां, लग्जरी गाड़ियों से प्रचार

नई दिल्ली, एजेंसी। डूसू चुनाव प्रचार के आखिरी दिन बुधवार को छात्र संगठन और प्रत्याशी नार्थ कैंपस में चुनावी नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आए। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से लग्जरी गाड़ियों के इस्तेमाल पर पाबंदी के बावजूद प्रचार में महंगी गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा छात्र परिसर में अवैध पार्किंग करते भी दिखाई दिए। इससे चुनावी आचार संहिता के पालन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। डूसू चुनाव में प्रचार के दौरान वाहनों के इस्तेमाल और पार्किंग को लेकर नियम निर्धारित किए गए हैं। इसके बावजूद आखिरी दिन प्रत्याशियों के साथ बड़ी संख्या में छात्र प्रचार करते नजर आए। कई जगहों पर वाहनों की आवाजाही और अवैध पार्किंग से परेशानी हुई। चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले नियमों के उल्लंघन की तस्वीरें सामने आने से प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को झटका, जंतर-मंतर पर 'शरिया बचाओ' प्रोटेस्ट को परमिशन नहीं; दिल्ली पुलिस अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर केंद्र सरकार की तैयारियों और राजग शासित राज्यों में इसे लॉगू करने के रोडमैप के बीच ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआइएमपीएलबी) द्वारा घोषित राष्ट्रव्यापी आंदोलन को शुरुआत में ही झटका लगा है। राजधानी दिल्ली में हालिया कॉकरोच जनता पार्टी के उग्र विरोध प्रदर्शनों से सबक लेते हुए दिल्ली पुलिस ने अत्यधिक सतर्कता बरतते हुए एआइएमपीएलबी को जंतर-मंतर पर धरना देने की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया है। अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए प्रेस क्लब ऑफ इंडिया से इस मुहिम के औपचारिक

आगाज का फैसला लिया है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की मंजूरी न मिलने के बाद मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ पदाधिकारी व प्रमुख मुस्लिम प्रतिनिधि आज प्रेस क्लब में एक साझा पत्रकार वार्ता करेंगे। इसमें राष्ट्रव्यापी 'संविधान बचाओ-शरिया बचाओ' अभियान की विस्तृत रूपरेखा रखेंगे। मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि यूसीसी और वक्फ संशोधन कानून के जरिए उनके धार्मिक अधिकारों और व्यक्तिगत कानूनों में सीधा हस्तक्षेप किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा 2029 तक सभी राजग शासित राज्यों में यूसीसी लॉगू करने का रोडमैप पेश किए जाने के बाद से मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आक्रामक रुख अपनाए हुए है। इसी तरह वक्फ कानून में बदलाव से भी असंतोष है। शैक्षणिक संस्थानों में वंदे मातरम् के सभी छह छंदों को अनिवार्य किए जाने का भी बोर्ड कड़ा विरोध कर रहा है। इन मुद्दों को लेकर मुस्लिम संगठन विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं को एकजुट करने और जनता के बीच समर्थन जुटाने की कोशिश में है।

200 करोड़ की ठगी में बढ़ेंगी जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें? सुकेश के मकोका केस में बन सकती हैं आरोपी

नई दिल्ली, एजेंसी। 200 करोड़ रुपये की वसूली के मामले में जांच की कड़ी अब एक बार फिर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की कानूनी स्थिति तक पहुंच गई है। सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मकोका मामले में जैकलीन को आरोपित बनाए जाने की मांग पर कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला टाल दिया है। अब अदालत यह तय करेगी कि जिस संगठित अपराध के खिलाफ मकोका लगाया गया,

उसमें जैकलीन को भी आरोपित के तौर पर जोड़ा जा सकता है या नहीं। फिलहाल जैकलीन मकोका मामले में आरोपित नहीं हैं। कानूनी स्थिति इससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अलग है, जिसमें ईडी ने उन्हें आरोपित बनाया है। यही अंतर इस मामले की अगली कानूनी लड़ाई का अहम बिंदु बन गया है। मामले की शुरुआत सुकेश चंद्रशेखर पर जेल से 200 करोड़ रुपये की वसूली के आरोप से हुई थी। दिल्ली पुलिस की जांच में आरोप लगाया गया कि सुकेश ने जेल के अंदर से एक संगठित नेटवर्क संचालित किया और लोगों से रकम वसूलने के लिए अपने सहयोगियों की मदद ली।

दिल्ली बनेगी 'सोलर कैपिटल', फ्री में घर-घर लगाए जाएंगे सोलर पैनल; 6 महीने में 2700 करोड़ खर्च करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली को सोलर कैपिटल बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने सौर ऊर्जा के विस्तार पर जोर बढ़ा दिया है। सरकार ने तीन किलोवाट तक निश्शुल्क सोलर पैनल लगाने की घोषणा की है। अगले वर्ष मार्च तक करीब 2.30 लाख सोलर पैनल लगाने और अगले छह महीनों में इस पहल पर लगभग 2,700 करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार का लक्ष्य दिल्ली को सोलर कैपिटल बनाना है। इसके लिए उपभोक्ताओं और अन्य हितधारकों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना से संबंधित सोलर वेंडर्स सम्मेलन में उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाने की प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को दूर करने और इससे जुड़े व्यवसाय की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कई उपभोक्ताओं को सोलर पैनल लगाने के लिए आने वाले खर्च का अग्रिम भुगतान करने में परेशानी होती थी। सरकार ने इस बाधा को दूर कर दिया है और पूरी राशि का भुगतान सरकार करेगी। योजना के पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ऊर्जा विभाग ने समर्पित पंजीकरण पोर्टल भी शुरू किया है। सरकार ने अगले वर्ष मार्च तक लगभग 2.30 लाख सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा है। वहीं, अगले छह महीनों में इस पहल के तहत लगभग 2,700 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। आशीष सूद ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में सौर ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाना है। सौर ऊर्जा के बड़े पैमाने पर विस्तार से स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही दिल्ली की अर्थव्यवस्था को गति मिलने, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होने और सतत विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली में खड़ी रहीं 5 हजार बसें, सड़कों पर बेहाल दिखे 40 लाख यात्री, ऑटो-टैक्सी चालकों ने मांगा मनमाना किराया

नई दिल्ली, एजेंसी। डीटीसी बस चालकों की हड़ताल ने आम जन के जीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है। डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के आह्वान पर हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। दिल्ली में प्रतिदिन औसतन 40 लाख यात्री डीटीसी बसों में यात्रा करते हैं, जो 5000 से अधिक बसों के दिल्ली की सड़कों पर न उतरने से दिनभर बेहाल दिखे। वहीं आटो-टैक्सी चालकों के मनमाने किराये ने भी उनकी परेशानी बढ़ा दी। वेतन बढ़ोत्तरी, मेडिकल सुविधा, सालाना बोनस व ओवर टाइम का भुगतान समेत कई अन्य मांगों को लेकर डीटीसी व परिवहन विभाग के बेड़े में शामिल प्राइवेट आपरेटर्स की बसों के चालकों ने मंगलवार से हड़ताल शुरू की है। बुधवार को उसका व्यापक असर देखने को मिला।

आंदोलनकारी चालकों के संगठन ने डीटीसी बसों के संचालन के 80 प्रतिशत तक प्रभावित होने का दावा किया है। अधिकतर बसें दिल्ली के सभी 83 डिपो में खड़ी रहीं। डिपो में चालकों ने विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी भी की। कुछ जगहों पर सड़कों पर निकले बसों को आंदोलनकारी चालकों ने रोका और उनके चेहरे पर कालिख भी पोत दी। हड़ताल का असर पूरे दिन बस स्टैंड पर देखने को मिला, जहां यात्री घंटों बसों का इंतजार में खड़े दिखे। कई यात्रियों को हड़ताल की जानकारी भी नहीं थी। काफी देर तक जब बसें नहीं आईं तो कई यात्रियों ने मेट्रो का रुख किया। आइटीओ, मंडी हाउस, कृषि भवन, करोल बाग, चाणक्यपुरी, दरियागंज, प्रगति मैदान, इंडिया गेट, लक्ष्मी नगर समेत दिल्लीभर के बस स्टैंडों पर यात्री परेशान दिखे। अंबेडकर पार्क में दोपहर में बस का इंतजार करते आशीष ने बताया कि एक घंटे से अधिक हो गए हैं, लेकिन कोई बस नहीं आ रही है। इसलिए उन्हें ई-रिक्शा लेकर मेट्रो जाना पड़ा है। आइटीओ पर बस का इंतजार करती माता सुंदरी कालेज की छात्रा मेहजबीन ने बताया कि उसे भोगल तक

जाना है, लेकिन काफी देर से बस नहीं आ रही है। सुबह भी बस न मिलने से उसे कालेज तक आटो से आना पड़ा था। खानपुर जाने के लिए बस का इंतजार कर रही दिव्या व खुशी ने बताया कि आधे घंटे से बस नहीं आ रही। आटो लेना चाहा तो उसने 150 की जगह 200 रुपये किराया मांगा। ऐसी स्थिति रही कि लोग अपने घरों में देर रात तक पहुंच पाए। डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के महामंत्री मनोज शर्मा का कहना है कि डीटीसी बेडे की कुल 6500 से अधिक बसों में से करीब 5000 बसों का परिचालन प्रभावित रहा है।

एसआईआर के बाद दिल्ली में 47.5 लाख नाम हटे, नए वोटर बनने के लिए 15 दिन में आए सिर्फ 62 हजार आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया की रफ्तार अभी धीमी है। 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची से करीब 47.5 लाख नाम हटाए जाने के बाद 30 सितंबर तक चलने वाले दावे-आपत्तियों के 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 62,583 लोगों ने नाम जुड़वाने के लिए फार्म छह भरा है। चुनाव कार्यालय को उम्मीद है कि हटाए गए मतदाताओं में से कम से कम 10 प्रतिशत यानी करीब 4.75 लाख लोग इस अवधि में आवेदन करेंगे।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, 15 सितंबर तक 62,583 फार्म छह जमा हुए हैं। हालांकि, ड्राफ्ट सूची जारी होने से पहले ही दिल्ली में 2.12 लाख फार्म-6 जमा हो चुके थे। यानी दावे-आपत्तियों की शुरुआत के बाद नए आवेदनों की रफ्तार अपेक्षाकृत कम रही है। जिलों के स्तर पर भी आवेदन संख्या में बड़ा अंतर है। पहले 15 दिनों में सबसे ज्यादा 7,834 आवेदन पश्चिमी जिले से आए। इसके बाद उत्तर-पश्चिम में 6,384, पूर्वी दिल्ली में 6,297, उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 5,585 और दक्षिण-पश्चिमी जिले में 5,436 आवेदन हुए। नई दिल्ली जिले में सबसे कम 1,203 आवेदन आए। पुराने दिल्ली क्षेत्र में 2,547, मध्य में 2,647, मध्य-उत्तर में 4,188 और बाहरी उत्तर में 4,287 आवेदन मिले। मतदाता सूची में नाम हटने के बाद भी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हुई है। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक प्रारूप सूची में शामिल करीब 33 लाख मतदाताओं को भी विभिन्न विसंगतियों के संबंध में नोटिस जारी किए जा रहे हैं। यह संख्या प्रारूप सूची में शामिल करीब 97 लाख मतदाताओं की एक-तिहाई से ज्यादा है। ऐसे में अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या और घट सकती है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली की बड़ी आबादी के लगातार स्थान बदलने को कम आवेदन आने की एक वजह माना जा रहा है। सरकारी कर्मचारियों समेत बड़ी संख्या में लोग कुछ वर्षों के लिए दिल्ली में रहने के बाद दूसरे राज्यों में चले जाते हैं।

दिल्ली सरकार बेचेगी कार्बन क्रेडिट, हर साल करोड़ों कमाने का प्लान; पर्यावरण सुधार से होगी बंपर कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार अब पर्यावरण सुधार के कामों को आय का जरिया बनाने की तैयारी कर रही है। उम्मीद की जा रही है कि इससे सरकार को करोड़ों की कमाई होगी। सरकार इलेक्ट्रिक बसों, पौधारोपण, कचरा प्रबंधन, अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा बचत जैसे प्रोजेक्ट से होने वाली कार्बन उत्सर्जन में कमी को कार्बन क्रेडिट में बदलकर बाजार में बेच सकेगी। इससे सरकार को इन पर्यावरणीय कामों के बदले अतिरिक्त आय मिलने की उम्मीद है। पर्यावरण विभाग ने इसके लिए तीन सलाहकार एजेंसियों को सूचीबद्ध करने के लिए निविदा जारी की है। ये एजेंसियां पहले यह पता लगाएंगी कि दिल्ली सरकार की कौन-कौन सी परियोजनाओं से कितने कार्बन उत्सर्जन में कमी हुई है।

इसके बाद उसका वैज्ञानिक तरीके से हिसाब तैयार किया जाएगा और मान्यता प्राप्त संस्थाओं से उसका सत्यापन कराया जाएगा। सत्यापन के बाद पात्र परियोजनाओं के लिए कार्बन क्रेडिट जारी होंगे।

इन्हें कार्बन बाजार में खरीदारों को बेचा जा सकेगा। इनकी बिक्री से मिलने वाली रकम दिल्ली सरकार के समेकित कोष या सरकार द्वारा तय खाते में जमा होगी। निविदा दस्तावेज में दिए गए प्रारंभिक आकलन के मुताबिक दिल्ली मध्यम अवधि में हर साल करीब 2.5 से 3 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन में कमी हासिल कर सकती है।

हालांकि सरकार ने इसे प्रारंभिक और संकेतात्मक अनुमान बताया है। वास्तविक कार्बन क्रेडिट परियोजना की प्रकृति, उत्सर्जन में वास्तविक कमी और मान्यता प्राप्त मानकों के आधार पर तय होंगे। सरकार का कहना है कि दिल्ली में अभी अलग-अलग परियोजनाओं से होने वाली कार्बन उत्सर्जन में कमी का व्यवस्थित हिसाब, उसकी निगरानी और उसे बाजार से जोड़ने की व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं है। नई व्यवस्था का उद्देश्य इसी प्रक्रिया को व्यवस्थित करना है। जनवरी में दिल्ली कैबिनेट ने कार्बन क्रेडिट से आय अर्जित करने के लिए रूपरेखा को मंजरी दी थी।

रिश्तेदार होना जरूरी नहीं, समलैंगिक पार्टनर को मिला मेडिकल फैसले लेने का हक; दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र का हलफनामा

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी वयस्क मरीज के अधिकृत समान-लैंगिक पार्टनर को केवल उसके समान लिंग या गैर-विषमलैंगिक संबंध में होने के आधार पर मेडिकल फैसले लेने से नहीं रोका जा सकता। दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा है कि मरीज ने पार्टनर को अधिकृत किया है तो उसे मेडिकल प्रतिनिधि मानने में चिकित्सकीय या नैतिक आपत्ति नहीं है। हालांकि, यह संबंधित कानून और जरूरी सुरक्षा उपायों के अधीन होगा। केंद्र और एनएमसी ने कहा कि मरीज होश में है और अपनी बात समझने की स्थिति में है तो इलाज के लिए उसकी सूचित और स्वैच्छिक सहमति ही पर्याप्त है। केवल इसलिए किसी रिश्तेदार के हस्ताक्षर या सहमति की मांग नहीं की जा सकती कि वह मरीज का रिश्तेदार है।

हलफनामे में कहा गया है कि अगर किसी व्यक्ति ने पहले से अपने पार्टनर को अधिकृत किया है कि वह उसके बेहोश या निर्णय लेने में असमर्थ होने की स्थिति में स्वास्थ्य संबंधी फैसले ले सके, तो पार्टनर को केवल उसके यौन अभिविन्यास के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए। केंद्र ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति को पहले से अपने भरोसेमंद व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी फैसले लेने के लिए नामित करने की अनुमति है। यह व्यक्ति जरूरी नहीं कि उसका रक्त संबंधी ही हो। ऐसे में मरीज की ओर से पहले से किया गया अधिकृत नामांकन महत्वपूर्ण होगा। यह हलफनामा अरशिया टक्कर की याचिका पर दाखिल किया गया है। याचिका में मांग की गई है कि अस्पतालों और डाक्टरों को निर्देश दिए जाएं कि वे मरीज के अधिकृत गैर-विषमलैंगिक पार्टनर को मेडिकल प्रतिनिधि के रूप में स्वीकार करें।

संपादकीय

महंगाई की दोहरी मार, आम आदमी की जेब पर बढ़ रहा बोझ

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु रखने, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण करने तथा किसानों को उचित उत्पादन और भंडारण सुविधाएं देने की जरूरत है।जब वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इसका सबसे ज्यादा असर समाज के उस वर्ग पर पड़ता है, जिसकी आय कम होती है और संसाधनों का दायरा भी सीमित होता है। भोजन, कपड़े, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी आवश्यकताओं पर बढ़ता खर्च इन परिवारों के बजट को बिगाड़ देता है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी महंगाई के आंकड़ों से साफ है कि आम लोगों को अब रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के लिए अपनी जेब और ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है।खाद्य, ईंधन एवं विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से अगस्त में थोक महंगाई बढ़कर 9.92 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई 4.82 फीसद पर पहुंच गई है। इससे पिछले माह जुलाई में यह क्रमशः 9.78 फीसद और 4.45 फीसद थी। जनवरी से लागू 2024 आधार वर्ष वाली नई श्रृंखला के बाद से अगस्त की खुदरा महंगाई का यह आंकड़ा अब तक का सबसे अधिक है।यही नहीं, अगले माह से यूपीआइ के जरिए दो हजार रुपए से अधिक की राशि के भुगतान पर भी शुल्क लगेगा। सरकार की ओर से मंगलवार को तय की गई शुल्क दरों में हालांकि आम लोगों के बीच यूपीआइ से लेन-देन को इससे बाहर रखा गया है, लेकिन अन्य सरकारी एवं निजी सेवाओं के लिए भुगतान पर शुल्क देना होगा। यानी आम आदमी को अब महंगाई की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी।राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए खुदरा महंगाई की दर अगस्त में क्रमशः 5.23 फीसद और 4.31 फीसद दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण क्षेत्रों में वस्तुओं के दाम ज्यादा बढ़े हैं, जहां लोगों की आय सीमित होती है। प्याज की महंगाई दर का जुलाई के 22.54 फीसद की तुलना में अगस्त में उछलकर 48.27 फीसद पर पहुंचना दर्शाता है कि प्याज आम लोगों की रसोई से गायब होने लगा है।यही हाल लहसुन और अदरक का भी है। ऐसे में निम्न और मध्य वर्गीय परिवारों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है। आय में वृद्धि अगर महंगाई की गति से कम हो, तो घरेलू बजट को संभालना मुश्किल हो जाता है। इसमें दोराय नहीं कि अगले माह की शुरुआत में जब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होगी, तब नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला करने में महंगाई का यह बढ़ा हुआ स्तर एक प्रमुख कारक साबित हो सकता है।यह भी महत्वपूर्ण है कि महंगाई का असर केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहता। जब लोगों की क्रय शक्ति घटती है, तो बाजार में मांग भी प्रभावित होती है। यानी इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है। यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण।

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

(ललित गर्ग)

लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रूवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की

स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है। गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है। यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं। आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने- यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरुआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो। लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है। अंततः लोकतंत्र कोई तैयार होकर मिल जाने वाली व्यवस्था नहीं, बल्कि निरंतर साधना है। उसे हर पीढ़ी को अपने आचरण, संस्थाओं और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से मजबूत करना पड़ता है। लोकतंत्र तभी सार्थक है जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो, संस्थाएं स्वतंत्र हों, मानवाधिकार सुरक्षित हों, कमजोर को न्याय मिले, असहमति का सम्मान हो और नागरिकों को यह विश्वास हो कि शासन वास्तव में उनके कल्याण के लिए है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विविधता और जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण है।

ब्रिक्स में भारत की शानदार कूटनीतिक सफलता ने ब्रांड मोदी को और मजबूत कर दिया है

(नीरज कुमार दुबे)

भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता।

दिल्ली में हुई ब्रिक्स शिखर बैठक को अगर केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मानकर देखा जाएगा तो उसकी असली राजनीतिक अहमियत समझ में नहीं आएगी। देखा जाये तो यह बैठक ऐसे समय में हुई, जब दुनिया कई मोर्चों पर तनाव, युद्ध, अविश्वास और बदलते शक्ति-संतुलन से गुजर रही है। ऐसे माहौल में भारत ने जिस तरह अलग-अलग ध्रुवों के देशों को एक मंच पर बैठाया, संवाद के रास्ते खोले और मतभेदों के बावजूद सहयोग की जमीन तैयार की, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति के लिए एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि के तौर पर सामने आई है।

ब्रिक्स की इस बैठक की सबसे बड़ी सफलता यही रही कि भारत ने उन देशों के बीच भी संवाद की संभावना पैदा की, जिनके बीच गहरे मतभेद हैं। ईरान और खाड़ी के देशों के बीच बातचीत इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है। पश्चिम एशिया लंबे समय से टकराव, अविश्वास और संघर्ष का मैदान बना हुआ है। ऐसे समय में दिल्ली का मंच बातचीत के लिए उपलब्ध होना अपने आप में भारत की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह दिखाया कि भारत किसी एक खेमे का हिस्सा बनकर नहीं, बल्कि अलग-अलग पक्षों से संवाद करते हुए अपने लिए स्वतंत्र कूटनीतिक स्थान बना सकता है।

भारत और चीन के बीच हुई बातचीत भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। सीमा विवाद और लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बावजूद दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व का आमने-सामने बैठना इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता। यही वह बिंदु है जहां मोदी की कूटनीति की ताकत दिखाई देती है। अमेरिका से संबंध भी कायम हैं, रूस के साथ रिश्ते भी बने हुए हैं, चीन से संवाद भी हो रहा है और पश्चिम एशिया के अलग-अलग देशों के साथ भारत की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। यानी भारत किसी एक शक्ति के पीछे चलने के बजाय अपनी शर्तों पर संबंधों का संतुलन साध रहा है।

यही सफलता उस राजनीतिक नैरेटिव को भी कमजोर करती है, जिसमें बार-बार यह सवाल उठाया जाता रहा कि अगर पड़ोसी देश पाकिस्तान ने मक्का समझौता कर लिया, दूसरे देशों के साथ अपने समीकरण बना लिए और क्षेत्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ गतिविधियां बढ़ीं तो क्या भारत की विदेश नीति असफल हो गई? विदेश नीति को केवल पड़ोस की तत्काल घटनाओं से मापना वास्तविक तस्वीर को छोटा कर देना है। असली सवाल यह है कि दुनिया की बड़ी शक्तियां भारत को किस नजर से देख रही हैं और संकट के समय कितने देश भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। दिल्ली की बैठक ने इस सवाल का जवाब काफी हद तक दे दिया है।

यहां प्रधानमंत्री मोदी की व्यक्तिगत कूटनीतिक छवि भी महत्वपूर्ण हो जाती है। नरेंद्र मोदी, व्लादिमीर पुतिन और शी चिनफिंग की तस्वीरें जिस तरह वैश्विक स्तर पर चर्चा में आई हैं, उनका राजनीतिक संदेश तस्वीर से कहीं बड़ा है। यह तस्वीर बताती है कि भारत का नेतृत्व एक साथ दुनिया की अलग-अलग शक्तियों के साथ संवाद करने की स्थिति में है। पश्चिमी देशों के लिए भी यह संदेश महत्वपूर्ण है कि भारत को नजरअंदाज करके वैश्विक राजनीति की कोई बड़ी रणनीति पूरी नहीं हो सकती।

इसका घरेलू राजनीतिक असर भी कम नहीं होगा। भाजपा लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत वैश्विक छवि को अपनी राजनीतिक पूंजी के रूप में इस्तेमाल करती रही है। ब्रिक्स की दिल्ली बैठक उस पूंजी को और मजबूत करने का अवसर देती है। विपक्ष यदि यह कहता है कि सरकार की विदेश नीति कमजोर पड़ गई है, तो भाजपा के पास दिल्ली में जुटे वैश्विक नेताओं, भारत की मध्यस्थ भूमिका और अलग-अलग शक्ति केंद्रों के साथ संवाद को सामने रखने का मजबूत राजनीतिक आधार तैयार हो गया है।

सबसे बड़ी बात यह है कि दिल्ली में मिली यह कूटनीतिक सफलता केवल एक शिखर सम्मेलन की सफलता बनकर नहीं रहने वाली। इसका सीधा और दीर्घकालिक लाभ भारत की सामरिक स्थिति को मिल सकता है। रूस, चीन, अमेरिका, यूरोप, ईरान और खाड़ी देशों जैसे अलग-अलग शक्ति केंद्रों के साथ एक साथ संवाद कायम रखने की मोदी की क्षमता ने यह संदेश दिया है कि भारत किसी दबाव या धड़े की राजनीति में बंधा हुआ नहीं है, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर दुनिया की बड़ी शक्तियों के साथ संबंध तय करने की स्थिति में है। इसका असर आने वाले समय में व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक सहयोग और भारत की वैश्विक हैसियत, हर मोर्चे पर दिखाई दे सकता है।

यूपीआई शुल्कः सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

-: ललित गर्ग:-

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर निःशुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है। फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक निःशुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है।

यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरुआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता

और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था। इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए। दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरुआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा निःशुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है। यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए- 'उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।'

एनीमिया मुक्त भारत अभियान को लेकर एसडीएम राजेश कुमार सोनी ने ली अधिकारियों की बैठक

अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश।

लाडवा, : लाडवा के एसडीएम राजेश कुमार सोनी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में एनीमिया मुक्त भारत अभियान को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में उन्होंने अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे प्रभावी एवं परिणामदायी ढंग से लागू करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला स्तर से पहुंचे विनय गांधी ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान के संबंध में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल माध्यम से विस्तृत जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने एनीमिया के कारणों, लक्षणों, बचाव, जांच, उपचार तथा आयरन एवं फोलिक एसिड के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अभियान के अंतर्गत विभिन्न आयु वर्गों के लाभार्थियों तक स्वास्थ्य सेवाओं एवं जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी रूप से पहुंचाने के संबंध में भी जानकारी दी। एसडीएम राजेश कुमार सोनी ने कहा कि एनीमिया विशेषकर बच्चों, किशोर-किशोरियों, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं के स्वास्थ्य से जुड़ी एक महत्वपूर्ण समस्या है। इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ समय पर जांच, उपचार तथा आवश्यक पोषण उपलब्ध करवाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि एनीमिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों तथा किशोर-किशोरियों की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए। पात्र लाभार्थियों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आयरन एवं फोलिक एसिड की गोलियां उपलब्ध करवाने के साथ-साथ इनके नियमित सेवन के प्रति भी जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल दवा उपलब्ध करवाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लाभार्थियों द्वारा उसका नियमित एवं सही तरीके से सेवन सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। एसडीएम राजेश कुमार सोनी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर लोगों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व के बारे में जानकारी दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को एनीमिया से संबंधित मामलों की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यकता पड़ने पर गंभीर मामलों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में समय पर रेफर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनीमिया मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी संबंधित विभागों को अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभानी होगी। अभियान के तहत की जा रही गतिविधियों की नियमित समीक्षा करते हुए कमियों को दूर किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को इसका लाभ मिल सके। बैठक में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. कृष्ण कान्त, सीनियर मेडिकल ऑफिसर, सीएचसी बाबैन, सीएचसी मथाना के सीनियर मेडिकल ऑफिसर, ब्लॉक डेवलपमेंट एंड पंचायत ऑफिसर लाडवा एवं बाबैन, लाडवा, बाबैन एवं मथाना के चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर लाडवा एवं बाबैन, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों लाडवा एवं बाबैन, फूड एंड सप्लाई विभाग लाडवा, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन लाडवा एवं मथाना सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

साहित्य भाषा के माध्यम से किए गए प्रयोगों को समझने का अभ्यास : डॉ. जिम्मी शर्मा

▶▶ साहित्यिक अभिविन्यास कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सीखी साहित्यिक पाठ की व्याख्या की तकनीकें।

थानेसर, : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आईआईएचएस में आयोजित साहित्यिक अभिविन्यास कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साहित्यिक रचनाओं के गहन अध्ययन, व्याख्या एवं विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में ''डॉ. जिम्मी शर्मा'' ने बतौर रिसोर्स पर्सन विद्यार्थियों को साहित्य के अध्ययन की व्यावहारिक एवं रचनात्मक विधियों की जानकारी दी। डॉ. जिम्मी शर्मा ने कहा कि साहित्य भाषा के माध्यम से किए गए प्रयोगों को समझने का अभ्यास है और साहित्य हमें स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली बातों से आगे देखने की दृष्टि प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को साहित्य पढ़ते समय शब्दों, प्रतीकों, दृष्टिकोण और निहित अर्थों पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। डॉ. जिम्मी शर्मा ने ''क्लोज रीडिंग, इंटरप्रिटेशन और इन्फरेंस'' जैसी महत्वपूर्ण कौशलों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कविताओं को ''शाब्दिक, आलंकारिक एवं व्याख्यात्मक दृष्टिकोण से पढ़ने की विधियां समझाईं। उन्होंने प्रतीकों के माध्यम से विद्यार्थियों की ''कल्पनाशक्ति, प्रतीकात्मक समझ एवं व्याख्या कौशल'' को विकसित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने साहित्य में नैरेटिव वॉइस और परिप्रेक्ष्य की भूमिका समझाते हुए सीमित दृष्टिकोण तथा सर्वज्ञ दृष्टिकोण के माध्यम से रचनात्मकता एवं विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करने की तकनीकें बताईं। साहित्यिक उपकरणों के माध्यम से रचनाओं में निहित ''अप्रत्यक्ष एवं गहन अर्थों'' को समझने की प्रक्रिया भी उन्होंने उदाहरणों सहित समझाई। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रामचंद्र ने डॉ. जिम्मी शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को साहित्य के अध्ययन और व्याख्या की नई दृष्टि प्राप्त हुई है।

मानवता की मिसालः अमन ने तीसरी बार किया रक्तदान

कोसली, (सुनीलनठेडा) मानव सेवा और समाज के प्रति अपने दायित्व को निभाते हुए अमन ने एक बार फिर रक्तदान कर सराहनीय पहल की। उन्होंने तीसरी बार रक्तदान करते हुए जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अपना योगदान दिया।

अमन ने कहा कि रक्तदान एक ऐसा पुनीत कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करते हुए इस नेक कार्य में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। तीसरी बार रक्तदान करने पर उपस्थित लोगों ने अमन के सेवा भाव की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और अन्य युवाओं से भी रक्तदान के लिए आगे आने का आह्वान किया।

जलभराव से ग्रामीण परेशान, मकानों पर मंडराया खतरा, समाधान की मांग

कनीना सुनील दीक्षित कनीना सब डिवीजन के गांव बाघोत में बारिश के बाद जलभराव की समस्या ने विकराल रूप ले लिया है। पानी की निकासी का पुख्ता इंतजाम न होने के कारण गाँव के कुछ हिस्से में लंबे समय से गंदा पानी जमा है। इस कारण ग्रामीण परेशान हैं। जलभराव से कई मकानों की दीवारों में सीलन आने से उनके गिरने का खतरा पैदा हो गया है। ग्रामीणों ने उप मंडल प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते पानी निकासी का उचित प्रबंध नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में गाँव की स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। जलभराव के चलते संक्रमण और बीमारियों का भय भी सताने लगा है। ग्रामीणों ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी से जलभराव वाले संवेदनशील स्थानों की पहचान कर पानी निकासी की मांग की है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर नूंह में सेवा संकल्प, तीनों विधानसभाओं में लगे रक्तदान शिविर

▶▶ भाजपा के रक्तदान शिविरों में 200 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने किया निरीक्षण

नूंह जुबैर खान नूंह : देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला नूंह की ओर से 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इस मानवीय और सामाजिक पहल के दौरान जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में रक्तदान शिविर लगाए गए, जिसमें रेड क्रॉस के माध्यम से 200 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन का भी भरपूर सहयोग रहा और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदाताओं ने देश की सेवा में समर्पित प्रधानमंत्री के दीर्घायु होने की कामना की।

- इन विधानसभाओं में रहे प्रमुख संयोजकः
- नूंह विधानसभाः दिनेश नागपाल
- फिरोजपुर झिरका विधानसभाः राहुल जैन
- पुनहाना विधानसभाः धर्मवीर सैनी
- जिला अध्यक्ष ने किया शिविरों का निरीक्षणः
- भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री सुरेंद्र सिंह ने तीनों विधानसभा क्षेत्रों में जाकर इन रक्तदान शिविरों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में पहुंचे सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें फल एवं प्रमाण पत्र वितरित किए।

एक माह तक चलेंगे सेवा कार्यः- गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविरों सहित विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं। उनके जन्मदिन से शुरू होकर एक माह तक चलने वाले इन आयोजनों के माध्यम से समाज के कल्याण और जनसेवा के विभिन्न कार्यक्रम पूरे देश में चलाए जा रहे हैं, जिसमें स्थानीय प्रशासन और पार्टी कार्यकर्ताओं का सक्रिय योगदान सराहनीय रहा है।इस गरिमामयी अवसर पर जिला नूंह की तीनों विधानसभाओं में भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सांसद नवीन जिन्दल की पहल सराहनीय है : रमेश सैनी

● नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा सेवा संकल्प अभियान में दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया।

कुरुक्षेत्र, : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर, सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर नवीन जिन्दल फाउंडेशन की ओर से चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिन्दल हाउस, कुरुक्षेत्र में दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण शिविर में दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और दिव्यांगजनों को बैटरी चालित रिक्शा, व्हीलचेयर, हियरिंग मशीन, हाकर, छड़ी सहित अन्य सहायक सामग्री प्रदान की। इस दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण शिविर में 118 लोगों को 523 सहायक उपकरण उपकरण उपलब्ध करवाए गए। इनमें करीब 20 बैटरी चालित रिक्शा, 17 व्हीलचेयर, 72 जोड़ी हियरिंग मशीन, 16 वॉकर, 70 छड़ियां तथा अन्य जरूरत के अनुसार बैल्ट , तकिए, नी पैड़, सैंसर ब्लाइंड स्टिक जैसी सहायक सामग्री शामिल रही। फाउंडेशन की टीम ने लाभार्थियों को जरूरत के अनुसार निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और दवाइयां भी उपलब्ध करवाई, ताकि उन्हें दैनिक जीवन में सुविधा मिल सके। झ इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन सेवा कार्यों के माध्यम से मनाया जाना समाज के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संदेश देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सांसद नवीन जिन्दल की यह पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल द्वारा जनसेवा के कार्यों में निरंतर सहयोग किया जा रहा है और ऐसे प्रयास समाज के जरूरतमंद वर्गों को संबल प्रदान करते हैं। इस अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल के संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा और जनकल्याण के संकल्प के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण और निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाना, उनके आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का प्रयास है। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला भाजपा उपाध्यक्ष संजीव सीकरी, जिला सचिव गुलशन सैनी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नरेंद्र पांचाल, विनोद गर्ग, सुभाष बारना, अशोक गुंदियाना, विजय सलारपुर, सुरजीत सुन्हेडी, शिविर कोर्डिनेटर राजिंद्र राजपूत, थानेसर प्रभारी बलविंद्र सिंह, भूषण मंगला, अजैब सिंह, नवीन जिन्दल फाउंडेशन की टीम, एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नूंह मेवात में आयोजित इनेलो रैली में पंहुचेगें दिग्गज-सुधीर

पार्टी पदाधिकारी लगातार जन संपर्क अभियान में जुटे

कनीना सुनील दीक्षित देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री चैधरी देवीलाल की जयंती के उपलक्ष्य में आगामी 27 सितंबर को नूंह मेवात में आयोजित रैली में पार्टी के दिग्गज पंहुचेगें। अटेली के युवा हलका अध्यक्ष सुधीर यादव ने कहा कि रैली को लेकर इनेलो के पदाधिकारी तेजी से जनसपंर्क में जुटे हुए हैं। इस समारोह में इनेलो सुप्रिमो अभय सिंह चैटाला सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता उनके संघर्ष को याद कर वर्तमान सरकार की नाकामी को उजागर करेगें। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार जनविरोधी है जो आए दिन मनमाने फैसले ले रही है जिससे आमजन परेशान है। यूपीआई पर टेक्स लगाना आमजन की भावनाओं के विरूद्ध है। नूंह-मेवात में आयोजित होने वाला जयंति समारोह एतिहासिक होगा। जिसमें प्रदेशभर से कार्यकर्ता हिस्सा लेगें। सुधीर यादव ने कहा कि चैधरी देवीलाल के संघर्षों तथा किसान-मजदूरों के हितैषी थे। उनके किए गए कार्यों से आमजन के अवगत कराएंगे। रैली में अटेली हलके से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता पंहुचेगें। उन्होंने कहा कि चैधरी देवीलाल केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वे किसानों, मजदूरों और कमेरे वर्ग की बुलंद आवाज थे। जिनके हितो को उपर उठाने के लिए जीवनपर्यंत प्रयासरत रहे।

प्रभावी समाधान व्यवस्था है जनता समाधान शिविरः उपायुक्त डॉ हरीश कुमार वशिष्ठ

▶▶ जनता समाधान शिविर में 10 शिकायतों पर संज्ञान

पानीपत, (चुघ) भेदी नजर। सोमवार और वीरवार को आयोजित होने वाले जनता समाधान शिविर में जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। वीरवार को जिला सचिवालय सभागार में आयोजित जनता समाधान शिविर में उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने लोगों की शिकायतें गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 10 शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि जनता समाधान शिविर केवल शिकायतें सुनने का माध्यम नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं का मौके पर संज्ञान लेकर उनके प्रभावी समाधान की व्यवस्था है। प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसकी जांच और कार्रवाई समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य शिकायतों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि शिकायतों का समाधान सुनिश्चित कर लोगों का विश्वास मजबूत करना है। अतिरिक्त उपायुक्त अंकित चौकसे ने कहा कि जनता समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारियों को चाहिए कि वे शिकायतकर्ता की बात को ध्यानपूर्वक सुनें और नियमों के दायरे में रहते हुए उसके समाधान की दिशा में तुरंत कार्रवाई करें। किसी शिकायत को एक विभाग से दूसरे विभाग में भेजकर जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी शिकायत की जिम्मेदारी लेकर उसके निस्तारण तक प्रभावी निगरानी रखें।

डीएसपी सिटी मुकेश जाखड़ ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि आमजन की सुरक्षा और उनकी शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान पुलिस विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस से संबंधित प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा तथा तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शिविर में अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम मनदीप कुमार, नगराधीश टीनू पोसवाल, डीडीपीओ राजेश शर्मा, एलडीएम जितेंद्र, डॉ. प्रज्ञा, डीएचओ संदीप, आरटीए डॉ. जिंदल, पुलिस कंप्लेंट अधिकारी सुरेश, संजीव शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और शिकायतकर्ता मौजूद रहे।

भोगल बस्ती में नशे के खिलाफ पुलिस का सर्च अभियान, डॉग स्क्वायड ने की जांच

भारी पुलिस बल के साथ विभिन्न स्थानों पर तलाशी, नशे की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ लोगों से सहयोग की अपील

कोसली, (सुनिल नठेडा) नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोसली थाना पुलिस ने गुरुवार सुबह भोगल बस्ती में व्यापक सर्च अभियान चलाया। थाना प्रभारी विद्यासागर के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में पुलिस टीम के साथ डॉग स्क्वायड भी मौजूद रहा। पुलिस ने बस्ती और आसपास के विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर जांच करते हुए नशीले पदार्थों से जुड़ी अवैध गतिविधियों पर नजर रखी। सुबह पुलिस टीम के पहुंचने के बाद इलाके में काफी समय तक सर्च अभियान जारी रहा। अभियान के दौरान पुलिस जवानों ने अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर जांच की। डॉग स्क्वायड की सहायता से भी संदिग्ध स्थानों की जांच की गई। पुलिस का कहना है कि इस प्रकार के अभियान का उद्देश्य नशे से जुड़ी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाना और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। पुलिस की इस कार्रवाई से आसपास के क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को लेकर लोगों में भी चर्चा रही। पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों वाले स्थानों पर निगरानी रखने के साथ-साथ स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाने का प्रयास किया।

नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई का संदेश- एसएचओ विद्यासागर ने कहा कि नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपील की कि वे नशे के कारोबार और नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री को रोकने के लिए पुलिस का सहयोग करें। यदि किसी व्यक्ति को अपने आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री, सप्लाई या अन्य संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलती है तो इसकी सूचना पुलिस को दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा समाज और विशेषकर युवाओं के भविष्य को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या है। इसके खिलाफ पुलिस के साथ-साथ आम लोगों की जागरूकता और सहयोग भी जरूरी है। पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया कि नशे से संबंधित अवैध गतिविधियों की सूचना मिलने पर मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की नजर- भोगल बस्ती में चलाए गए इस सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में निगरानी की। डॉग स्क्वायड की मौजूदगी में हुई जांच का मुख्य उद्देश्य संदिग्ध स्थानों की तलाशी लेना और नशीले पदार्थों से संबंधित संभावित गतिविधियों का पता लगाना रहा। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए समय-समय पर ऐसे अभियान चलाए जाएंगे। पुलिस की टीम द्वारा संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील- पुलिस ने स्थानीय नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। अभिभावकों और युवाओं से भी नशे से दूर रहने तथा आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया। भोगल बस्ती में पुलिस के इस अभियान को नशे के खिलाफ पुलिस की सक्रिय कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस ने संकेत दिया कि आने वाले समय में भी संदिग्ध गतिविधियों वाले क्षेत्रों में जांच और निगरानी का सिलसिला जारी रखा जाएगा ।

विभागाध्यक्ष कोई भी शिकायत न रखें लंबित, शिकायतों का शीघ्र हो निदानःडीसी

● डीसी अभिषेक मीणा ने समाधान शिविर में सुनी आमजन की शिकायतें

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में आमजन की समस्याओं के निवारण के समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आमजन की प्राप्त शिकायतों का अधिकारी तत्परता से समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा ने गुरुवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर के दौरान आमजन की शिकायतों की सुनवाई की। समाधान शिविर में गांव बालावास जमापुर में हाई वोल्टेज बिजली की तारे मकान के पास से दूर करने की शिकायत पर डीसी ने बिजली विभाग अधिकारी को जांच करते हुए तार मकान से दूर करने के निर्देश दिए। गांव आराम नगर में अवैध कब्जे की शिकायत पर डीसी ने बीडीपीओ बावल को अवैध कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। गांव निगणियावास में रास्ते पर अवैध कब्जे की शिकायत पर डीसी ने बीडीपीओ धारूहेड़ा को अवैध कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। रेवाड़ी के सेक्टर-4 में पार्क की मरम्मत करवाने की समस्या के निदान के लिए डीसी ने नगर परिषद के अधिकारियों को पार्क की मरम्मत करवाने के निर्देश दिए। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी शिकायत लंबित न रखते हुए तत्काल कार्रवाई की जाए। शिकायतों पर शीघ्र कार्यवाही करते हुए समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों के निवारण के लिए जिला मुख्यालय सहित बावल व कोसली उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आमजन की समस्याओं को सुनकर समाधान किया जाता है। नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए नजदीक उपमंडल स्तर पर भी अपनी शिकायतों का समाधान करवा सकते हैं। इस अवसर पर एडीसी राहुल मोदी, एएसपी दीपिका अग्रवाल, सीटीएम जितेंद्र कुमार व अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

जनमत का सम्मान लोकतंत्र, नीति का सम्मान ही सतयुग-विष्णु चौहान

यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय शासन-दर्शन का मूल सिद्धांत है। यदि इन दोनों के बीच संतुलन बना रहे, तभी आदर्श समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। इस सत्य का सर्वोत्तम उदाहरण भगवान श्रीराम के जीवन में मिलता है। यह शब्द मिशन जॉर्नलिस्ट प्रोटेक्शन, भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु चौहान ने एक धार्मिक कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहें। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में भगवान श्रीराम केवल एक राजा नहीं, बल्कि मर्यादा, नीति, सत्य और कर्तव्य के सर्वोच्च प्रतीक हैं। उनके जीवन का प्रत्येक प्रसंग मानव समाज को यह सिखाता है कि परिस्थितियाँ कैसी भी हों, धर्म और नीति का मार्ग कभी नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि

अयोध्या का वह ऐतिहासिक क्षण भारतीय इतिहास का सबसे बड़ा नैतिक उदाहरण है, जब महाराज दशरथ के निधन के बाद भरत, गुरु वशिष्ठ, सभी मंत्री, माताएँ, अयोध्या के गणमान्य नागरिक और विशाल जनसमूह चित्रकूट पहुँचे। सभी की एक ही प्रार्थना थी–भगवान श्रीराम अयोध्या लौट चलें और राजसिंहासन संभालें। यह केवल कुछ लोगों की इच्छा नहीं थी, बल्कि सम्पूर्ण अयोध्या का जनमत था। राज्य, समाज, परिवार और गुरु–सभी श्रीराम के पक्ष में खड़े थे। यदि वे चाहते, तो उसी क्षण अयोध्या लौटकर राजा बन सकते थे। किसी को कोई आपत्ति नहीं होती। किन्तु श्रीराम ने कहा– 'मैं पिता के वचन से बंधा हूँ। चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण किए बिना अयोध्या लौटना मेरी मर्यादा और धर्म के विरुद्ध होगा। ' यही वह क्षण था, जहाँ जनमत और नीति आमने-सामने खड़े थे। जनमत उन्हें वापस बुला रहा था, लेकिन नीति उन्हें वन में रहने का आदेश दे रही थी। श्रीराम ने जनभावना का अनादर नहीं किया, बल्कि उससे भी ऊपर उठकर धर्म और नीति का सम्मान किया। क्योंकि वे जानते थे कि यदि शासक स्वयं नियम तोड़ देगा, तो समाज में नियमों का सम्मान समाप्त हो जाएगा। इसीलिए भगवान श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि लोकप्रिय होना और सही होना, दोनों हमेशा एक जैसे नहीं होते। कभी-कभी सच्चा नेतृत्व वही होता है जो तत्काल लोकप्रिय निर्णय छोड़कर दीर्घकालीन नैतिक निर्णय ले। आज के लोकतंत्र में जनमत का सम्मान सर्वोपरि है, क्योंकि लोकतंत्र जनता की इच्छा पर आधारित व्यवस्था है। परंतु जनमत भी संविधान, न्याय और नैतिक मर्यादाओं के भीतर ही फलता-फूलता है। यदि नीति और कानून की उपेक्षा कर केवल जनभावना के आधार पर निर्णय होने लगें, तो व्यवस्था अराजकता में बदल सकती है। इसलिए भगवान श्रीराम का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है–सत्ता से पहले सत्य, लोकप्रियता से पहले नीति और अधिकार से पहले कर्तव्य। जब समाज में नीति का सम्मान सर्वोच्च होता है, तब सतयुग जैसे आदर्श जन्म लेते हैं। और जब लोकतंत्र में जनमत का सम्मान संविधान और नीति की मर्यादा के साथ किया जाता है, तभी राष्ट्र सशक्त, न्यायपूर्ण और समृद्ध बनता है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें यही अमर संदेश देता है कि परिस्थितियाँ बदल सकती हैं, लेकिन सिद्धांत कभी नहीं बदलने चाहिए। यही मर्यादा है, यही धर्म है और यही आदर्श नेतृत्व की पहचान है।

दीन दयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना के पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण के लिए 27 सितंबर तक लगाए जाएंगे विशेष कैंप

रेवाड़ी। दीन दयाल लाड़ो लक्ष्मी योजना फेस-2 के पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण के लिए जिला रेवाड़ी में 17 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक विशेष कैंपों का आयोजन किया जाएगा। जिला में योजना के लगभग 52 हजार संभावित लाभार्थियों का डाटा प्राप्त हुआ है, जिनका पंजीकरण किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू बाला ने बताया कि पात्र लाभार्थियों के पंजीकरण के लिए जिला स्तर के साथ-साथ रेवाड़ी, बावल और कोसली उपमंडल स्तर पर कैंप लगाए जाएंगे। कैंपों में संबंधित विभागीय कर्मचारी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहकर पात्र लोगों का पंजीकरण सुनिश्चित करेंगे।

इन स्थानों पर लगाए जाएंगे विशेष कैंप– जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि जिला स्तर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय पुराना डीसी कार्यालय रेवाड़ी, उपमंडल रेवाड़ी पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय रेवाड़ी, उपमंडल बावल में उपमंडल अधिकारी (ना.) कार्यालय बावल, उपमंडल कोसली पर उपमंडल अधिकारी (ना.) कार्यालय, कोसली में कैंपों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पात्र लोगों पंजीकरण डीडीएलएलवाई ऐप के माध्यम से किया जाएगा। झ जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि योजना के पात्र लाभार्थी निर्धारित अवधि के दौरान अपने नजदीकी कैंप में पहुंचकर पंजीकरण करवाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 168 लाभार्थियों को मिले 812 सहायक उपकरण

करीब 16 लाख रुपये की लागत से वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराए गए उपकरण

- **मुख्य अतिथि अमित कुमार ने समाजसेवा के साथ नशामुक्ति अभियान को जन-आंदोलन बनाने का किया आह्वान**

नूंह जुबैर खान नूंह, सेवा संकल्प अभियान के तहत जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को राहत एवं सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 168 लाभार्थियों को कुल 812 सहायक उपकरण वितरित किए गए। इन उपकरणों की कुल लागत करीब 16 लाख रुपये है। मुख्य अतिथि एसडीएम अमित कुमार ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत समाजहित में किए जा रहे कार्य 'नर सेवा नारायण सेवा' की भावना को साकार कर रहे हैं। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से नशा मुक्ति अभियान से जुड़ने

तथा इसे सफल बनाने में अपना सहयोग देने की अपील की।

विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण किए गए वितरित – जिला रेडक्रॉस सोसायटी नूंह के सचिव महेश गुप्ता ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए बताया कि शिविर में लाभार्थियों को व्हीलचेयर, तिपहिया साइकिल, बैसाखी, कान की मशीन, कमर एवं घुटनों की बेल्ट सहित विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए गए। उन्होंने कहा कि इन उपकरणों से जरूरतमंद लोगों को दैनिक जीवन के कार्यों में सुविधा मिलेगी और उनकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

एलिम्को के प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र नूंह के माध्यम से मिली सहायता- महेश गुप्ता ने बताया कि सहायक उपकरण भारत सरकार की अधिकृत एजेंसी एलिम्को द्वारा संचालित प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र नूंह के माध्यम से वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध करव ाकर उनके जीवन को सुगम बनाना है।

सरपंच इम्तियाज खान ने किया अतिथियों का स्वागत- शिविर में गांव के सरपंच इम्तियाज खान ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि अमित कुमार ने सरपंच द्वारा किए जा रहे समाजसेवी कार्यों की सराहना की और कहा कि स्थानीय स्तर पर समाजसेवियों एवं नागरिकों की भागीदारी से ऐसे जनकल्याणकारी कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

नशामुक्त समाज के निर्माण की दिलाई शपथ- जिला रेडक्रॉस सोसायटी नूंह के प्रशिक्षण अधिकारी महेश सिंह मलिक ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने लोगों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा युवाओं को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। सहयोगियों का जताया आभार- शिविर के सफल आयोजन में एलिम्को के विशेषज्ञ सफीन अहमद, गांव के मौजिज नागरिकों तथा नरेश कुमार, नितिन कुमार वर्मा, विनय मिश्रा सहित अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आयोजकों ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्र सेवा को समर्पित है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता

▶▶ प्रधानमंत्री के अथक परिश्रम से आगे बढ़ रहा है भारत- वन मंत्री राव नरबीर सिंह

- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने रेवाड़ी में नमो वन का किया शुभारंभ**

रेवाड़ी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने वीरवार को वन, पर्यावरण एवं उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ रेवाड़ी के एनएच-11 तथा एनएच-8 के सर्कल पॉइंट पर दो हेक्टेयर की भूमि पर मियावाकी पद्धति से विकसित होने वाले नमो वन का शुभारंभ किया। यहां 72 प्रजातियों के 20 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर उनकी दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक सेवा काल के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक माह तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की आज से शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री ने जिस प्रकार से राष्ट्र प्रथम और देशहित को सर्वोपरि मानते हुए भारत की प्रगति और जन-जन की भलाई के लिए काम किया है, उसी प्रकार समाज और देश की भलाई के लिए सेवा के विभिन्न प्रकल्प एक माह तक आयोजित किए जाएंगे। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा ने एक महीने में 50 हजार से एक लाख तक कैटरेक्ट के ऑपरेशन करवाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के लिए पार्टी ने भाजपा हरियाणा नमो सेवा पोर्टल शुरू किया है। उन्होंने कहा कि वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने पिछले दिनों मानेसर में नमो वन की स्थापना करवाई थी। आज रेवाड़ी में नमो वन की स्थापना हुई है। वन मंत्री ने हर जिले में नमो वन स्थापित करने का लक्ष्य रखा है, जो कि वन क्षेत्र की कमी को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि बढ़ते औद्योगीकरण के परिवेश में वनीकरण भी अत्यंत आवश्यक है। उद्योग एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 साल से की जा रही राष्ट्र सेवा को ध्यान में रखते हुए आज रेवाड़ी में नमो वन की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व में भारत ने उन्नति के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर देश की सेवा करने का संकल्प लें। वन मंत्री ने कहा कि नमो वन में 5 साल तक इन पौधों की देखभाल की जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान 2026

'सेवा ऑन व्हील्स' अभियान के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट को दिखाई हरी झंडी

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला में विभिन्न स्थानों पर लगाए गए रक्तदान शिविर

रेवाड़ी। स्वास्थ्य विभाग रेवाड़ी द्वारा सिविल सर्जन डॉ. नरेंद्र दहिया के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलेभर में स्वास्थ्य जागरूकता, जनसेवा, स्वैच्छिक रक्तदान एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही एनीमिया मुक्त हरियाणा के तहत 100 दिवसीय विशेष अभियान का भी शुभारंभ किया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा ऑन व्हील कार्यक्रम के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. अमित यादव एवं डॉ. जोगेंद्र तंवर ने एमएमयू को रवाना किया। इसके माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य जांच, प्राथमिक चिकित्सा एवं चिकित्सकीय परामर्श सहित आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। जिला में विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए रक्तदान शिविर सिविल सर्जन डॉ. नरेंद्र दहिया के मार्गदर्शन में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (आईजीयू), मीरपुर में रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की उपस्थिति में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसके अलावा उपमंडल अस्पताल कोसली में कोसली के विधायक अनिल यादव व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बावल में एसडीएम बावल की उपस्थिति में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में विद्यार्थियों, युवाओं एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया तथा रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान कर समाजसेवा का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक डॉ. नरेंद्र दहिया के मार्गदर्शन में जिला नागरिक अस्पताल रेवाड़ी व आईजीयू मीरपुर में आभा आई पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कलाकारों ने रोचक एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता तथा समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजन को जागरूक किया। एनीमिया मुक्त हरियाणा 100 दिवसीय अभियान का शुभारं एनीमिया मुक्त हरियाणा जिला रेवाड़ी के नोडल अधिकारी डॉ. ज्ञानेंद्र मिश्रा ने बताया कि जिले में 17 सितंबर से एनीमिया मुक्त हरियाणा के 100 दिवसीय विशेष अभियान का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ. नरेंद्र दहिया द्वारा किया गया। अभियान के तहत लक्षित लाभार्थियों की एनीमिया जांच की जाएगी। इसमें नवजात शिशुओं से लेकर प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं (डब्ल्यूआरए) तक विभिन्न वर्गों की जांच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

नूंह भाजपा कार्यालय में अधिवक्ता दिनेश नागपाल ने 41वीं बार किया रक्तदान

नूंह जुबैर खान नूंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में नूंह स्थित भाजपा कार्यालय पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ क्षेत्र के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए रक्तदान कर सामाजिक सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर भाजपा जिलामंत्री एवं अधिवक्ता दिनेश नागपाल ने भी रक्तदान किया। उन्होंने 41वीं बार रक्तदान कर समाजसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया। दिनेश नागपाल ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने युवाओं से भी नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस शिविर में मौजूद भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा और जनकल्याण की भावना के साथ मनाने का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में जरूरतमंदों की मदद करने और रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की भावना मजबूत होती है। 41वीं बार रक्तदान करने वाले अधिवक्ता दिनेश नागपाल शिविर में विशेष रूप से चर्चा का विषय रहे। उपस्थित लोगों ने उनके निरंतर रक्तदान एवं समाजसेवा के प्रयास की सराहना की। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र पिंटू मास्टर उजीना, जिला महामंत्री हेमराज शर्मा व रमेश मानुवास के अलावा सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पलवल में सेवा गतिविधियों के साथ हुआ 'सेवा संकल्प अभियान' का आगाज

▶▶ प्रधानमंत्री के 25 साल के सार्वजनिक जीवन पर महीने भर चलेंगे कार्यक्रम

पलवल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और शासन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हरियाणा सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बृहस्पतिवार को 'स्वच्छता ही सेवा' सहित अन्य सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा सरकार में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल तथा विधि एवं विधायी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौरव गौतम ने श्रमदान करते हुए झाड़ू लगाकर क्षेत्र की सफाई की और लोगों को 'स्वच्छता ही सेवा' के संकल्प को जीवन में आत्मसात करते हुए स्वच्छता अभियान में बढ़चढ़कर योगदान करने का संदेश दिया। पलवल में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत महीने भर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा सभी के लिए प्रेरणा : गौरव गौतम- खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का कार्यकाल सेवा, समर्पण, अंत्योदय उत्थान और जनकल्याण की प्रेरक यात्रा हमें यह विश्वास दिलाती है कि स्पष्ट नीयत, दूरदर्शी नीति, अथक परिश्रम और जनभागीदारी के माध्यम से बड़े से बड़े और असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्यों को भी हासिल किया जा सकता है। उनके इसी सेवा-संकल्प और जनकल्याण की भावना को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार निरंतर आगे बढ़ा रही है। सेवा से सुशासन, सुशासन से विकास और विकास से विकसित भारत की ओर बढने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा सभी के लिए प्रेरणा है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देना और लोगों में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या कर्मचारी की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए योगदान करना चाहिए सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना और कूड़े का उचित निस्तारण करना हर व्यक्ति का दायित्व है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा' की भावना को व्यवहार में उतारकर ही स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। जनभागीदारी से चलाए जाने वाले ऐसे अभियान स्वच्छता के प्रति स्थायी जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी स्वच्छता गतिविधियों में भाग लिया और अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने का संकल्प लिया। इस दौरान आमजन से अपील की गई कि वे कूड़ा खुले में न डालें, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें तथा स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन करें। स्वच्छता के माध्यम से पलवल शहर को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विपिन बैंसला, जिला नगरायुक्त मनीषा शर्मा, मार्केट कमेटी पलवल के चेयरमेन पंकज विरमानी, वीरपाल दीक्षित, भक्ति शर्मा, एनजीओ से अल्पना मित्तल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में रक्तदान शिविरों का आयोजन

-जिला में अलग-अलग स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों में करीब 160 यूनिट रक्त एकत्रित

रेवाड़ी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जिला स्वास्थ्य विभाग एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में वीरवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ नागरिकों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूक करना रहा। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (आईजीयू), मीरपुर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली, विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.असीम मिगलानी और कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। आईजीयू मीरपुर में आयोजित शिविर में कुल 65 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर आयोजित यह रक्तदान शिविर सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना का प्रतीक है।भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित यह कार्यक्रम जनसेवा की भावना को और मजबूत करता है। उन्होंने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए अन्य लोगों से भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इसी क्रम में नागरिक अस्पताल कोसली में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ विधायक अनिल यादव ने किया। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है, इसलिए रक्त का पर्याप्त भंडार बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के साथ समाज में सहयोग और मानवता की भावना भी मजबूत होती है। नागरिक अस्पताल कोसली में शिविर के दौरान 60 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। सीएचसी बावल में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ एसडीएम संजीव कुमार ने किया। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक स्वस्थ नागरिक को समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। सीएचसी बावल में 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इसके अतिरिक्त रेवाड़ी ब्लड बैंक में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 4 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस प्रकार जिले में आयोजित इन चारों रक्तदान शिविरों में करीब 160 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर सीएमओ डा. नरेंद्र दहिया, डा. रितु यादव, ब्लड बैंक इंचार्ज डा. संदीप यादव, डा. कपिल, डा. अमित कौशिक, एसएमओ कोसली डा. विक्रम सिंह, डा. जयपाल, सीएचसी बावल एमओ डा. रामनिवास, डा. धर्मेंद्र, डा. विजय प्रकाश, जिला रेडक्रॉस सोसायटी प्रशिक्षण अधिकारी प्रेम प्रकाश, अनिल, पवन, सतीश कुमार और मोती लाल आदि मौजूद रहे।

दौंगड़ा जाट में 20 सितंबर को आयोजित होगा जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह

कनीना सुनील दीक्षित प्रजापति विकास समिति, कनीना के तत्वावधान में आगामी 20 सितंबर, रविवार को जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से गांव दौंगड़ा जाट स्थित स्कूल के खेल मैदान में होगा। सूबेदार बलवंत सिंह ने बताया कि इस समारोह में शिक्षा सत्र 2025-26 के दौरान कक्षा 10वीं व 12वीं में 80 फीसदी या उससे अधिक, तथा स्नातक व स्नातकोत्तर में 60 फीसदी से अधिक अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों और जिला व राज्य स्तरीय खेल पदक विजेताओं को भी विशेष सम्मान से नवाजा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री धर्मबीर प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

जबकि पिछड़ा वर्ग कल्याण महासभा हरियाणा के मुख्य संरक्षक शांता कुमार आर्य अध्यक्षता करेंगे। समारोह में एडीसी झज्जर जगनिवास, डॉ. नीलाक्षी कानपुर, आईपीएस आशीष कुमार प्रजापति, रामेश्वर सिंह प्रजापति व राजेंद्र तंवर सहित प्रशासनिक व सामाजिक हस्तियां बतौर अतिथि शामिल होंगी।

सेवा संकल्प अभियान : जनमानस के जीवन में बदलाव लाने में कारगर साबित हो रही जनकल्याणकारी योजनाएं

-राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लाभ से विकास नगर की अदिति के जीवन की आसान हुई राह

रेवाड़ी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य, विकास और कल्याण के लिए संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों की समय पर पहचान, उपचार और पुनर्वास सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी पहल के अंतर्गत रेवाड़ी की अदिति को समय पर उपचार एवं आवश्यक चिकित्सा सेवाएं मिलने से उसके जीवन में उल्लेखनीय बदलाव आया है। डीईआईसी कम आरबीएसके प्रबंधक मीनाक्षी यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि अदिति आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से संबंधित है। उसके पिता वेयरहाउस में कार्य करते हैं। एक वर्ष दो माह की आयु में अदिति अपनी गर्दन और सिर को स्थिर नहीं रख पाती थी। उसके बोलना शुरू करने में भी देरी थी। स्वास्थ्य जांच के दौरान उसमें मध्यम तीव्र कुपोषण तथा गंभीर रक्ताल्पता पाई गई। उसका हीमोग्लोबिन स्तर मात्र 4 ग्राम प्रति डेसीलीटर था।

20 मई 2022 को हुई स्वास्थ्य जांच से शुरू हुआ बदलाव- विकास नगर, रेवाड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में 20 मई 2022 को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ने अदिति की स्वास्थ्य जांच की। जांच में उसकी विकासात्मक देरी और गंभीर रक्ताल्पता की पहचान हुई। स्वास्थ्य दल ने बच्ची के माता-पिता को उसकी स्थिति और उपचार की आवश्यकता के बारे में समझाया। प्रारंभ में परिवार उपचार के लिए तैयार नहीं था। अदिति के पिता भी नियमित उपचार और व्यायाम चिकित्सा को लेकर सहयोग नहीं कर रहे थे। बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य दल ने क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय किया। आशा कार्यकर्ताओं ने लगातार परिवार से संपर्क कर उपचार के लिए प्रेरित किया। वहीं, शहरी स्वास्थ्य दल ने भी परिवार को तीन बार समझाया। लगातार प्रयासों के बाद अदिति की मां उसे उपचार के लिए विकासात्मक मूल्यांकन एवं प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र लेकर पहुंचीं। 6 अगस्त 2022 को अदिति का केंद्र में पंजीकरण किया गया।

गंभीर रक्ताल्पता का नि:शुल्क उपचार- जांच में गंभीर रक्ताल्पता पाए जाने के बाद अदिति को जिला नागरिक अस्पताल, रेवाड़ी में रक्त चढ़ाने के लिए भर्ती कराया गया। इसके बाद उसके विकास में सुधार के लिए नियमित व्यायाम चिकित्सा और वाणी चिकित्सा शुरू की गई। गर्दन एवं रीढ़ के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशेष व्यायाम कराए गए। साथ ही, पेट के बल लेटने सहित आवश्यक व्यायाम नियमित रूप से करवाए गए।

नियमित उपचार से विकास की गति में आया सुधार- नियमित उपचार और परिवार के सहयोग से अदिति में लगातार सुधार दिखाई देने लगा। लगभग डेढ़ महीने की व्यायाम चिकित्सा के बाद अदिति अपनी गर्दन और सिर को स्थिर रखने लगी तथा हल्का करवट लेना शुरू किया। एक वर्ष छह माह की आयु में वह बिना सहारे बैठने लगी। वाणी चिकित्सा के बाद उसने बड़बड़ाने वाली आवाजें निकालना भी शुरू किया।

पंचायतीराज संस्थाओं का लॉटरी कार्यक्रम स्थगित, नई तारीख होगी तय

जयपुर, एजेंसी। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायतीराज संस्थाओं के प्रमुखों के लिए निकाली जाने वाली लॉटरी कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। जिला प्रमुखों और प्रधानों के लिए 17 सितंबर और अन्य पदों के लिए 18 सितंबर को यह लॉटरी निकाली जानी थी। इस समय सभी निर्वाचन अधिकारी निकाय संस्थाओं के महापौर, नगर परिषद सभापति और पालिकाध्यक्षों के चुनाव में व्यस्त है।

ये चुनाव 21 और 22 सितंबर को होंगे। अधिकारियों की व्यस्तता के चलते पंचायतीराज संस्थाओं के लॉटरी कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। लॉटरी के लिए नई तारीख बाद में तय की जाएगी।

इंटीग्रल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न, वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक को 17.84 लाख रुपए का शुद्ध लाभ

जयपुर, एजेंसी। इंटीग्रल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की 27वीं वार्षिक साधारण सभा आयोजित हुई। सभा में बैंक के निदेशक मंडल ने शेयरधारकों को बैंक की प्रगति और वित्तीय परिणामों की जानकारी दी। सीईओ जी एन गुप्ता ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक ने 17.84 लाख रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया। इस दौरान जमा और ऋण-अग्रिम में भी वृद्धि दर्ज की गई।

बैंक के अध्यक्ष ने बैंक के 27वें वर्ष में प्रवेश पर सदस्यों को बधाई देते हुए बैंक की उपलब्धियों और सेवा विस्तार की जानकारी दी। बैंक वर्तमान में 2 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है। बैंक की ओर से मात्र 1,000 रुपए में बचत खाता खोलकर देशभर में एटीएम सुविधा का लाभ देने की जानकारी दी गई। चालू खातों में भी एटीएम सुविधा उपलब्ध है।

वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रम

बैंक ग्राहकों को एटीएम के साथ पास, आईएमपीएस, आरटीजीएस-एनईएफटी, एनएसीएच, ईसीएस, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। बैंक के अनुसार विभिन्न प्रकार के ऋण तीन दिन में स्वीकृत किए जाते हैं। इनमें आवासीय, शिक्षा, वाहन, व्यवसाय, संपत्ति के विरुद्ध और स्वर्ण ऋण सहित अन्य ऋण शामिल हैं।

बैंक का कार्यक्षेत्र जयपुर, अजमेर, अलवर, सीकर, दौसा, सवाई माधोपुर, टोंक और नागौर जिलों तक है। बैंक की शाखाओं में लॉकर सुविधा बिना किसी डिपॉजिट के उपलब्ध कराने के साथ ग्राहकों को 10 मिनट में ड्राफ्ट बनाने की सुविधा भी दी जा रही है।

पर्यटकोंके घूमने-फ़िरने की जगहें

बैंक की ओर से समय-समय पर विभिन्न योजनाएं भी संचालित की जाती हैं। इनमें धनवर्षा, स्वर्ण कलश, लखपति, मालामाल, धन ऐश्वर्या, गंगा-जमुना, वैभव लक्ष्मी, वैभव समृद्धि, धन कुबेर, दशहरा उपहार, रंग दे बसंती, धन शगुन, दीपावली उपहार और वरिष्ठ नागरिक योजनाएं शामिल हैं। बैंक ने बताया कि सावधि जमा पर अधिकतम ब्याज दिया जाता है तथा वरिष्ठ नागरिकों को विशेष रूप से 0.50 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज का लाभ दिया जाता है। बैंक में सभी जमा डीआईसीजीसी से बीमित हैं।

लंपी रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश में गौवंश में फैल रहे लंपी स्किन डिजीज के प्रभावी नियंत्रण, रोकथाम एवं उपचार के लिए विभिन्न स्टेकहोल्डर विभागों के बीच बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से बुधवार को सचिवालय स्थित मंथन कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंपी रोग की वर्तमान स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों में की जा रही कार्यवाही, टीकाकरण, उपचार, रोग की निगरानी तथा संक्रमण की रोकथाम के लिए विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में पशुपालन विभाग सहित संबंधित स्टेकहोल्डर विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी दी। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ सुरेश चंद मीना ने कहा कि विभाग द्वारा लंपी रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए फील्ड स्तर पर सतत निगरानी, पशुओं का उपचार, टीकाकरण तथा पशुपालकों को आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में पशुओं के आवागमन को रोकने के लिए चेक पोस्ट की स्थापना और स्थानीय हाट मेलों में पशुओं की उपस्थिति पर प्रतिबंध, मृत पशुओं का सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण, शेड, पानी और चारे की व्यवस्था, वेक्टर कंट्रोल हेतु फॉगिंग की व्यवस्था तथा प्रचार प्रसार आदि के लिए विभिन्न विभागों से सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि अंतर-विभागीय समन्वय को और मजबूत कर रोग की सूचना से लेकर उपचार एवं नियंत्रण तक की पूरी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभी गौवंशों की मृत्यु दर बहुत कम है और रिकवरी दर अच्छी है। हमें अपने प्रयासों से इसे अन्य जिलों में फैलने से रोकना है। बैठक में लंपी रोग के नियंत्रण और रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों के दायित्वों के संबंध में भी विस्तृत चर्चा हुई जिसमें निर्धारित किया गया कि प्रभावित क्षेत्रों में निराश्रित गौवंश के लिए आइसोलेशन केंद्र की स्थापना और संचालन, शेड, पानी, चारा तथा सफाई, वेक्टर कंट्रोल के लिए फॉगिंग, मृत पशुओं के शवों का सुरक्षित और वैज्ञानिक निस्तारण आदि कार्य पंचायतीराज विभाग तथा स्थानीय निकाय के हैं जबकि पशुओं के अंतर्राज्यीय और अंतर जिला आवागमन पर नियंत्रण, पशुपालन विभाग के साथ आवागमन के रास्तों पर चेक पोस्टों की स्थापना, पशु परिवहन की निगरानी तथा मानव संसाधनों की उपलब्धता, जिले में पशु हाट तथा पशु मेलों के आयोजन पर रोक, प्रशासन द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करना आदि गृह विभाग के दायित्व हैं। बैठक में बताया गया कि गोपालन विभाग तथा आरसीडीएफ का दायित्व गौशालाओं में संधारित गौवंशीय पशुओं में रोग के नियंत्रण के लिए जैव सुरक्षा उपायों की पालना सुनिश्चित कराना, गौशालाओं तथा सहकारी समितियों में रोग के नियंत्रण तथा रोकथाम के लिए आवश्यक प्रचार प्रसार और जनजागरूकता फैलाना, रोग नियंत्रण तथा रोकथाम के लिए पशुपालन विभाग, गौशाला प्रबंधन एवं अन्य हितधारकों के साथ समन्वय, आइसोलेशन सेंटर की व्यवस्था आदि का निर्वहन करना है।

भजनलाल सरकार का अन्नदाताओं को बड़ा तोहफा: अटल भूजल योजना की तीन साल से लंबित 158 करोड़ की सब्सिडी का होगा भुगतान

SDMF से 90 करोड़ का जिलावार बजट जारी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के किसानों को राहत देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'अटल भूजल योजना' के तहत पिछले तीन वर्षों से अटकी 158 करोड़ रुपये की सब्सिडी राशि के भुगतान को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार द्वारा योजना की समयावधि समाप्त होने के बाद अनुदान देने में असमर्थता जताए जाने पर राज्य सरकार ने यह वित्तीय भार अपने कंधों पर लेते हुए 'राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि' (स्ठ्ठस्रद्व) से भुगतान करने का निर्णय लिया है। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि किसानों को उनका हक समय पर मिले, यही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।15 अक्टूबर 2025 के बाद केंद्र से रुका था भुगतान भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 1 अप्रैल 2020 से राज्य के 17 जिलों में अटल भूजल योजना संचालित की जा रही थी। इसके तहत किसानों ने फार्म पॉन्ड, सिंचाई पाइपलाइन, डिग्गी, कृषि यंत्र, फसल बदलाव मिनीकिट, फव्वारा, मिनी स्प्रिंकलर और ड्रिप संयंत्र लगाए थे। केंद्र सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2025 के बाद योजना आगे न बढ़ाए जाने के कारण किसानों का 158 करोड़ रुपये का अनुदान अटक गया था, जिसमें कृषि विभाग की 90.91 करोड़ रुपये और उद्यानिकी विभाग की 66.16 करोड़ रुपये की देनदारियां शामिल थीं। मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री और मुख्य सचिव के स्तर पर केंद्र से पत्राचार के बावजूद जब बात नहीं बनी, तो राज्य सरकार ने किसानों के व्यापक हित में स्वयं के बजट से भुगतान का रास्ता निकाला।कृषि विभाग के लिए ?90 करोड़ का आवंटन आदेश जारी वित्त विभाग की औपचारिक स्वीकृति के बाद कृषि आयुक्त नरेश गोयल ने संबंधित जिला परिषदों और जिला कृषि अधिकारियों को 90 करोड़ रुपये के बजट आवंटन का आदेश जारी कर दिया है।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तत्काल सत्यापन कार्य पूरा कर पात्र किसानों के बैंक खातों में सब्सिडी की राशि अंतरित करें। वहीं, उद्यानिकी विभाग की देनदारियों के निस्तारण के लिए भी अलग से शीघ्र कार्रवाई की जा रही है।जिलेवार बजट आवंटन का विवरण कृषि विभाग द्वारा 17 जिलों के लिए जारी कुल 9,000 लाख रुपये (90 करोड़ रुपये) के बजट में सबसे बड़ा हिस्सा नहरी और रेगिस्तानी जिलों को मिला है। इसमें सर्वाधिक 3,789.46 लाख रुपये हनुमानगढ़ जिले को और 3,361.70 लाख रुपये जैसलमेर जिले के लिए आवंटित किए गए हैं।इसके अलावा जयपुर को 925.98 लाख रुपये, दौसा को 217.52 लाख रुपये, सवाई माधोपुर को 158.49 लाख रुपये, अजमेर को 98.61 लाख रुपये, सीकर को 82.00 लाख रुपये, बारां को 79.04 लाख रुपये और चित्तौड़गढ़ को 65.00 लाख रुपये जारी किए गए हैं।वहीं कोटा को 63.61 लाख रुपये, झुंझुनूं को 59.07 लाख रुपये, करौली को 22.94 लाख रुपये, राजसमंद को 20.72 लाख रुपये, अलवर को 20.17 लाख रुपये, झालावाड़ को 17.34 लाख रुपये, धौलपुर को 10.08 लाख रुपये तथा भीलवाड़ा को 8.28 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है। इस फैसले से प्रदेश के 17 जिलों के हजारों किसानों को वर्षों से अटके अनुदान का सीधा लाभ मिलेगा।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर सीएम भजनलाल शर्मा ने दी बधाई

बोले- देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा

जयपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की 8 करोड़ जनता की ओर से देश के 140 करोड़ लोगों के प्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने प्रधानमंत्री को राष्ट्र सेवा, सुशासन और जन-कल्याण के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बताते हुए उन्हें हर व्यक्ति का मार्गदर्शक कहा। सीएम शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशल अगुवाई में देश विकास, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए शुभकामनाओं का दीप जलाते हुए उनके उज्ज्वल और स्वस्थ जीवन की कामना करनी चाहिए।

बगरू रीको एरिया में रोहित पॉली प्रोडक्ट्स फैक्ट्री में भीषण आग

आसमान में छाया काला धुआं, कई दमकलें मौके पर, इलाके में मची अफरा-तफरी

जयपुर (बगरू)। राजधानी जयपुर के निकट बगरू रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में बुधवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें और काले धुएं का विशाल गुबार कई किलोमीटर दूर से ही आसमान में उठता नजर आया, जिससे पूरे औद्योगिक क्षेत्र और आसपास के रिहायशी इलाकों में हड़कंप मच गया। रोहित पॉली प्रोडक्ट्स फैक्ट्री की घटना यह भीषण हादसा 'रोहित पॉली प्रोडक्ट्स' नामक फैक्ट्री में पेश आया। प्लास्टिक और पॉलीमर उत्पादों की मौजूदगी के चलते आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। कारखाने से घना धुआं और लपटें उठती देख आसपास काम कर रहे श्रमिक और स्थानीय लोग दहशत में बाहर निकल आए।

मौके पर पहुंचीं दमकल की गाड़ियां, बुझाने के प्रयास जारी

राहत व बचाव कार्यः घटना की सूचना मिलते ही बगरू नगर पालिका और रीको दमकल केंद्र से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आसपास के अन्य दमकल केंद्रों से भी अतिरिक्त गाड़ियां बुलाई गईं।

पुलिस और प्रशासन मुस्तैदः स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और सुरक्षा के लिहाज से आसपास के क्षेत्र को खाली करवा दिया गया है।

जयपुर के सबसे बड़े कपड़ा बाजार पुरोहित जी का कटला में सुबह-सुबह लगी भीषण आग : 2 दुकानों में लाखों का माल खाक

जयपुर, एजेंसी। परकोटा क्षेत्र में बड़ी चौपड़ स्थित राजस्थान के सबसे बड़े थोक कपड़ा बाजार 'पुरोहित जी का कटला' में तड़के भीषण आग लगने से व्यापारियों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। आग पहली मंजिल पर स्थित दो कपड़ा दुकानों में लगी, जिससे त्योहारों के मद्देनजर भरा लाखों रुपये का माल जलकर राख हो गया। माणक चौक थाना पुलिस और दमकल कर्मियों ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग से करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। सुबह 6 बजे हुआ हादसा, पास ही थी पुलिस

त्वरित सूचनाः सुबह करीब 6 बजे कटले से धुआं निकलता देख वहां से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

दरवाजा खुलवाकर शुरू हुआ राहत कार्यः नजदीक होने के कारण माणक चौक थाना पुलिस चंद मिनटों में मौके पर पहुंची और कटले का मुख्य दरवाजा खुलवाकर स्थिति का जायजा लिया। इसके तुरंत बाद दमकल विभाग को अलर्ट किया गया। अतिक्रमण और संकरे रास्तों ने बढ़ाई मुश्किल, बड़ी दमकलें फंसीं

पुरोहित जी के कटले में आग बुझाने के दौरान दमकल विभाग को भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ाः

संकरे रास्ते और 7 फीट तक अतिक्रमणः कटले में प्रवेश के तीन से चार रास्ते हैं, जो पहले से ही बेहद संकरे हैं। इसके ऊपर दुकानों के बाहर 5 से 7 फीट तक किए गए अतिक्रमण के कारण दमकल की बड़ी गाड़ियां भीतर दाखिल नहीं हो सकीं। पाइप खींचकर पाया काबूः बाद में छोटी दमकलों को बुलाया गया और लंबी पाइपलाइनों को पहली मंजिल तक खींचकर पानी की बौछारें की गईं।

जाम और अफरा-तफरीः आग की खबर फैलते ही व्यापारियों और लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे बचाव कार्य के बाद दमकल गाड़ियों को संकरी गलियों से बाहर निकालने में भी काफी समय लगा।

अनीता एंटरप्राइजेज में भारी नुकसान, दिवाली का स्टॉक भरा था

व्यापार मंडल के अध्यक्ष कमल किशोर पितलिया के अनुसार, आग शीतल दास की फर्म 'अनीता एंटरप्राइजेज' सहित दो दुकानों में लगी।

19 सितम्बर से मानसून की विदाई, प्रदेश में अब तक सामान्य से 20 फीसदी कम बारिश

जयपुर, एजेंसी। प्रदेश में इस सीजन सुस्त रहा मानसून बारिश का तरसा गया। राजधानी जयपुर सहित अधिकांश जिले मानसून की अच्छी बारिश का इंतजार ही करते रह गए। वहीं अब मानसून की विदाई भी नजदीक आ गई है। मौसम विभाग की मानें तो 19 सितम्बर को प्रदेश के पश्चिमी इलाकों से मानसून की विदाई शुरू हो जाएगी। वहीं अगले 10 दिनों में पूरे प्रदेश से मानसून अधिकृत रूप से विदा हो जाएगा। मानसून की सुस्त चाल के कारण इस बार प्रदेश में सामान्य से करीब 20 फीसदी कम बारिश हुई। प्रदेश में सामान्यतया मानसून सीजन यानी एक जून से 30 सितम्बर तक औसतन 435.6 एमएम बारिश होती

है, लेकिन इस बार 326.71 एमएम के लगभग बारिश अब प्रदेश में हुई है। ऐसे में आमजन के साथ ही किसानों में भी निराशा ही रही है।

इधर उदयपुर में हुई साढ़े तीन इंच से ज्यादा बारिश :

प्रदेश में जाते जाते मानसून कुछ जिलों में बरस रहा है। बीते 24 घंटों में उदयपुर, कोटा, जोधपुर, अजमेर संभाग में हल्की मध्यम बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक बारिश कोटड़ा उदयपुर में 88 एमएम दर्ज की गई। पाली, परबतसर सहित कुछ जिलों में बारिश हुई। राजधानी जयपुर सहित अधिकांश जिलों में आंशिक रूप से बादल छाए पर बारिश नहीं हुई। हालांकि सुबह शाम यहां ठंडक का अहसास होने लगा है। जयपुर में अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सर्वाधिक तापमान फलौदी में 39.6 डिग्री दर्ज किया गया।

अब आगे क्या ?

मौसम विभाग केन्द्र जयपुर से मिली जानकारी के अनुसार, 16-17 सितंबर को बीकानेर संभाग के गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरु जिलों व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में बारिश होने की संभावना है। जयपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर संभाग कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश की गतिविधियां आगामी 3-4 दिन जारी रह सकती है।

किसानों को उनका हक समय पर मिले यही हमारी प्राथमिकता : डॉ. किरोड़ी लाल

जयपुर, एजेंसी। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा संचालित 'अटल भूजल योजना' का क्रियान्वयन राज्य के 17 जिलों में 01 अप्रैल 2020 से किया जा रहा था। योजनान्तर्गत फार्म पौंड, सिंचाई पाइपलाइन, डिग्गी, कृषि यंत्र एवं फसल बदलाव मिनिकिट, फव्वारा, मिनी स्प्रिंकलर, ड्रिप आदि बनाये गये थे। भारत सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2025 के बाद योजना का क्रियान्वयन नही होने के कारण राज्य के किसानों की 158 करोड़ रुपये की सब्सिडी राशि का भुगतान शेष रह गया था जिसमें से कृषि विभाग की 90.91 करोड़ रुपये तथा उद्यानिकी विभाग 66.16 करोड़ रुपये की राशि शेष रह गयी। राज्य सरकार के निरंतर प्रयास- राजस्थान सरकार ने केंद्र सरकार से इन लंबित दायित्वों के भुगतान हेतु कई बार गंभीर प्रयास किए। इस संबंध में मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, माननीय कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री, राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष, मुख्य सचिव द्वारा जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार से पत्राचार एवं प्रयास किए गए।

परंतु राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति योजना देरी से जारी करने एवं केंद्र सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2025 के बाद योजना का कियान्वयन नही किये जाने के कारण अनुदान का भुगतान करने में असमर्थता जताई, ऐसे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा उदारता एवं किसानों के प्रति गहरी संवेदनशीलता दिखाते हुए इन देनदारियों का भुगतान राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (स्ठ्ठस्रद्व) से करने का निर्णय लिया।

रवि जैन ने स्वच्छता ही सेवा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, 'स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत' होगी थीम

जयपुर, एजेंसी। स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार के सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा 2026 की तैयारियों की समीक्षा एवं क्रियान्वयन के मार्गदर्शन हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान के सभी नगरीय निकायों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान सभी नगरीय निकायों को अभियान के दौरान समुचित नियोजन, प्रभावी क्रियान्वयन एवं सक्रिय जन-भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया, जिसमें नागरिकों, संस्थाओं, स्कूलों, युवाओं, सफाईमित्रों, RW, सामुदायिक संगठनों एवं अन्य हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान का आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक निम्न थीम के साथ किया जाएगाः

'स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत '

यह अभियान 'Whole of Government और Whole of Society दृष्टिकोण के साथ संचालित किया जाएगा, जिसमें स्वच्छता को साझा जिम्मेदारी बनाने और शहरी राजस्थान में दृश्यमान एवं सतत स्वच्छता परिणाम सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा।

स्ाास् 2026 के 5 प्रमुख स्तंभ सचिव महोदय द्वारा सभी नगरीय निकायों को अभियान के 5 प्रमुख स्तंभों के अंतर्गत गतिविधियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने हेतु मार्गदर्शन दिया गयाः

1. CTUs का रूपांतरण एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता - CTUs/GVPs का समयबद्ध चिन्हीकरण, सफाई, रूपांतरण एवं

सौंदर्यीकरण, साथ ही सार्वजनिक स्थलों, बाजारों और High Footfall क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान।

2. स्वच्छ पाठशाला - स्वच्छता के लिए युवा - स्कूलों, कॉलेजों, युवाओं, ईको-क्लबों एवं स्वयंसेवकों को जागरूकता गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, स्वच्छता ज्ञान यात्रा, Waste-to-Art और Reduce, Reuse, Recycle (RRR) के प्रचार के माध्यम से जोड़ना।

3. सफाईमित्र सुरक्षा सेवा एवं सम्मान शिविर - सफाईमित्रों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, कल्याण एवं सम्मान पर केंद्रित गतिविधियां, जिनमें हेल्थ चेक-अप, कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ाव, सुरक्षा उपकरण एवं स्वच्छता कर्मियों का सम्मान शामिल है।

4. स्वच्छता के लिए जन-भागीदारी - नागरिकों, , संस्थाओं, सामुदायिक संगठनों एवं अन्य हितधारकों को चार-तरफा स्रोत पृथक्करण, होम कम्पोस्टिंग, प्लास्टिक में कमी, ञ्क्रक्र एवं स्वच्छता गतिविधियों के लिए संगठित करना।

5. स्वच्छता से समृद्धि - कचरे से जुगाड़, कबाड़ से कला, रीसाइक्लिंग एवं पुनः उपयोग अभियान और Recycler Connect जैसी पहलों के माध्यम से Reduce, Reuse, Recycle को बढ़ावा देना।

नगरीय निकायों के साथ दिन-वार गतिविधि कैलेंडर साझा किया गया सभी नगरीय निकायों के साथ व्यवस्थित क्रियान्वयन हेतु स्ाास् 2026 का दिन-वार गतिविधि कैलेंडर भी साझा किया गया। नगरीय निकायों को निर्धारित थीम आधारित गतिविधियों को सक्रिय हितधारक भागीदारी, उचित दस्तावेजीकरण एवं दृश्यता के साथ संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया।

कैलेंडर में घर-घर स्वच्छता, ष्टञ्ज/त्वञ्जक्क रूपांतरण, स्वच्छ पाठशाला, सार्वजनिक स्थलों एवं बाजारों की स्वच्छता, जन-भागीदारी अभियान, क्लीन-ग्रीन त्योहार, पर्यटन स्थल, सफाईमित्र कल्याण, श्रमदान एवं स्वच्छ भारत दिवस सहित जल निकायों की स्वच्छता, संस्थागत एवं कार्यालय परिसरों, रेलवे सुविधाओं, स्रोत पृथक्करण, होम कम्पोस्टिंग एवं सतत अपशिष्ट प्रबंधन पर केंद्रित गतिविधियां शामिल हैं।

सचिव महोदय द्वारा सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया गया यह सुनिश्चित करें कि स्ाास् गतिविधियों का जमीनी स्तर पर प्रभावी नियोजन एवं क्रियान्वयन हो, अधिकतम जन-भागीदारी, सभी हितधारक समूहों की सक्रिय भागीदारी और दृश्यमान स्वच्छता परिणाम प्राप्त हों।

बैठक का समापन स्वच्छता ही सेवा 2026 को जन-केंद्रित अभियान बनाने के सामूहिक आह्वान के साथ हुआ, जिसमें प्रत्येक नागरिक एवं हितधारक को स्वच्छ, स्वस्थ एवं अधिक सुंदर राजस्थान के लिए योगदान देने हेतु प्रेरित किया गया।

हाइपोथायरायडिज्म में भी घट सकता है वजन, फॉलो करें ये टिप्स

थायरॉइड की समस्या से जूझ रही महिलाओं के लिए वजन कम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। हाइपोथायरॉइडिज्म होने पर मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है। लेकिन घबराइए नहीं, क्योंकि सही डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव से थायरॉइड के बावजूद वजन कम किया जा सकता है। हम आपको थायरॉइड में वजन घटाने के 5 वैज्ञानिक तरीके बताएंगे जो वाकई में काम करते हैं। ये कोई क्रैश डाइट या मुश्किल एक्सरसाइज रूटीन नहीं, बल्कि छोटे-छोटे बदलाव हैं जिन्हें आप आसानी से अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। इनमें से कुछ टिप्स तो आपकी रसोई में पहले से मौजूद चीजों से जुड़े हैं! सबसे अच्छी बात यह है कि ये तरीके न सिर्फ वजन घटाने में मदद करेंगे, बल्कि आपके थायरॉइड लेवल को भी संतुलित रखेंगे। तो आइए जानते हैं वो 5 गोल्डन टिप्स जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना देंगे।

ये चीजें जरूर खाएं

थायरॉइड में वजन घटाने के लिए सबसे पहले डाइट पर ध्यान देना जरूरी है। सेलेनियम और जिंक से भरपूर चीजें जैसे ब्राजील नट्स, अंडे और दालें थायरॉइड फंक्शन को इम्प्रूव करती हैं। नारियल तेल का इस्तेमाल करें क्योंकि इसमें मौजूद MCT फैट मेटाबॉलिज्म को 12% तक बढ़ा सकता है।

ग्लूटेन फ्री डाइट क्यों है जरूरी?

रिसर्च बताती है कि थायरॉइड पेशेंट्स को ग्लूटेन से परहेज करना चाहिए। गेहूं, जौ और राई की जगह बाजरा, कुट्टू और अमरन्थ का आटा इस्तेमाल करें। ये न सिर्फ वजन कम करने में मदद करेंगे बल्कि थायरॉइड एंटीबॉडीज को भी कम करेंगे।

ये 3 वर्कआउट देंगे बेस्ट रिजल्ट

थायरॉइड में हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग (HIIT) और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सबसे अच्छे विकल्प हैं। हफ्ते में 3 बार 30 मिनट की वॉक जरूर करें। योगासनों में सर्वांगासन और मत्स्यासन थायरॉइड ग्लैंड को एक्टिवेट करते हैं।

स्ट्रेस मैनेजमेंट वजन घटाने की कुंजी

तनाव थायरॉइड हार्मोन को और असंतुलित कर देता है। रोज 10 मिनट की डीप ब्रीदिंग और मेडिटेशन करें। अश्वगंधा और ब्राह्मी जैसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल को कम करने में मदद करती हैं।

नींद है सबसे जरूरी

रात की खराब नींद थायरॉइड पेशेंट्स के वजन को बढ़ा देती है। हर रात 7-8 घंटे की नींद जरूर लें। सोने से 1 घंटे पहले मोबाइल का इस्तेमाल बंद कर दें और गर्म दूध में दालचीनी मिलाकर पिएं। थायरॉइड की दवा खाली पेट लेनी चाहिए और उसके 1 घंटे बाद तक कुछ न खाएं।

शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है हीमोग्लोबिन

शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है, इसकी कमी शरीर को तोड़कर रख सकती है, इसकी कमी पूरी करने के लिए आपको आयरन वाली चीजें खानी चाहिए।

अगर आपको हमेशा थकान, कमजोरी या सिरदर्द जैसी समस्या रहती है, तो इसका मतलब है कि आपके खून में हीमोग्लोबिन की कमी हो गई है। हीमोग्लोबिन क्या है? यह एक प्रोटीन है जो रेड ब्लड सेल्स में पाया जाता है। ब्लड सेल्स का काम शरीर के चारों ओर ऑक्सीजन ले जाने का काम करती हैं। हीमोग्लोबिन का लेवल कम होने से शरीर का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इसका लेवल कम होना संकेत है कि आप खून की कमी से जूझ रहे हैं या लिवर या किडनी की किसी बीमारी से पीड़ित हैं। हीमोग्लोबिन की कमी से होने से आपको थकान-कमजोरी, पीलिया या लगातार सिरदर्द होना जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

हीमोग्लोबिन कैसे बढ़ाएं?

हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ाने के लिए आपको आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। आयरन हीमोग्लोबिन के उत्पादन बढ़ाने के अलावा रेड ब्लड सेल्स को बनाने में भी मदद करता है। हीमोग्लोबिन की नॉर्मल रेंज पुरुषों के लिए 13.2 से 16.6 ग्राम प्रति डेसीलीटर है जबकि महिलाओं के लिए 11.6 से 15 ग्राम प्रति डेसीलीटर है।

हीमोग्लोबिन कम होने के कारण और लक्षण

हीमोग्लोबिन कम होने के कई कारण हो सकते हैं जिनमें मुख्यत: खाने में आयरन और विटामिन बी-12 की कमी, खून का कैंसर, किडनी या लिवर की बीमारी, थाइरोइड, थैलासीमिया और फेफड़ों से जुड़ी कोई बीमारी आदि शामिल हैं। ऐसा होने पर आपको नीचे बताए लक्षण महसूस हो सकते हैं-

- दिल की धड़कन बढ़ना
- त्वचा का पीला होना और मसूड़ों में खून आना
- हमेशा थकान और कमजोरी महसूस होना
- मांसपेशियों में कमजोरी
- हमेशा थकान के साथ सिरदर्द रहना
- सांस में कमी

विटामिन-सी से भरपूर खाद्य पदार्थ

एक अध्ययन के अनुसार शरीर आयरन को पूरी तरह से अवशोषित नहीं कर पाता है यही वजह है कि इसे अवशोषित करने के लिए आपको विटामिन सी की जरूरत होती है। आपको अपने खाने में संतरे, नींबू, शिमला मिर्च, टमाटर, अंगूर, जामुन आदि विटामिन-सी से भरपूर चीजों को शामिल करना चाहिए।

चुकंदर

चुकंदर आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, फॉस्फोरस और विटामिन बी1, बी2, बी6, बी12 और सी से भरपूर होता है। यह चमत्कारिक सब्जी हीमोग्लोबिन काउंट बढ़ाने और रेड ब्लड सेल्स को बनाने का काम करती है। इसका आप सब्जी, सलाद या जूस के रूप में सेवन कर सकते हैं।

सहजन

एक स्टडी के मुताबिक सहजन की पत्तियां जिंक, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम, विटामिन ए, बी और सी जैसे मिनरल्स से भरी होती हैं। यह सभी तत्व आयरन, हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स के लिए जरूरी हैं। ऐसा माना जाता है कि इन पत्तियों को गुड़ के साथ लेने से आपको ज्यादा फायदा मिल सकता है। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह पर इसका रस पी सकते हैं या इसकी फली की सब्जी बना सकते हैं।

हरे पत्ते वाली सब्जियां

हरी सब्जियां जैसे पालक, सरसों का साग, अजवाइन और ब्रोकली आयरन का बढ़िया स्रोत हैं। पालक को पकाकर खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि कच्ची पत्तियों में ऑक्सालिक एसिड होता है जो शरीर में आयरन के अवशोषण को रोक सकता है। इनमें मौजूद विटामिन बी 12, फोलिक एसिड और अन्य पोषक हीमोग्लोबिन बढ़ाने का काम करते हैं।

खजूर और कद्दू के बीज

खजूर आयरन का बढ़िया स्रोत है, जो खून में हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाता है। हालांकि डायबिटीज के रोगियों को ज्यादा खजूर खाने से बचना चाहिए। इधर कद्दू के बीज भी कैल्शियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज और आयरन का बेहतर स्रोत हैं।

ब्रोकोली

गोभी परिवार की यह सब्जी आयरन और बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन फोलिक एसिड का बढ़िया स्रोत है और इसमें मैग्नीशियम, विटामिन ए और सी जैसे अन्य जरूरी पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। आयरन और हीमोग्लोबिन काउंट बढ़ाने के लिए आप इसे उबालकर या सलाद के रूप में या सब्जी बनाकर खा सकते हैं।

अनार

अनार प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर के साथ-साथ कैल्शियम और आयरन दोनों का एक शानदार स्रोत है। हीमोग्लोबिन बढ़ाने के अलावा इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व सेहत को दुरुस्त बनाए रखते हैं। आयरन और हीमोग्लोबिन लेवल बढ़ाने लिए रोजाना अनार का जूस पिएं।

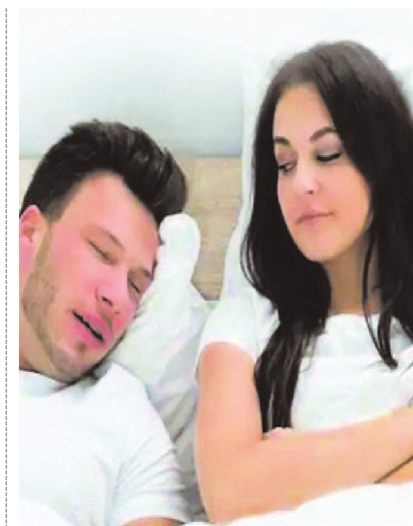

खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है ये उपकरण

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चुंबकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है। इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा। यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

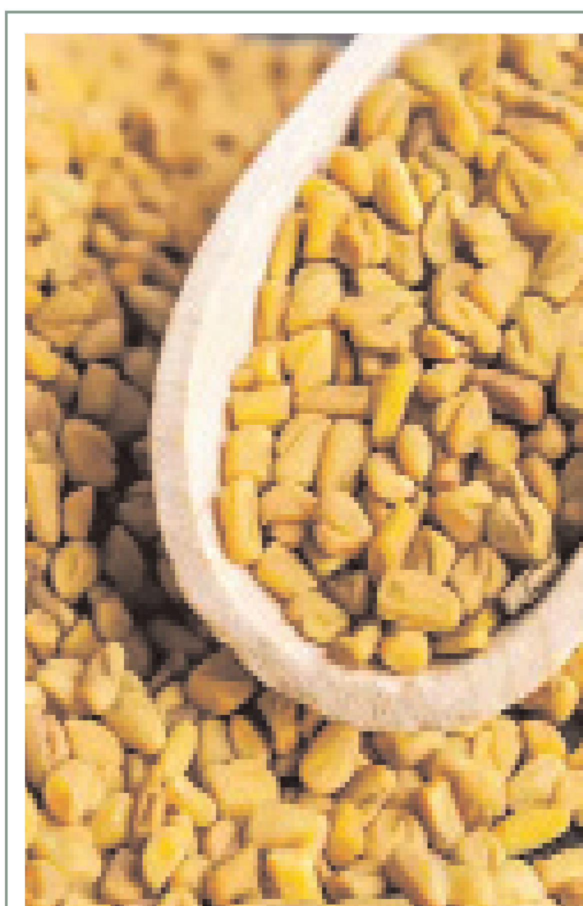

दिल की बीमारियों को भी दूर रखने में मदद करता है मैथीदाने का नियमित सेवन

मैथीदाने का प्रयोग आप खाने के स्वाद को बढ़ाने में करते हैं, लेकिन इसके सेहत और सौंदर्य लाभ आपको हैरत में डाल देंगे। आइए जानते हैं इनके अनमोल गुण।

- मैथीदाने का चूर्ण प्रतिदिन खाने से आपका वजन नियंत्रित रहता है और वसा की मात्रा धीरे-धीरे कम हो जाती है। इस तरह से आप अपना वजन भी कम कर सकते हैं।
- मैथीदाने का नियमित सेवन दिल की बीमारियों को भी दूर रखने में भी मदद करता है। यह दिल का दौरा पड़ने की आशंका को बेहद कम कर देता है और आप अपने हृदय को रख सकते हैं बिलकुल स्वस्थ।
- मधुमेह के मरीजों के लिए मैथीदाना बहुत फायदेमंद होता है। इसको रोज रात में भिगोकर रखने के बाद रोज सुबह चबाकर खाने से और इसके पानी के सेवन से लाभ मिलता है।
- बालों की खूबसूरती के लिए भी मैथीदाना फायदेमंद है। इसका पेस्ट बनाकर बालों में लगाने से बालों से रूखापन गायब होता है, साथ ही बाल मजबूत बनते हैं।
- चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में भी यह मैथीदाना कुछ कम गुणवान नहीं है। इसे पीसकर चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक के साथ कसाव आता है। इसके अलावा रूखी त्वचा वालों के लिए यह बहुत लाभप्रद है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करता है।

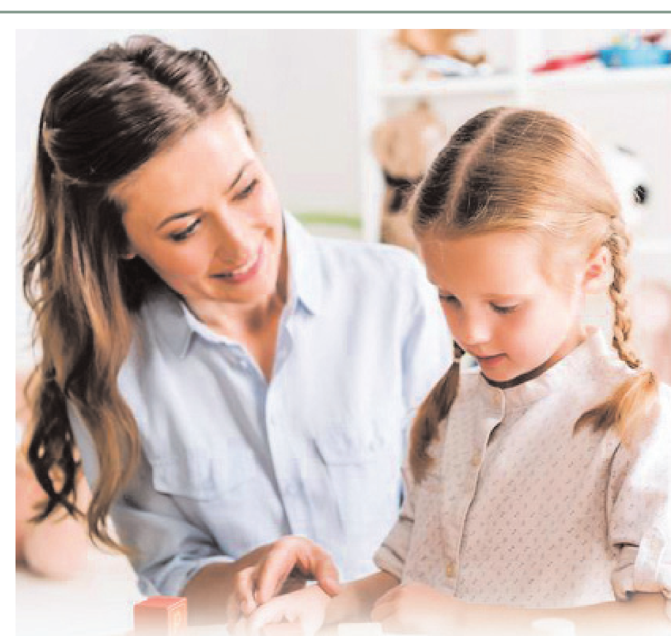

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

80 और 90 के दशक का वो इंडियन ब्रांड जिसके बिना बच्चों की बर्थडे पार्टी थी अधूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। 80 और 90 के दशक में पली-

बढ़ी पीढ़ी के लिए गर्मियों की छुट्टियों का मतलब सिर्फ खेल-कूद नहीं, बल्कि फ्रिज में रखी रसना की वह ठंडी बोतल भी थी। स्कूल से लौटने के बाद, दोस्तों की बर्थडे पार्टी में या गर्मियों में घर आए मेहमानों के स्वागत के लिए, रसना हर भारतीय घर की पहली पसंद हुआ करता था। महज 2 रुपये से 5 रुपये के छोटे से पाउच से 32 गिलास शरबत तैयार कर लेना किसी जादू से कम नहीं था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पूरे देश के दिलों पर राज करने वाले इस आइकॉनिक भारतीय ब्रांड की शुरुआत कैसे हुई रसना की शुरुआत गुजरात के अहमदाबाद शहर से हुई थी। फिरोज खंबाटा 'जाफे प्रोडक्ट्स' नाम से एक छोटी पेय पदार्थ कंपनी चलाते थे। यह फल आधारित फ्लेवर कंसंट्रेट बनाती थी। 1970 के दशक में उनके बेटे अरीज पिरोजशॉ खंबाटा ने इस व्यवसाय की कमान संभाली। उन्होंने महसूस किया कि उस समय थम्स अप और लिम्का जैसे गैस वाले सॉफ्ट ड्रिंक्स काफी महंगे थे, जिन्हें आम मिडिल क्लास परिवार परिवार रोज नहीं खरीद सकते थे। 1976-1979 में 'जाफे' नाम बदलकर 'रसना' रखा गया। साल 1983 में रसना को बड़े पैमाने पर री-लॉन्च किया गया।

अनोखे आइडिया ने बदला बाजार

रसना की असली सफलता उसके अनोखे फॉर्मेट और किफायती दाम में छिपी थी। रसना के एक छोटे से पैकेट में तरल अर्क और पाउडर का मिश्रण होता था। लोग इसमें घर की चीनी और पानी मिलाकर 1 लीटर से ज्यादा (लगभग 32 गिलास) गाढ़ा शरबत तैयार कर सकते थे। चूंकि चीनी और पानी ग्राहक खुद मिलाते थे, इसलिए कंपनी की पैकिंग और ट्रांसपोर्टेशन लागत में 60 प्रतिशत तक की भारी बचत होती थी। यही वजह थी कि 2 रुपये से 5 रुपये का एक पैकेट पूरे परिवार या पार्टी के लिए काफी हो जाता था। 80 के दशक में जब दूरदर्शन का दौर शुरू हुआ, तब ज्यादातर विज्ञापन बड़ी उम्र के लोगों को ध्यान में रखकर बनाए जाते थे। रसना ने यहां एक मास्टरस्ट्रोक खेला। कंपनी ने एक प्यारी सी छोटी बच्ची (रसना गर्ल) को लेकर विज्ञापन बनाया, जो मासूमियत से कहती थी-आई लव यू रसना। यह सिर्फ एक विज्ञापन नहीं रहा, बल्कि हर भारतीय बच्चे की जुबान पर चढ़ गया। रसना ने बच्चों के जरिए सीधे उनके माता-पिता के दिलों में जगह बनाई। यह विज्ञापन प्यार, परिवार और मेहमाननवाजी का प्रतीक बन गया। शुरुआत में सिर्फ ऑरेंज फ्लेवर से प्रसिद्ध हुई रसना ने भारतीय स्वाद को समझा। कंपनी ने ऐसे पारंपरिक और अनोखे फ्लेवर पेश किए जो विदेशी कंपनियों के पास नहीं थे। इन फ्लेवर में केसर, इलायची, खस और जलजीरा प्रमुख थे। 2000 के दशक में कंपनी ने मैंगो, लिची, अमरूद, तरबूज और अनानास जैसे फ्लेवर भी लॉन्च किए। 90 के दशक तक, रसना भारत के सॉफ्ट ड्रिंक कंसंट्रेट मार्केट की नंबर-1 कंपनी बन चुकी थी। एक समय ऐसा था जब इस सेगमेंट के 85 प्रतिशत से 90 प्रतिशत से अधिक बाजार पर अकेले रसना का कब्जा था। देश भर में 18 लाख से ज्यादा रिटेल दुकानों तक इसकी पहुंच हो चुकी थी।

रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा रसना

रसना सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं था। यह 80 और 90 के दशक की संस्कृति का अहम हिस्सा बन चुका था। मिडिल क्लास परिवारों में बच्चों के जन्मदिन की पार्टी बिना रसना के अधूरी मानी जाती थी। महंगी कोला की तुलना में रसना से सभी बच्चों को भरपेट ड्रिंक मिल जाता था। लंबी रेल यात्राओं में परिवार रसना की बनी-बनाई बोतलें साथ रखते थे। गर्मियों में घर आए मेहमानों को पानी के साथ रसना देना सम्मान और देखभाल की निशानी माना जाता था।

लंबी अवधि की एसआईपी की है तलाश तो 5 फंड कराएंगे मालामाल, 25 प्रतिशत का धांसू रिटर्न!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कई प्रकार की निवेश की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जहां लोग पैसा लगाकर अच्छी-खासी कमाई कर लेते हैं। इनमें से एक है म्यूचुअल फंड एसआईपी निवेश। मार्केट के जानकार इस प्रकार के निवेश को शेयर बाजार में सीधे निवेश से कम जोखिम वाला मानते हैं। किसी भी म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश का पैसा संबंधित फंड मैनेजर के द्वारा शेयर बाजार, बॉन्ड समेत अन्य जगहों पर लगाया जाता है। ऐसे में कई ऐसे निवेशक हैं, जिन्हें लंबी अवधि की एसआईपी वाले म्यूचुअल फंड की तलाश है। अगर आपको भी इसकी जरूरत है तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। हम यहां टॉप 5 एसआईपी के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने लंबी अवधि यानी कि 10 साल में 20 फीसदी से लेकर के 24.9 (लगभग 25 प्रतिशत) फीसदी तक का बंपर रिटर्न दिया है। आइए अब इनके बारे में जानते हैं।

एसआईपी का फुल फॉर्म सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान होता है। एसआईपी कम से कम कितने रुपये से शुरू की जा सकती है एसआईपी कम से कम 100 रुपये से शुरू की जा सकती है। क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर ने बीते 10 वर्षों में कितना रिटर्न दिया है क्वांट

क्वांट स्मॉल कैप ने 10 वर्षों में कितना रिटर्न दिया है

क्वांट स्मॉल कैप फंड की बात करें तो इसने अपने पात्र एसआईपी निवेशकों को बीते 10 वर्षों में 24.9 फीसदी यानी कि करीब 25 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसकी अभी (16 सितंबर तक) की नेट एसेट वैल्यू 314.1783 रुपये है। इसमें आप कम से कम 5 हजार रुपये का निवेश कर सकते हैं और एसआईपी की शुरुआत 1000 रुपये से कर सकते हैं।

ईएलएसएस टैक्स सेवर ने बीते 10 वर्षों में 20 फीसदी का रिटर्न दिया है। यूनियन स्मॉल कैप ने 10 साल में कितना रिटर्न दिया है यूनियन स्मॉल कैप ने 10 साल में 20.1 फीसदी का रिटर्न दिया है।

एसआईपी के लिए जरूरी दस्तावेजों के साथ पहले केवाईसी करें। उसके बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे ग्रो, क्वॉइन का उपयोग करने एसआईपी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप ने 10 साल में कितना रिटर्न दिया है

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप की बात करें तो इसने बीते 10 वर्षों में 21.4 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसकी अभी की 204.616 रुपये की है। इसमें आप कम से कम 5000 रुपये का निवेश कर सकते हैं। एसआईपी में निवेश के लिए कई बातों का ध्यान रखना होता है। इनमें सबसे पहली बात यह होती है कि आप सही फंड का चुनाव करें। अपने वित्तीय लक्ष्य को पहले से सेट रखें। आपको पहले से मालूम होना चाहिए कि आप कितने वर्षों के लिए निवेश कर रहे हैं और कितनी राशि का कर रहे हैं। किसी भी एसआईपी फंड को चुनने से पहले उसके रिटर्न, जोखिम और फंड के प्रदर्शन को मालूम कर लें। बाजार के उतार-चढ़ाव से डरे नहीं, बल्कि अपने निवेश को बनाए रखें। एसआईपी के लिए पेमेंट मोड का भी चुनाव कर लें। आप चाहें तो ऑटो-डेबिट सेट कर सकते हैं, ताकि समय के साथ आपकी एसआईपी जमा हो सके। समय के साथ स्टेप अप के ऑप्शन को भी चुन सकते हैं। इससे एक तय राशि तय समय पर आपकी एसआईपी में जुड़ती रहती है।

लिस्टिंग के दूसरे दिन भी धुआंधार तेजी, 850 रुपये के पार दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी कनोहर इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों में लिस्टिंग के दूसरे दिन भी तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर गुरुवार को में 14 पर्सेंट के उछाल के साथ 856.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। ग्रो म्यूचुअल फंड ने कनोहर इलेक्ट्रिकल्स पर बड़ा दांव लगाया है। ग्रो म्यूचुअल फंड ने बुधवार को कंपनी के 4,75,000 शेयर खरीदे हैं। कनोहर इलेक्ट्रिकल्स में इस म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी 0.6 पर्सेंट हो गई है। ग्रो म्यूचुअल फंड ने कंपनी के ये शेयर टोटल 35.2 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। फंड ने 740.38 रुपये प्रति शेयर के दाम पर कनोहर इलेक्ट्रिकल्स के शेयर खरीदे। कनोहर इलेक्ट्रिकल्स के शेयर बुधवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 8.47 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 685.50 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कनोहर इलेक्ट्रिकल्स के शेयर 6.34 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 672.05 रुपये पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयर क्रस्ध में कारोबार के आखिर में 751.30 रुपये पर बंद हुए। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 632 रुपये था। कनोहर इलेक्ट्रिकल्स के आईपीओ पर टोटल 90.59 गुना दांव लगा। आईपीओ में आम निवेशकों या रिटेल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 20.51 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स की कैटेगरी में 215.37 गुना सब्सक्रिप्शन मिला।

अमेरिका में एक फैसला और सोना-चांदी धड़ाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज भारी गिरावट आई है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने तीन साल के लंबे अंतराल के बाद ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर दी है। साथ ही आने वाले महीनों में उधार लेने की लागत और बढ़ने का संकेत दिया। इससे डॉलर मजबूत हुआ और बिना ब्याज या डिविडेंड देने वाली कीमती धातुओं (बुलियन) पर बुरा असर पड़ा। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की कीमत में करीब 2,000 रुपये की गिरावट आई जबकि चांदी 4,500 रुपये लुढ़क गई।

एमसीएक्स पर 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,52,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था जबकि आज यह 1,50,513 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह करीब 2,000 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,483 रुपये तक लुढ़का। सुबह 11 बजे यह 1653 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,817 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

दिल्ली में सोने की कीमत

राजधानी दिल्ली में सोने की कीमतों में बुधवार को तीन सत्रों की गिरावट के बाद सुधार आया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बाद कारोबारी धारणा में सुधार होने से कारोबारियों की सटोरिया लिवाली से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का दाम 1,200 रुपया बढ़कर 1.55 लाख रुपया प्रति 10 ग्राम हो गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार को 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी के दाम में भी दो लगातार सत्र तक स्थिर रहने के बाद उछाल आया। यह पिछले बंद स्तर 2,34,600 रुपये प्रति किलोग्राम के मुकाबले 7,000 रुपये बढ़कर 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पॉट गोल्ड 1.2 प्रतिशत गिरकर 4,240.1 प्रति औंस पर आ गया।

चांदी का हाल

इसी तरह 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,34,786 रुपये किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 2,32,301 रुपये पर खुली। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में यह 4,500 रुपये की गिरावट के साथ 2,30,221 तक फिसली। सुबह 11.15 बजे यह 2,586 रुपये की गिरावट के साथ 2,32,200 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। फिजिकल मार्केट में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 600 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,840 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 550 रुपये नीचे 1,40,100 रुपये पर आ गया।

आईफोन 18 का ऑर्डर पूरा करने के लिए दिनरात काम कर रहीं फैक्ट्रियां, चार्टर्ड फ्लाइट्स से अमेरिका जा रहे डिवाइस

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने हाल में लॉन्च किए थे। इनकी बिक्री शुक्रवार से शुरू होगी। इस बीच भारत में फैक्ट्रियां दिनरात काम कर रही हैं ताकि 18 सितंबर को जब इनकी बिक्री शुरू हो तो किसी तरह की कोई दिक्कत न आए। खासकर अमेरिका को ये डिवाइस चार्टर्ड फ्लाइट्स से भेजे जा रहे हैं। साथ ही कैपेसिटी बढ़ाने की भी तैयारी की जा रही है।

ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नए डिवाइस लेकर कई चार्टर्ड फ्लाइट्स भारत से रवाना हो चुकी हैं। ज्यादातर फ्लाइट्स चेन्नई से रवाना हुई हैं। साथ ही कंपनी नए मॉडल बनाने के लिए अतिरिक्त क्षमता भी तैयार कर रही है। अभी भारत में दो फैक्ट्रियों में बनाए जा रहे हैं। कैपेसिटी बढ़ाने की तैयारी

सूत्रों ने बताया कि ग्लोबल डिमांड के आधार पर कंपनी

असेंबली लाइन्स की संख्या बढ़ाकर लगभग एक दर्जन तक कर सकती है। एक सूत्र ने कहा ने ग्लोबल लॉन्च से पहले पिछले हफ्ते चार्टर फ्लाइट्स के जरिए बड़ी संख्या में भेजे थे। फ्लाइट्स की योजना बनाई जा सकती है, जो ज्यादातर अमेरिका जाएंगी।'

यह दूसरा मौका है जब बिक्री शुरू होने की तारीख पर ही 'मेड-इन-इंडिया' बेचेगा, लेकिन मॉडल के लिए पहली बार ऐसा हो रहा है। पिछले साल, भारत में बने 17 बिक्री के पहले दिन लॉन्च किए गए थे, और उसके बाद आए थे।

कब आएगा बेस मॉडल

जानकारों का कहना है कि भारत में मॉडल का निर्माण इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम अब मैच्योर हो चुका है। पहले, भारत में बने ग्लोबल मार्केट तक पहुंचने में कुछ दिनों से लेकर महीनों तक की देरी होती थी। सूत्रों के मुताबिक भारत में बिकने वाले सिर्फ 15 प्रतिशत ही रेंज के होते हैं, इसलिए भारत में इनके प्रोडक्शन का लगभग 80-90 प्रतिशत हिस्सा विदेशों में भेजा जाएगा। यह पहली बार है जब कोई कंज्यूमर या बेस वर्जन लॉन्च नहीं किया है। लेकिन इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि अगले साल की पहली तिमाही में 18 आ सकता है।

तुरंत मिल सकता है 50000 का लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के विभिन्न बैंक और वित्तीय संस्था के पास कई प्रकार की लोन सुविधाएं होती हैं। इनमें पर्सनल लोन से लेकर के एजुकेशन लोन, होम लोन से लेकर के वाहनों के लिए लोन तक, हर प्रकार के लोन शामिल हैं। इस दौरान लोन लेने वालों को वैसे लोन की जरूरत होती है, जिसपर कम से कम ब्याज ही नहीं लगे बल्कि जरूरत पड़ने पर जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी लोन का पैसा मिल जाए। इस बीच एक सवाल है कि अगर आपको तुरंत 50 हजार रुपये का लोन चाहिए तो कैसे मिलेगा। कौन से बैंक कितनी जल्दी लोन का पैसा आपके खाते में भेज देंगे, आइए इसके बारे में जानते हैं। इसके साथ ही जानेंगे कि इसके लिए पात्रता, श्स्ब्ल और किन दस्तावेजों की जरूरत होगी। आप अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए 50 हजार रुपये का पर्सनल लोन ले सकते हैं। इसके लिए देश के कई बैंक, वित्तीय संस्था और एनबीएफसी अपने ग्राहकों को सुविधा देते हैं। इस लोन को लेने के लिए इसपर सालाना ब्याज दर 9.99 फीसदी की दर से शुरू होती है। आप इस लोन के लिए संबंधित बैंक की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप या नजदीकी बैंक ब्रांच जाकर विजिट कर सकते हैं। देश में कई सारे बैंक और वित्तीय संस्था हैं, जो पात्र ग्राहकों को तुरंत 50 हजार रुपये के लोन देने की बात करते हैं। आमतौर पर देखें तो 50 हजार का लोन 24 से 48 घंटों में भी मिल सकता है। कई मामलों में एक हफ्ते तक का समय लग सकता है।

पीएफ पेंशन में हो सकती है 67 प्रतिशत की बढ़ोतरी, बीमा लिमिट 7 लाख से बढ़कर 10.50 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने ईपीएफ वेज सीलिंग की सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी है। इस फैसले से न सिर्फ आपकी सेविंग्स और पेंशन में इजाफा होगा, बल्कि कर्मचारियों को मिलने वाला

एम्प्लॉई डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस स्कीम कवर भी 7 लाख रुपये से बढ़कर 10.50 लाख रुपये या उससे अधिक हो सकता है। हालांकि, इसकी अंतिम पुष्टि सरकार की ओर से आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी होने के बाद ही होगी। मौजूदा वेतन सीमा के तहत ईपीएफ खाताधारकों को 7.50 लाख रुपये तक का लाइफ इंश्योरेंस कवर मिलता है। चूंकि इंश्योरेंस की रकम 15,000 रुपये की सैलरी लिमिट के हिसाब से तय होती है, इसलिए इस लिमिट को बढ़ाकर 25,000 रुपये करने से के तहत मिलने वाला इंश्योरेंस कवर काफी बढ़ सकता है। मौजूदा नियमों के मुताबिक, नौकरी के दौरान किसी इपीएफ मेंबर की मौत होने पर उसके नॉमिनी को कम से कम 2.5 लाख रुपये और ज्यादा से ज्यादा 7 लाख रुपये इंश्योरेंस के रूप में मिलते हैं।

कितनी बढ़ेगी लिमिट

अब वेज सीलिंग 25,000 रुपये हो गई है तो अधिकतम बीमा राशि बढ़कर 10.50 लाख रुपये या उससे भी ज्यादा हो सकती है। इंडिया में पीपल अडवाइजरी सर्विसेज-टैक्स के पार्टनर पुनीत गुप्ता ने श्वअ को बताया कि सैलरी लिमिट बढ़ने से कर्मचारियों की रिटायरमेंट सेविंग्स (बचत) और सोशल सिक्योरिटी (सामाजिक सुरक्षा) का दायरा बढ़ने की उम्मीद है। 2026 स्कीम के नोटिफिकेशन के मुताबिक कैलकुलेशन के लिए सीलिंग 1,75,000 रुपये है। सरकार वेज सीलिंग बढ़ाने के बाद इसमें बदलाव करती है, तो का फायदा 10.50 लाख रुपये से भी ज्यादा हो सकता है। हालांकि, ये केवल अनुमान हैं। बेनिफिट में असल बढ़ोतरी का पता तभी चलेगा जब सरकार नए वेज सीलिंग नियमों का नोटिफिकेशन जारी करेगी।

पेंशन में 67 प्रतिशत बढ़ोतरी

इस फैसले से दायरे में आने वाले कर्मचारियों की पेंशन में 67 प्रतिशत तक की बड़ी बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, कुछ शर्तें भी रखी गई हैं। नियम लागू होने के बाद कर्मचारियों को 25,000 रुपये की नई सैलरी सीमा के तहत कम से कम 5 साल की नौकरी पूरी करनी होगी। यानी अगर आप नई लिमिट लागू होने के बाद 5 साल पूरे किए बिना रिटायर होते हैं, तो आपकी पेंशन तय करने वाली सैलरी 25,000 रुपये नहीं, बल्कि उससे कम मानी जाएगी।

दोस्त ने छोड़ा साथ, फिर भी नहीं मानी हार, चांदी पर लगाया दांव और खड़ी कर दी 4900 करोड़ रुपये की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ज्वेलरी को सिर्फ निवेश के बजाय रोजमर्रा की फैशन एक्सेसरी के तौर पर देखने का आइडिया लेकर इशेंद्र अग्रवाल ने 2019 में ज्वेलरी कारोबार में कदम रखा। महज 10 लाख रुपये के शुरुआती निवेश से शुरू हुई आज करीब 4925 करोड़ रुपये की वैल्यूएशन वाली कंपनी बन चुकी है। हालांकि, इस सफर की शुरुआत बिल्कुल आसान नहीं थी।

इशेंद्र अग्रवाल ने जनवरी 2019 में एक दोस्त के साथ ज्वेलरी बिजनेस शुरू करने का फैसला किया था। बाद में निजी कारणों से दोस्त इस योजना से अलग हो गया, लेकिन इशेंद्र ने अकेले ही आगे बढ़ने का फैसला किया। अप्रैल 2019 में उनकी मुलाकात निकिता प्रसाद और सचिन शेट्टी से हुई। इसके बाद मई में जीवा की वेबसाइट लॉन्च की गई। संस्थापकों को उम्मीद थी कि वेबसाइट शुरू होते ही ग्राहक आने लगेंगे, लेकिन पहले तीन महीनों में कंपनी को रोजाना सिर्फ एक-दो ऑर्डर मिल रहे थे। इशेंद्र ने एक इंटरव्यू में शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि टीम हर जगह लोगों से खरीदारी करने के लिए कह रही थी और ग्राहकों को समझाने की कोशिश कर रही थी।

ऑनलाइन से ऑफलाइन तक पहुंचा कारोबार

फिजिकल रिटेल का अनुभव संस्थापकों के लिए एक नई चुनौती थी। स्टोर के लिए सही लोकेशन चुनने से लेकर इन्वेंट्री मैनेजमेंट और रिटेल टीम की ट्रेनिंग तक कई चीजें सीखनी पड़ीं। आज की वेबसाइट के मुताबिक कंपनी के करीब 300 स्टोर हैं। कंपनी ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर्स के साथ भी काम किया है। इसके अलावा पुरुषों की ज्वेलरी भी कंपनी के लिए एक उभरता हुआ सेगमेंट बन चुका है।

एक दिन में मिले 250 ऑर्डर

एक गिफ्टिंग पोर्टल पर लिस्ट किए जाने के बाद तस्वीर तेजी से बदली। कंपनी के रोजाना ऑर्डर करीब एक से बढ़कर एक दिन में लगभग 250 तक पहुंच गए। अचानक ऑर्डर बढ़ने से संस्थापकों को दिन-रात पैकेज तैयार करने पड़े और कंपनी का स्टॉक भी जल्द खत्म हो गया। यह उस समय हुआ जब भारत के ऑनलाइन फाइन ज्वेलरी बाजार में जैसे स्थापित ब्रांड पहले से मौजूद थे। सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि भारतीय ग्राहक ऑनलाइन महंगी ज्वेलरी खरीदने में कितना भरोसा दिखाएंगे। कंपनी के मुताबिक, सोने की कीमत अधिक होने के कारण ऑनलाइन हाई-टिकट ज्वेलरी बेचना मुश्किल हो सकता है। इसी वजह से ने सिल्वर ज्वेलरी को अपना प्रमुख प्रोडक्ट बनाया। कंपनी ने इसे प्रीमियम लुक के साथ अपेक्षाकृत किफायती विकल्प के तौर पर पेश किया। ऑनलाइन ज्वेलरी खरीदने में ग्राहकों का भरोसा हासिल करना भी आसान नहीं था। इसके लिए ने अपने सिल्वर प्रोडक्ट्स के साथ ऑथेंटिसिटी सर्टिफिकेट, लाइफटाइम री-प्लेटिंग और 30 दिन की रिटर्न पॉलिसी जैसी सुविधाएं शुरू कीं। धीरे-धीरे कंपनी ने ऑनलाइन कारोबार को बढ़ाया और फिर ऑफलाइन स्टोर्स की तरफ कदम बढ़ाया। कंपनी की वैल्यूएशन में भी पिछले कुछ वर्षों में बड़ा बदलाव आया है। अप्रैल 2023 में की वैल्यूएशन करीब 1165 करोड़ रुपये थी।

पृथ्वी शॉ की सगाई टूटी

मंगेतर आकृति अग्रवाल ने की पुष्टि

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ निजी जिदंगी भी मुश्किलों से गुजर रही है। पृथ्वी एक बार फिर से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। पृथ्वी की मंगेतर आकृति अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे अलग होने की जानकारी साझा की है। आकृति ने इंस्टाग्राम के जरिए पृथ्वी शॉ से अलग होने की जानकारी दी।

आकृति ने लिखा, भारी मन से, मैं यह बताना चाहती हूं कि मेरे मंगेतर और मैंने अपने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और हालात की वजह से अलग होने का फैसला किया है। हम एक-दूसरे से जितना प्यार और परवाह करते हैं, हमने यह मान लिया है कि हमारे रास्ते साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। अपनी जिम्मेदारियों और अभी जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

आकृति ने आगे लिखा, मैं सच में हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी शांति और खुशी की कामना करती हूं। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि इस मुश्किल समय में हमारी निजता का सम्मान करें और हमारे फैसले के पीछे के कारणों के बारे में अंदाजा लगाने से बचें। हमारी जगह को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।

कार्लोस अल्काराज ने दिखाया दम, किया क्वालीफाई

एटीपी फाइनलः सिनर-ज्वेरेव के क्लब में शामिल

ट्यूरिन, एजेंसी। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने 2026 के सीजन के अंत में होने वाले निट्टो एटीपी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की कर ली है। वह लगातार पांचवीं बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। अल्काराज के क्वालीफाई करने के साथ ही टूर्नामेंट के लिए जगह बनाने वाले खिलाड़ियों में यानिक सिनर और अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर पूरा किया करियर ग्रैंड स्लैम

अल्काराज के लिए 2026 का सीजन खास रहा है। उन्होंने मेलबर्न पार्क में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इसके अलावा उन्होंने दोहा में भी खिताब अपने नाम किया और मोंटे-कार्लो में एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंचे। एटीपी के मुताबिक, इस सीजन अल्काराज का जीत-हार का रिकॉर्ड 26-4 है। 26 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक 26 टूर-लेवल खिताब जीते हैं।

कलाई की चोट से वापसी के बाद यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल

अल्काराज हाल ही में कलाई की चोट से उबरकर कोर्ट पर लौटे थे। उन्होंने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया, जहां उन्हें बाद में फाइनल में पहुंचने वाले अमेरिका के बेन शेल्टन से हार का सामना करना पड़ा। शेल्टन को अल्काराज के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए निर्णायक सेट में टाई-ब्रेक तक जाना पड़ा था।

यानिक सिनर और अलेक्जेंडर ज्वेरेव पहले ही बना चुके थे जगह

अल्काराज से पहले यानिक सिनर और अलेक्जेंडर ज्वेरेव एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर चुके थे। सिनर इस साल विंबलडन जीतने के बाद टूर्नामेंट के लिए जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने थे, जबकि ज्वेरेव ने रोलां गैरो और विंबलडन में शानदार प्रदर्शन के बाद अपनी जगह पक्की की थी। अल्काराज के ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब के बाद यह तय हो गया था कि वह 'पिफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन' में शीर्ष 20 में रहेंगे। इसी के आधार पर उनकी एटीपी फाइनल्स में जगह सुनिश्चित हुई।

एटीपी फाइनल्स में ऐसा रहा है अल्काराज का रिकॉर्ड

अल्काराज का निट्टो एटीपी फाइनल्स में अब तक 7–5 का जीत–हार रिकॉर्ड है। पिछले सीजन में उन्होंने पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन खिताबी मुकाबले में यानिक सिनर से हार गए थे। ट्यूरिन के लिए बाकी स्थानों की दौड़ में बेन शेल्टन, फ्लावियो कोबोली, फ्रांसिस टियाफो, आर्थर फिल्स, डेनिल मेदवेदेव, राफेल जोडार और टेलर फ्रिट्ज जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। यूएस ओपन के बाद शेल्टन 'लाइव रेस टू ट्यूरिन' में तीसरे स्थान पर पहुंच गए थे। 2026 का निट्टो एटीपी फाइनल्स 15 से 22 नवंबर तक ट्यूरिन की इनाल्पी एरिना में खेला जाएगा। इसमें सीजन के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के बीच साल के आखिरी बड़े खिताब के लिए मुकाबला होगा।

भारत बनाम वेस्टइंडीज : टी-20 सीरीज के लिए टीम घोषित, बुमराह को आराम

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाली पांच मैचों की घरेलू टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। उनकी जगह तेज गेंदबाज मयंक यादव की वापसी हुई है, जबकि दिल्ली के प्रिंस यादव को भी टीम में शामिल किया गया है। श्रेयस अय्यर कप्तान और तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे।

जसप्रीत बुमराह को दिया गया आराम

जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज से आराम दिया गया है। बुमराह एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं और जापान के आइची-नागोया में होने वाले पुरुष क्रिकेट मुकाबले 3 अक्टूबर तक चलेंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 6 अक्टूबर को लखनऊ में खेला जाना है। यानी एशियन गेम्स के फाइनल के सिर्फ तीन दिन बाद ही भारत को टी20 सीरीज में उतरना होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने बुमराह को आराम देने का फैसला किया है।

हार्दिक पंड्या अब भी टीम से बाहर

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वह बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया जारी रखे हुए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में टीम मैनेजमेंट को मध्यक्रम और गेंदबाजी में दूसरे विकल्पों पर निर्भर रहना होगा।

मयंक यादव की टीम में वापसी

तेज गेंदबाज मयंक यादव की भारतीय टी20 टीम में वापसी हुई है। अपनी तेज रफ्तार के लिए पहचाने जाने वाले मयंक हालिया मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं थे। अब उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अपनी गति से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देने का मौका मिलेगा। मयंक की वापसी से भारत के पेस अटैक में अतिरिक्त धार आएगी। वहीं, अर्शदीप सिंह विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के ग्रुप की अगुवाई करेंगे।

प्रिंस यादव को मिला पहला बड़ा मौका

मयंक यादव के साथ उनके लखनऊ सुपर जायंट्स के साथी प्रिंस यादव को भी टीम में शामिल किया गया है। प्रिंस ने गर्मियों में भारत के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपना डेब्यू किया था। चयनकर्ताओं ने उनकी हिट-द-डेक गेंदबाजी और निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी को ध्यान में रखते हुए उन पर भरोसा जताया है। अब प्रिंस के पास वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी जगह पक्की करने का मौका होगा।

सिंधु ने वैश्विक मंचों पर सफलता हासिल करते हुए देश का नाम रोशन किया

2017 में कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली

सिंधु बनीं भारत की पहली खिलाड़ी

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन की दुनिया में मौजूदा समय का सबसे बड़ा नाम पीवी सिंधु का है। सिंधु ने अपने बेहतरीन खेल की वैश्विक मंचों पर सफलता हासिल करते हुए देश का नाम रोशन किया है। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है। 17 सितंबर 2017 को पीवी सिंधु कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थीं। सिंधु ने फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 24 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 21-11 और 21-18 से हराकर खिताब जीता था। 1991 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के 26 साल के इतिहास में सिंधु भारत की तरफ से पहली विजेता बनी थीं। हालांकि, इस सफलता से पहले ही सिंधु अपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर चुकी थीं।

5 जुलाई 1995 को हैदराबाद में जन्मी सिंधु ने बैडमिंटन की दुनिया में बड़ी सफलता हासिल की है। वह भारत की सबसे सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। सिंधु की उपलब्धियों पर गौर करें तो उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में रजत और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 2019 में वह महिला एकल में विश्व चैंपियन रही थीं। 2018 और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। सिंधु ने 2018 एशियन गेम्स में रजत और 2014 एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीता था। वह बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली और इकलौती भारतीय हैं और ओलंपिक गेम्स में लगातार दो मेडल जीतने वाली भारत की दूसरी व्यक्तिगत खिलाड़ी हैं। 31 साल की सिंधु का एक बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर सफर अभी भी जारी है। भारत सरकार पीवी सिंधु को बैडमिंटन के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, पद्मभूषण, और पद्मश्री से सम्मानित कर चुकी है।

6 शतक और 500 से अधिक विकेट लेने वाले इकलौते खिलाड़ी

नई दिल्ली, ।भारत के दिग्गज स्पिनर्स का जब जिक्र होता है, तो उस लिस्ट में रविचंद्रन अशिवन का नाम भी शान से लिया जाता है।अशिवन ने अपने इंटरनेशनल करियर में वो तमाम उपलब्धियां हासिल कीं, जिसका सपना एक क्रिकेटर देखता है।अशिवन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 250 और 300 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज रहे।अशिवन का जन्म 17 सितंबर, 1986 को चेन्नई में हुआ।अशिवन के पिता खुद एक मध्यम गति के गेंदबाज थे और पिता को देखकर ही अशिवन क्रिकेट से परिचित हुए।धीरे–धीरे अशिवन का लगाव क्रिकेट के प्रति बढ़ता चला गया।अशिवन अपने करियर की शुरुआत में सलामी बल्लेबाज हुआ करते थे।हालांकि, 14 वर्ष की उम्र में अशिवन बुरी तरह से चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा।इसके बाद अशिवन ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की, तो सलामी बल्लेबाज की जगह भर चुकी थी।मां के कहने पर अशिवन ने स्पिन गेंदबाजी में हाथ आजमाए और जल्द ही वह इसमें रम गए।

एशियन गेम्स 2026

फातिमा सना की कप्तानी पारी

थाईलैंड को हराकर पाकिस्तान ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

निशिन । पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 3 विकेट से हराया। झमाझम बारिश के चलते गीली आउटफील्ड के कारण इस मैच को 11-11 ओवर का किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड की बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा। उन्होंने 11 ओवर में 4 विकेट खोकर 91 रन

स्कोरोबोर्ड पर लगाए। टीम की तरफ से नानापत कोंचारोएनकाई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 49 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके लगाए। वहीं, फन्निता माया ने 16 गेंदों में 15 रन बनाए, जबकि कप्तान नारुएमोल चाईवाई ने 3 गेंदों में 10 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजी में कप्तान फातिमा सना का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि नशरा संधू ने एक विकेट अपने नाम किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम को गुल फिरोजा और शवाल जुल्फिकार ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 3.5 ओवर में 36 रन जोड़े।

ईरानी कप: ऋषभ पंत को मिली कप्तानी, सरफराज होंगे उपकप्तान

नई दिल्ली। ईरानी कप मुकाबले के लिए रेस्ट ऑफ इंडिया टीम का ऐलान कर दिया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि बल्लेबाज सरफराज खान उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। रेस्ट ऑफ इंडिया का सामना 2025-26 रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर से होगा।

वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से बाहर हुए पंत

ऋषभ पंत को आगामी वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। इसके बाद उन्हें ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की अगुवाई की जिम्मेदारी दी गई है। पंत ने भारत के लिए आखिरी वनडे मुकाबला अगस्त 2024 में खेला था। पंत की गैरमौजूदगी में ध्रुव जुरेल को बैकअप विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है, जबकि केएल राहुल को वनडे टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

आकाश दीप की वापसी पर फिटनेस का फैसला

तेज गेंदबाज आकाश दीप भी लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। वह लोअर-बैक स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण लंबे समय से मैदान से बाहर हैं। हालांकि, टीम में उनकी मौजूदगी अंतिम फिटनेस टेस्ट पास करने पर निर्भर करेगी। आकाश दीप का पिछला प्रतिस्पर्धी मुकाबला फरवरी 2026 में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच था। ऐसे में ईरानी कप में भी उनका सामना उसी टीम से हो सकता है।

रेस्ट ऑफ इंडिया के गेंदबाजी आक्रमण में अनुभव और युवा जोश

रेस्ट ऑफ इंडिया की तेज गेंदबाजी इकाई में मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी और आर्यन पांडे को शामिल किया गया है।वहीं, स्पिन विभाग की अगुवाई अनुकूल रॉय करेंगे।उनके साथ मानव सुथार और सारांश जैन भी टीम का हिस्सा हैं।इन दोनों खिलाड़ियों को हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिली थी।टीम की बल्लेबाजी को आर स्मरण और आयुष दोसजा मजबूती देंगे।दोनों खिलाड़ी पिछली रणजी ट्रॉफी में अपनी–अपनी टीमों के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे थे।ईरानी कप 2026 का मुकाबला श्रीनगर के शेर–ए–कश्मीर स्टेडियम में खेला जाएगा।यह मैच 1 अक्टूबर से 5 अक्टूबर तक आयोजित होगा।इस मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया के सामने रणजी ट्रॉफी 2025–26 की विजेता जम्मू–कश्मीर की टीम होगी।

रेस्ट ऑफ इंडिया की पूरी टीम

ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), सनत सांगवान, शिखर मोहन, सुदीप घरामी, सरफराज खान (उपकप्तान), स्मरण रविचंद्रन, मानव सुथार, सारांश जैन, आकाश दीप*, मुकेश कुमार, मुकेश चौधरी, आर्यन जूयाल (विकेटकीपर), आर्यन पांडे, अनुकूल रॉय, आयुष दोसजा; *आकाश दीप का चयन अंतिम फिटनेस टेस्ट पर निर्भर करेगा।ईरानी कप ऋषभ पंत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इससे उन्हें भारत के आगामी न्यूजीलैंड दौरे से पहले मैच प्रैक्टिस हासिल करने का मौका मिलेगा।भारत अक्टूबर में न्यूजीलैंड का दौरा करेगा, जहां पांच टी20ढ्ढ, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे।पंत को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में अहम भूमिका निभानी है।इन मुकाबलों में अच्छे प्रदर्शन का भारत की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2027 फाइनल की दौड़ पर भी असर पड़ सकता है।

आर. रामचंद्र राव : सुनील गावस्कर के 10 हजार रन बनाने वाले ऐतिहासिक मैच में की अंपायरिंग

भारत–पाकिस्तान मुकाबले में भी दिए अहम निर्णय

नई दिल्ली। आर. रामचंद्र राव की गिनती भारत के काबिल अंपायर्स में की जाती है। रामचंद्र उस ऐतिहासिक मैच का हिस्सा रहे, जिसमें भारत के पूर्व बल्लेबाज सुनील गावस्कर 10 हजार रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बने। इसके साथ ही उन्होंने भारत-पाकिस्तान के मैचों में भी अंपायरिंग करते हुए कई अहम फैसले दिए। आर. रामचंद्र राव का जन्म 16 सितंबर, 1931 को हुआ। रामचंद्र के पास क्रिकेट की अच्छी समझ थी और बेहतर निर्णय लेने की उनकी क्षमता के चलते जल्द ही उन्हें फर्स्ट्-क्लास क्रिकेट में अंपायरिंग करने का मौका मिल गया। 1975 में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में रामचंद्र ने पहली बार अंपायरिंग की। उन्होंने अपने करियर में कुल 20 फर्स्ट्-क्लास मैचों में अंपायरिंग की और कई अहम फैसले दिए। वह बतौर अंपायर मैदान पर काफी शांत रहते थे और राव खिलाड़ियों के अपील से दबाव में नहीं आया करते थे। रामच्रंद 1987 में अहमदाबाद के मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ हुए उस मुकाबले का हिस्सा रहे, जिसमें सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे किए।

घर के प्रवेश द्वार पर आज ही लाकर रखें ये 5 चीजें, देवी लक्ष्मी का होता है आगमन, बढ़ेगी बरकत

वास्तुशास्त्र में मुख्य द्वार पर स्वास्तिक, तुलसी समेत 5 चीजों को रखना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इन्हें प्रवेश द्वार पर रखने से घर में सकारात्मकता, शांति और सुख-समृद्धि आती है। साथ ही, माता लक्ष्मी का वास बना रहने से घर की बरकत कम नहीं होती है। ऐसे में चलिए विस्तार से जानें की प्रवेश द्वार पर क्या-क्या रखना चाहिए। घर का मुख्य द्वार केवल आने-जाने का एक रास्ता नहीं होता बल्कि, यह माता लक्ष्मी के आगमन और सकारात्मक ऊर्जा के अंदर प्रवेश करने का मुख्य केंद्र होता है। इसलिए वास्तुशास्त्र में घर के मेन गेट का विशेष महत्व बताया गया है। अनजाने में यहां गलत चीजें रखने से इसका प्रतिकूल प्रभाव पूरे परिवार पर देखने को मिल सकता है। ऐसे में वास्तु अनुसार, घर के इस स्थान को हमेशा साफ-सुथरा और खाली रखना चाहिए। वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि घर में सुख-समृद्धि, सकारात्मकता और शांति बनाए रखने के लिए मुख्य द्वार पर तुलसी सहित 5 चीजें जरूर रखनी चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी का घर में सदैव वास बना रह सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि मुख्य द्वार पर किन-किन चीजों को रखना शुभ होता है।

मुख्य द्वार पर बनाएं स्वास्तिक

अपने घर के मेन गेट के ठीक ऊपर या दोनों तरफ आंखों के लेवल पर स्वास्तिक का चिन्ह बना सकते हैं। वास्तु गुरु मान्या बताती हैं। यह शुभ चिह्न गुडलक, सामंजस्य, सकारात्मकता और दिव्य कृपा को आकर्षित करती है। मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाने से यह घर में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा को रोकती है। जिससे परिवार का माहौल हमेशा सकारात्मक बना रहता है। साथ ही, इससे धन की देवी लक्ष्मी जी के आगमन का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

आम या अशोक के पत्तों का तोरण लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मुख्य द्वार पर आम या अशोक के पत्तों का तोरण लगाना बहुत शुभ माना गया है। चौखट के ऊपरी हिस्से पर एक आम या अशोक के पत्ते अथवा गेंदे के फूल से बना तोरण लगाने यह घर में आने वाली ऊर्जा को शुद्ध करता है। जिसके प्रभाव से अंदर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर पाती है। हालांकि, इस बात का ख्याल रखें कि हमेशा ताजे आम के पत्ते, अशोक के पत्ते और गेंदे के फूल को मौली से बांधकर लगाना चाहिए। यदि पत्ते सूख जाएं, तो उन्हें तुरंत उतारकर बदल दें।

जल और पुष्पों से भरा पात्र रखें

अपने घर के मुख्य द्वार के सामने एक सुंदर पीतल या मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर रखना चाहिए। साथ ही, इसमें गुलाब या गेंदे के फूल भी जरूर डालें। मान्यता है कि इस पात्र को मुख्य द्वार के पास रखने से घर-परिवार का माहौल सकारात्मक, शांतिपूर्ण और खुशनुमा बना रहता है। साथ ही, इससे नकारात्मक ऊर्जा भी घर से दूर रह सकती है। हालांकि, पानी को हर 1 से 2 दिन में जरूर बदलना चाहिए।

माता लक्ष्मी के चरण पादुका रखें

मुख्य द्वार की देहरी के समीप माता लक्ष्मी के चरण चिह्न को हमेशा घर के अंदर की तरफ आते हुए लगाना चाहिए। देवी के चरणों को कभी भी बाहर निकलते हुए की ओर से नहीं लगाना चाहिए। मान्यता है कि मुख्य द्वार पर माता लक्ष्मी के चरण चिह्न लगाना बहुत शुभ होता है। इसका सीधा अर्थ है कि धन और खुशहाली हमेशा के लिए आपके घर में प्रवेश कर रहे हैं। इससे समृद्धि और लक्ष्मीजी स्थायी रूप से आपके घर में प्रवेश कर सकती हैं।

पवित्र तुलसी या कोई शुभ पौधा लगाएं

वास्तु के अनुसार, मुख्य द्वार पर कुछ पौधों को लगाना बहुत शुभ माना जाता है। आप मेन गेट के दाहिने तरफ तुलसी का पौधा रख सकते हैं। ध्यान रखें कि पौधा हमेशा हरा-भरा होना चाहिए। भूलकर भी यहां कांटेदार पौधे न रखें। ऐसे पौधे नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकते हैं। वहीं, तुलसी शुद्धता और धन-धान्य को बढ़ाती है और वास्तु दोष के प्रभाव को भी कम कर सकती है। इन छोटे-छोटे सरल उपायों और बदलावों से आप अपने घर के प्रवेश द्वार को सकारात्मक और आर्थिक उन्नति का मंगलमय केंद्र बना सकते हैं।

राधा अष्टमी पर श्रीजी को लगाएं अरबी सहित 5 चीजों का भोग, जानें राधा रानी के प्रिय भोग कौनसे हैं

राधा अष्टमी का व्रत इस साल 19 सितंबर को रखा जाएगा। भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को राधा अष्टमी का व्रत किया जाता है। इस दिन राधा रानी को उनके प्रिय भोग लगाना चाहिए। ऐसा करने से राधा रानी प्रसन्न होती हैं। आइए जानते हैं राधा रानी के प्रिय भोग कौनसे हैं।राधा अष्टमी के व्रत हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति राधा अष्टमी का व्रत करता है उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। इस दिन विधि विधान से राधा अष्टमी की पूजा अर्चना करने के साथ साथ राधा रानी को उनके प्रिय भोग भी लगाने चाहिए जिससे राधा रानी प्रसन्न होती है। इस साल राधा अष्टमी का व्रत 19 सितंबर शनिवार के दिन रखा जाएगा। जानें राधा रानी के प्रिय भोग कौन से हैं।

कहते हैं कि जिस व्यक्ति पर राधा रानी की कृपा होती है उसपर भगवान कृष्ण की कृपा भी जल्दी होती है। राधा रानी की भक्ति से भगवान कृष्ण का असीम प्रेम प्राप्त होता है।

राधा रानी के प्रिय भोग

1) राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को मालपुआ और रबड़ी का भोग जरुर लगाना चाहिए। मालपुआ और रबड़ी का भोग राधा अष्टमी को अधिक प्रिय है।
2) राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को पंचामृत का भोग जरुर लगाएं। दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल मिलाकर पंचामृत का भोग जरुर लगाएं। राधा राना को भी भगवान कृष्ण की तरह धनिया की पंजरी का भोग अति प्रिय है। इसलिए इस दिन राधा रानी के साथ साथ भगवान कृष्ण को भी धनिया पंजीरी का भोग जरुर लगाएं।
3) राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अरबी का भोग लगाना भी अति प्रिय माना जाता है। अरबी का भोग राधा अष्टमी के दिन माता को जरुर लगाएं। बस इस बात का ख्याल रखें कि इस दिन किसी भी सब्जी में जो राधा रानी के भोग प्रसाद के लिए बन रही है उसमें लहसुन प्याज का इस्तेमाल न करें।
4) जैसे भगवान कृष्ण के माखन मिश्री का भोग बहुत भाता है। इसलिए राधा अष्टमी के दिन राधा रानी के माखन मिश्री का भोग जरुर लगाएं।
5) राधा रानी के लिए इस दिन खीर का भोग जरुर बनाएं। आप चाहें तो चावल की खीर या मखाने की खीर भी बना सकते हैं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष– आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में कोई बदलाव कर सकते हैं। आप अत्यधिक लाभ के चक्कर में छुटपुट लाभ पर ध्यान कम देंगे। नौकरी में आपके बॉस आपके किसी सुझाव से काफी खुश होंगे। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। आप अपने भविष्य को लेकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। आप अपनी वाणी पर संयम रखें, नहीं तो बेवजह के लड़ाई–झगड़े हो सकते हैं।

वृषभ

वृषभ– आज आपको अपने कामों को लेकर धैर्य दिखाने की आवश्यकता है। आपको किसी काम को लेकर यदि नॉलेज ना हो, तो उसमें आप आगे ना बढ़ें। आपको किसी ससुराल पक्ष के व्यक्ति से धन लाभ मिलता दिख रहा है। माताजी को आप किसी धार्मिक यात्रा पर लेकर जा सकते हैं। आपको वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करना होगा। नवविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती हैं।

मिथुन

मिथुन– आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप अपने बिजनेस में कुछ नए कर्म को शामिल करेंगे। परिवार में खुशियां भरपूर रहेंगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को समझदारी दिखाते हुए अपने रिश्ते को निभाना होगा, क्योंकि किसी बाहरी व्यक्ति के आने के कारण खटपट होने की संभावना है। आपको मेहनत अनुसार फल मिलने से खुशियां बनी रहेगी, लेकिन आप अपने कामों के साथ–साथ संतान के करियर को लेकर कोई डिसीजन लेंगे।

कर्क

कर्क– आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। सामाजिक कार्यक्रमों से आपको जुड़ने का मौका मिलेगा। व्यवसाय में आप कुछ योजनाओं को लेकर पार्टनरशिप कर सकते हैं। आपको अपने आलस्य को त्यागकर कामों में आगे बढ़ना होगा, तभी आपके काम समय से पूरे होंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई पुरस्कार मिल सकता है। आपको नौकरी के सिलसिले में किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है।

सिंह

सिंह– सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन पद–प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको बेवजह के क्रोध करने से बचना होगा। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। संतान की सेहत में गिरावट आने से आप परेशान रहेंगे। आप अपने घर किसी भजन कीर्तन आदि का आयोजन कर सकते हैं। विवाह में यदि कोई समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी।

कन्या

कन्या– आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यो से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप रुपए पैसे के मामले में किसी पर भरोसा ना करें। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के बीच किसी बात को लेकर खटपट रहेगी। आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित होंगे, जहां आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आपके किसी मित्र से मिलकर आपकी कुछ पुरानी यादें ताजा होंगी। पारिवारिक समस्याएं वरिष्ठ सदस्यों की मदद से आसानी से दूर हो

तुला

तुला– आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। बिजनेस में कोई तकनीकी समस्या आपको परेशान करेगी। नौकरी में आपके दिए गए सुझावों का स्वागत होगा। आपको अपने स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देना होगा। आपके धन–धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको यदि कोई काम को लेकर सुझाव दे, तो आप उसमें चुप रहें। आपकी कोई चल अचल संपत्ति का मुद्दा यदि विवादित था, तो उसमें आपको जीत मिलेगी।

वृश्चिक

वृश्चिक– आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण रखने के लिए रहेगा। आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती रहेगी, लेकिन आपके मन में किसी बात को लेकर संशय बना रहेगा। आपको भावनाओं में बहकर कोई निर्णय नहीं लेना है। परिवार में सदस्य आपकी बातों को पूरा महत्व देंगे। आप जीवनसाथी की बातों को पूरा महत्व देंगे। विद्यार्थी यदि पढ़ाई में डील देंगे, तो उन्हें परीक्षा देने में समस्या आएगी।

धनु

धनु– आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। माता–पिता के प्रति स्नेह बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास बेहतर रहेंगे। भाई–बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। नौकरी में आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। आपका डूबा हुआ धन आपको वापस मिलने की संभावना है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने किसी साथी से खटपट होने की संभावना है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

मकर

मकर– आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आप कोई जरूरी जानकारी घर से बाहर न जाने दें, नहीं तो बेवजह के लड़ाई झगड़े बढ़ सकते हैं। आपको कुछ अजनबी लोगों पर भरोसा करने से बचना होगा और आपका कोई कानूनी मामला आपके लिए समस्या बन सकता है, इसलिए आप उसमें अपनी आंख और कान खुले रखकर निपटाने की कोशिश करें।

कुंभ

कुंभ– आज का दिन आपके लिए योजना बनाकर कामों को करने के लिए रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा साथ मिलेगा। यदि आप कोई प्रॉपर्टी को लेकर इन्वेस्टमेंट करेंगे, तो उसमें भी आपकी साख चारों ओर फैलेगी और आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। आपके कुछ नए मित्र बनेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आप अपने आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए जो भी प्रयास करेंगे, उनमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी।

मीन

मीन– आज का दिन आपके लिए समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी। आपके अंदर ऊर्जा अधिक रहने के कारण आप अपने कामों को निपटने की कोशिश में लगे रहेंगे। आप किसी से किए हुए वादे को भी पूरा समय रहते पूरा करने की कोशिश करेंगे। माताजी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती हैं। आपको काम के साथ–साथ जीवनसाथी के लिए भी कुछ समय निकालना होगा, नहीं तो वह आपसे नाराज हो सकती हैं।

पंजाब के सरकारी स्कूलों की अब सोशल मीडिया पर भी होगी पहचान, उपलब्धियों और गतिविधियों को करना होगा शेयर

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के सरकारी स्कूलों की गतिविधियां और उपलब्धियां अब इंटरनेट मीडिया के जरिये भी लोगों तक पहुंचेंगी। पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी सरकारी स्कूलों को कम से कम एक इंटरनेट मीडिया मंच पर आधिकारिक और सक्रिय खाता बनाने के निर्देश दिए हैं।

स्कूलों को 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक या इंस्टाग्राम में से किसी एक मंच पर आधिकारिक खाता बनाकर उसे सक्रिय रखना होगा। विभाग का उद्देश्य स्कूलों में होने वाली सकारात्मक गतिविधियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों तथा नवाचारी शिक्षण कार्यों को व्यापक स्तर पर सामने लाना है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि जिन सरकारी स्कूलों के पहले से आधिकारिक इंटरनेट मीडिया खाते हैं, उन्हें निर्धारित वेब प्रपत्र के माध्यम से इन खातों की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। वहीं, जिन स्कूलों के पास अभी

तक कोई आधिकारिक इंटरनेट मीडिया खाता नहीं है, उन्हें 'एक्स', फेसबुक या इंस्टाग्राम में से किसी एक मंच पर खाता बनाना होगा। खाते की जानकारी एमस्टार पोर्टल के माध्यम से दर्ज करनी होगी। स्कूल की सकारात्मक गतिविधियों की देनी होगी जानकारी विभाग ने स्कूल प्रमुखों को इंटरनेट मीडिया खातों पर स्कूल की सकारात्मक पहलों और महत्वपूर्ण गतिविधियों की नियमित जानकारी साझा करने के निर्देश दिए हैं।

इसमें विद्यार्थियों की उपलब्धियां, शिक्षकों की उपलब्धियां, कक्षा में अपनाई जा रही नवाचारी शिक्षण गतिविधियां, स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की ओर से किए जा रहे कार्य तथा स्कूल में आयोजित होने वाले अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल होंगे। इस पहल से अभिभावकों और आम लोगों को सरकारी स्कूलों में हो रहे कार्यों की जानकारी मिल सकेगी। साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को भी सार्वजनिक मंच मिल सकेगा।

इंटरनेट मीडिया खाते बनाने के साथ शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के रिकार्ड को एमस्टार एप पर अद्यतन करने के भी निर्देश दिए हैं। स्कूल प्रमुखों को प्रत्येक विद्यार्थी का पूरा आवासीय पता जांचकर अपडेट करने को कहा गया है। इसके अलावा जहां उपलब्ध हों, वहां विद्यार्थी के माता-पिता या अभिभावकों दोनों के मोबाइल नंबरों का सत्यापन कर उन्हें रिकार्ड में दर्ज करना होगा। विभाग ने यह प्रक्रिया 24 जुलाई तक पूरी करने के निर्देश जारी किए थे।

कैंटर के शीशे बंद कर सो रहा था ड्राइवर, दम घुटने से संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कासना कोतवाली क्षेत्र में कैंटर के केबिन में सोए चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने दम घुटने से चालक की मौत होने का दावा किया है। कहना है कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण कैंटर के शीशे और दरवाजे बंद कर सोने के दौरान दम घुटना माना जा रहा है। मृतक की पहचान पवन शर्मा (37) निवासी ऐचोरा, थाना अनूपशहर, बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, सुबह डायल-112 पर सूचना मिली कि ग्राम लडपुरा में खड़े कैंटर में एक व्यक्ति बेहोशी की अवस्था में पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची तो कैंटर के दरवाजे अंदर से लॉक थे। किसी तरह लॉक खोल कर उसे बाहर निकाला गया, उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। जांच में पता चला कि पवन अलीगढ़ से गाजीपुर मंडी में आलू की सप्लाई के लिए रवाना हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद राज्य कर विभाग में एडमिन आईडी का दुरुपयोग, कर्मचारियों की

एसीआर खराब

गाजियाबाद, एजेंसी। राज्य कर विभाग में मास्टर एडमिन (उपायुक्त प्रशासन) द्वारा मानव संपदा पोर्टल की आइडी और पासवर्ड का दुरुपयोग कर कई अधिकारियों और कर्मचारियों के पासवर्ड रीसेट करने का मामला सामने आया है। आईडी का दुरुपयोग करते हुए वर्ष 2024-25 की वार्षिक प्रविष्टियों (एसीआर) को प्रतिकूल और संदिग्ध रूप से खराब कर दिया गया। इस मामले में तीन प्रधान सहायकों की पदोन्नति रूक गई है। इस मामले में मुख्यालय की ओर से उपायुक्त प्रशासन को हटाने के आदेश दिए गए हैं।

दिशा सालियान मामले में मेरे खिलाफ बदनामी अभियान एक राजनीतिक एजेंडा': आदित्य ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि वह दिवंगत सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान को नहीं जानते थे और न ही दिशा से कभी उनकी मुलाकात हुई थी. सीबीआई के दिशा सालियान की मौत के मामले में अलग-अलग धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है. वकील नीलेश ओझा ने दावा किया है कि पीड़ित के पिता की शिकायत में आदित्य ठाकरे का नाम है. इस मामले में आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया के जरिए इस मामले पर अपना रुख साफ किया है. उन्होंने कहा है कि इस केस से उनका कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने कहा कि वह दिशा सालियान से कभी नहीं मिले. दिशा सालियान केस के फिर से सुर्खियों में आने के बाद आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया के जरिए जवाब दिया. उन्होंने साफ किया कि इस मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने पहले भी कहा है कि पिछले कुछ सालों में इस केस का राजनीतिकरण करके उन्हें निशाना बनाने की कोशिश की गई है. एक ट्वीट में, आदित्य ठाकरे ने कहा, 'अफवाहों के भंवर को खत्म करने के लिए मैं एक बार फिर सिर्फ सच बता रहा हूं. मैं दिशा सालियान से कभी नहीं मिला और न ही मैं उन्हें जानता हूं. आदित्य ने कहा कि पिछले छह सालों से कुछ लोग राजनीतिक मकसद से निजी दुश्मनी और उनके चरित्र को खराब करने के इरादे से जानबूझकर उनका नाम इस बुरी घटना से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं. जबकि इसका कोई सबूत या कनेक्शन नहीं है. आदित्य ठाकरे ने कहा कि यह लगातार, झूठा कैंपेन, जिसमें कोई सच्चाई नहीं हैं, बुरी बात है. उन्होंने कहा कि टीवी चैनलों पर कितनी भी जोरदार, झूठी बहस या मीडिया ट्रायल सच्चाई को नहीं बदल सकते. उन्होंने कहा कि आधिकारिक एजेंसियों को बिना किसी भेदभाव के जांच करने दिया जाए.

कर्नाटक में संदिग्ध नक्सली उप्पार वेंकटेश गिरफ्तार

तुमकुरु, एजेंसी। कर्नाटक पुलिस ने मंगलवार रात तुमकुरु जिले में एक संदिग्ध नक्सली उप्पर वेंकटेश को गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि वह नक्सली गतिविधियों में शामिल था और गांववालों को डराता-धमकाता था. तुमकुरु के पावगड़ा तालुक के कनकलाबेंडे गांव का रहने वाला वेंकटेश, पावगड़ा के कनकलाबेंडे इलाके में कदमालकुंटे पहाड़ी के पास एक पुलिस ऑपरेशन के दौरान रात करीब 11 बजे पकड़ा गया. अधिकारियों ने बताया कि वह अर्धनग्न हालत में मिला. पुलिस ने बताया कि वह इस दौरान शराब पी रहा था और चिकन खा रहा था. पुलिस के मुताबिक, वेंकटेश पिछले कुछ महीनों से कनकलाबेंडे गांव के लोगों को परेशान कर रहा था और डरा रहा था. जब पुलिस पहले गांव गई थी तो वह एक पहाड़ी पर देसी बम फोड़कर भाग फरार हो गया था. 29 अगस्त को, उसने कथित तौर पर करियान्ना नाम के एक किसान के पंप सेट पर देसी बम लगाकर उसे मारने की कोशिश की थी.

गोरखपुर-प्रयागराज में चुनावी रणनीति को धार देंगे तावड़े, पूर्वांचल की हारी हुई सीटों की होगी समीक्षा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के चुनावी कुरुक्षेत्र में राजनीतिक सेनाएं मोर्चा संभालने लगी हैं। समाजवादी पार्टी जहां पीडीए एवं प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रभावी नैरेटिव गढ़कर चुनावी अस्त्र को धार देने में जुटी है।

वहीं भाजपा एक साथ तीन मोर्चों (अभियान, संगठनात्मक समीक्षा एवं छह क्षेत्रों में संघ के साथ समन्वय बैठकों) के सहारे चुनावी रथ हांक रही है। वहीं, पार्टी पर सहयोगी दलों को अपने पाले में रखने का दबाव है। दो बार लखनऊ और एक बार कानपुर में मैराथन मंथन करने के बाद अब प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े 17 और 18 सितंबर को गोरक्ष क्षेत्र में डेरा डालेंगे, वहीं 21 से 23 सितंबर तक प्रयागराज मथेंगे। भाजपा की रणनीति के मुताबिक राष्ट्रीय

संगठन महामंत्री बीएल संतोष और विनोद तावड़े एक माह की कसरत में सभी प्रशासनिक मंडलों एवं पार्टी की दृष्टि से गठित क्लस्टरों की समीक्षा कर रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को दे देंगे। इन बैठकों में बूथों का राजनीतिक प्रबंधन भी परखा जाएगा। बूथों पर जुटाए गए राजनीतिक समीकरणों एवं प्रभावी जातियों की समीक्षा होगी। गोरखपुर एवं प्रयागराज क्षेत्र में होने वाली बैठकों का महत्व इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि यहां पर वर्ष 2022 एवं 2024 के चुनाव में भाजपा कई सीटों पर हारी या संघर्ष करती नजर आई। यहां का राजनीतिक गणित पहले सपा और बसपा के साथ रहा है, लेकिन 2014 से यह भाजपा के पाले में झुकता नजर आया। पिछले विधान सभा में भाजपा को झटका लगा। पार्टी नहीं संभली तो 2024 लोकसभा चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ा। गोरक्ष एवं प्रयाग के आसपास की सीटों पर कुर्मी, निषाद, राजभर, मौर्य, केवट, मल्लाह, प्रजापति समेत आधा दर्जन ओबीसी जातियों की बड़ी संख्या है। कई सीटों पर सवर्णों में आपसी द्वंद भाजपा के लिए चिंता का सबब बन रहा है। भले ही तावड़े बिहार का चुनावी तानाबाना समझकर प्रभाव छोड़ने में सफल रहे, लेकिन यूपी की राजनीतिक चाल कई मायनों में बिहार से अलग है। अगर वह बड़ी संख्या में टिकट बदलने के संकल्प के साथ यूपी आए हैं तो पहले यहां का वातावरण समझना होगा।

कोटा में बुजुर्ग बाघिन महक की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और सक्रियता पर होगा अध्ययन

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में कोटा जिले के अभेड़ा बायोलाजिकल पार्क की बुजुर्ग बाघिन 'महक' की 23 वर्ष लंबी उम्र के बावजूद उसकी सक्रियता और स्वास्थ्य के पीछे छिपे वैज्ञानिक कारणों के बारे में जानकारी हासिल करने को लेकर अध्ययन किया जाएगा। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (डब्लयूआइआइ) के विज्ञानी और राज्य सरकार के वन विशेषज्ञ इसका अध्ययन करेंगे। अध्ययन में इस बाघिन की जेनेटिक संरचना, डीएनए, शरीर में चलने वाली प्रक्रियाओं वैक्सीनेशन, खान-पान और स्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाएगा।

साथ ही यह जानने का भी प्रयास होगा कि क्या महक के शरीर में कोई विशेष जीन मौजूद है, जिसके कारण से बढ़ती उम्र के बावजूद महक बुढ़ापे से जुड़ी बीमारियों से बची हुई है। आमतौर पर बाघ-बाघिना की उम्र 18 साल के आसपास होती है। जंगल में शिकार, दूसरे जानवरों से संघर्ष सहित कई कारणों से इनकी उम्र कम भी हो सकती है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, महक का जन्म 28 अगस्त 2004 को जयपुर के नाहरगढ़ बायोलाजिकल पार्क में हुआ था। उसे वहां से वर्ष 2012 में अभेड़ा बायोलाजिकल पार्क लाया गया था।

ईरान में हिजाब नियमों पर थम रही सख्ती?: बिना सिर ढके निकल रहीं महिलाएं, कट्टरपंथी चाह रहे कार्रवाई

दुबई, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में महिलाएं बिना सिर ढके खुले कैफे में बैठ रही हैं और छोटे टॉप पहन रही हैं। पार्कों में पुरुष शॉर्ट्स और महिलाएं लेगिंग पहनकर साथ में व्यायाम कर रही हैं। सड़क किनारे होने वाले संगीत कार्यक्रमों में महिलाएं नाचती दिखाई दे रही हैं और खुले बालों के साथ नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए तेहरान के इन दृश्यों से पता चलता है कि इस्लामी गणराज्य में सामाजिक पाबंदियों को लागू करने में हाल के वर्षों में काफी ढील आई है। 16 सितंबर 2022 को 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत के बाद भड़के बड़े पैमाने के विरोध प्रदर्शन हैं। अमीनी को कथित तौर पर सही तरीके से सिर पर स्कार्फ नहीं पहनने के आरोप में नैतिकता पुलिस ने हिरासत में लिया था। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनों को सख्ती से दबाया था। इस कार्रवाई में 500 से अधिक लोग मारे गए और हजारों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, शांति बनाए रखने के लिए अधिकारियों ने महिलाओं के हिजाब और शालीन कपड़ों से जुड़े नियमों को लागू करने में पीछे हटना शुरू कर दिया। अब सवाल यह है कि क्या इस ढील को फिर से खत्म किया जा सकता है। ईरान के सत्ता प्रतिष्ठान में कट्टरपंथी नेता महिलाओं के पहनावे पर फिर सख्ती की मांग कर रहे हैं। लेकिन शीर्ष नेता ऐसे समय में जनता की नाराजगी भड़काने से बचने की चेतावनी दे रहे हैं, जब युद्ध, अमेरिका के हमलों, प्रतिबंधों और नौसैनिक नाकाबंदी के कारण पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के ससुर और राजनेता गुलाम अली हद्दाद आदेल ने पिछले सप्ताह हिजाब को लेकर सार्वजनिक टिप्पणी में कहा, 'युद्ध की परिस्थितियों के कारण हम उस मोर्चे में उस तरह प्रवेश नहीं कर सकते, जिस तरह हमें करना चाहिए।' तेहरान में रहने वाली कार्यकर्ता और पूर्व राजनीतिक कैदी पूरन नाजेमी ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद हिजाब को लेकर मतभेद और गंभीर हो गए हैं। उन्होंने फोन पर कहा, 'वे प्रदर्शनों से डरते हैं।' राजधानी के एक समृद्ध उत्तरी इलाके में रहने वाली 20 साल के शुरुआती दशक की एक विश्वविद्यालय छात्रा ने बताया कि वह सिर पर स्कार्फ नहीं पहनती, लेकिन ऐसे कपड़े पहनती है जो उसके हाथ और पैर का अधिकांश हिस्सा ढकते हैं। उसने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने बहुत ज्यादा कपड़े पहन रखे हैं।'

रूस पर शिकंजा कसने वाला बिल अमेरिकी संसद से पास

भारत-चीन पर 100 तक टैरिफ का खतरा

मास्को, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को रूस और ईरान पर नए प्रतिबंध लगाने वाले एक बड़े विधेयक को मंजूरी दे दी। 262 सांसदों ने इसके पक्ष में और 159 ने विरोध में मतदान किया। 61 पन्नों वाले इस विधेयक को अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। यह विधेयक पिछले महीने अमेरिकी सीनेट में भी 86-11 वोटों से पारित हो चुका है। इसका नाम लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 रखा गया है। यह नाम जुलाई में अप्रत्याशित रूप से दिवंगत हुए सीनेटर लिंडसे ग्राहम के सम्मान में रखा गया है, जो रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के प्रमुख समर्थकों में रहे थे। विधेयक का सबसे अहम निशाना रूस का ऊर्जा क्षेत्र है। इसका मकसद रूस से तेल और गैस खरीदने वाले बड़े देशों पर आर्थिक दबाव बनाकर उसकी ऊर्जा से होने वाली कमाई घटाना है। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को रूस से बड़ी मात्रा में तेल और गैस खरीदने वाले तीसरे देशों के सामान पर शुल्क लगाने का अधिकार मिल सकता है। इनमें चीन और भारत जैसे देश भी प्रभावित हो सकते हैं। अमेरिकी प्रतिबंधों का घोषित उद्देश्य रूस की उन आय के स्रोतों को कम करना है, जिनसे यूक्रेन के खिलाफ 2022 से जारी युद्ध को फंड किया जा रहा है। राष्ट्रपति को रूस से बड़ी मात्रा में ऊर्जा खरीदने वाले तीसरे देशों पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाने का अधिकार मिल सकता है।सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के अनुसार, यह प्रावधान 2025 के विधेयक में प्रस्तावित 500 फीसदी शुल्क के मुकाबले अधिक सीमित है। रूस के प्राकृतिक गैस निर्यात का 15 फीसदी से कम आयात करने वाले और रूसी ऊर्जा पर निर्भरता घटाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने वाले देशों के लिए छूट का प्रावधान है। अटलांटिक काउंसिल के अनुसार, चीन अगर रूसी तेल खरीदना जारी रखता है तो उसके सामान पर राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर 100 फीसदी तक शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप के अनुरोध पर विधेयक में ईरान के हथियार और ऊर्जा क्षेत्रों की फंडिंग कम करने के उद्देश्य से प्रतिबंध लगाने के अधिकार को भी बढ़ाया गया है। भारत पर अभी 100 फीसदी शुल्क नहीं लगाया गया है। विधेयक राष्ट्रपति को परिस्थितियों के अनुसार ऐसा शुल्क लगाने का अधिकार देता है।

ट्रंप की युद्ध नीति पर संसद में संग्रामः ईरान पर सांसदों का शिकंजा, इस्राइल को बम देने पर रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की इस्राइल को 2.8 अरब डॉलर के भारी हथियार बेचने की योजना पर सवाल उठ गए हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सांसद ग्रेगरी मीक्स ने प्रस्तावित बिक्री को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। न्यूयॉर्क से सांसद मीक्स ने बुधवार को कहा कि उन्हें गंभीर और अभी तक दूर नहीं हुई चिंताएं हैं कि इन शक्तिशाली बमों का इस्तेमाल गाजा और लेबनान के घनी आबादी वाले इलाकों में कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'ट्रंप प्रशासन ने पर्याप्त भरोसा नहीं दिलाया है कि नेतन्याहू सरकार इन हथियारों का इस्तेमाल अमेरिकी कानून के मुताबिक और आम नागरिकों की उचित सुरक्षा के साथ करेगी।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- [illegible]
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- [illegible]
मोबाइल - 9810229192
3- [illegible]
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

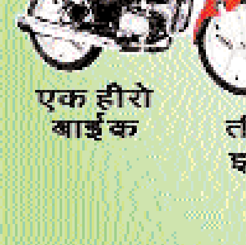

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

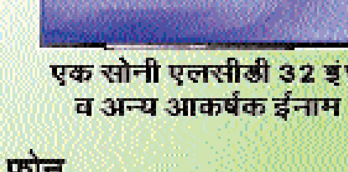

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम
बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को छपना छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10
फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा